THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 131 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.11 2080 शनिवार, 29 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत आयातक से निर्यातक बना : मोदी

गांधीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को पीएम मोदी ने गांधीनगर में महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में सेमीकंडक्टर उद्योग पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

सेमीकॉनइंडिया सम्मेलन 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जैसे सॉफ्टवेयर को अपडेट करना आवश्यक है, वैसे ही यह कार्यक्रम भी है। सेमीकॉनइंडिया के माध्यम से उद्योग, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ संबंध अपडेट होते रहते हैं। मेरा यह भी मानना है कि संबंधों में तालमेल के लिए यह आवश्यक है।

50 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रौद्योगिकी कंपनियों को 50 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योगों को हर तरह की सुविधाएं दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर डिजाइन पर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए भारत में 300 विद्यालयों की पहचान की गई है।

सवाल ही नहीं हवा का रुख भी बदल गया :

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल हम सभी ने सेमीकॉनइंडिया के पहले संस्करण में भाग लिया था। उस

समय इस पर चर्चा हो रही थी कि भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश क्यों करें? जब हम एक साल बाद अब मिल रहे हैं , सवाल बदल गया है। अब कहा जा रहा है कि निवेश क्यों न करें? सवाल ही नहीं हवा का रुख भी बदल गया है। यह बदलाव आप और आपके प्रयासों से आया है। आप जुड़े हैं, आपका भविष्य भारत की आकांक्षाओं से जुड़ा है। आपने अपने सपनों को भारत की क्षमता से जोड़ा है और भारत कभी किसी को निराश नहीं करता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात दो वर्षों में बढ़कर दोगुना से अधिक हो गया है। 21वीं सदी के भारत में आपके लिए अपार अवसर हैं। भारत का लोकतंत्र, भारत की जनसांख्यिकी और भारत से मिलने वाला लाभांश आपके व्यवसाय को दोगुना, तिगुना कर सकता है। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को दिन में राजकोट के अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे का उद्घाटन किया था।

सेमीकॉनइंडिया सम्मेलन 2023 में प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भारत के डिजिटल क्षेत्र और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं। कुछ साल पहले भारत इस क्षेत्र में एक उभरता हुआ खिलाड़ी था और आज वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में हमारी हिस्सेदारी कई गुना बढ़ गई है। 2014 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 30 बिलियन डॉलर से भी कम था। आज यह 100 अरब डॉलर को पार कर गया है। सिर्फ 2 साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात दोगुना हो गया है। भारत में निर्मित मोबाइल फोन का निर्यात दोगुना हो गया है। जो देश कभी मोबाइल फोन का आयातक था, वह आज दुनिया के बेहतरीन मोबाइल फोन बनाकर उनका निर्यात कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज दुनिया इंडस्ट्री 4.0 की गवाह बन रही है। जब भी दुनिया में कोई औद्योगिक क्रांति आई है, उसकी नींव किसी भी क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाएं रही हैं।

सत्ता की लालच में महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को मणिपुर में महिलाओं से बर्बरता के मामले में केंद्र की भाजपा सरकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता की लालच में महिला सम्मान के साथ खेल रही है। यही नहीं, वह देश के स्वाभिमान के साथ भी खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रही।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि जो देश महिलाओं का सम्मान नहीं करता। वह कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता। सत्ता के लोभ में भाजपा महिला सम्मान और देश के स्वाभिमान, दोनों के साथ खिलवाड़ कर रही है। वीडियो में मणिपुर में दो महिलाओं से बर्बरता, उन्हें निर्वस्त्र कर घुमाने, बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों का कथित यौन उत्पीड़न, उत्तराखंड में एक महिला की कथित तौर पर हत्या, जिसमें भाजपा नेता के बेटे को आरोपी बनाया गया है, जैसी घटनाओं का हवाला दिया गया है। इसमें बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले में दोषियों की रिहाई का जिक्र भी किया गया है। इससे पहले कांग्रेस नेता ने गुरुवार को कहा था कि पीएम मोदी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है। वो जानते हैं कि उनकी ही विचारधारा ने मणिपुर को जलाया है। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने मणिपुर को लेकर एक शब्द भी नहीं बोला।

देश का एक प्रदेश जल रहा हो तो देश का प्रधानमंत्री कुछ न कुछ तो कहेगा। आपको लगा होगा कि देश के पीएम हवाई जहाज से मणिपुर का दौरा करेंगे।

विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर तुरंत चर्चा के लिए अड़ा

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा और राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे को लेकर गतिरोध जारी है। मानसून सत्र के सातवें दिन शुक्रवार को भी दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही नारेबाजी शुरू हो गई। विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने अविश्वास प्रस्ताव पर तुरंत चर्चा की मांग की।

राज्यसभा में कार्यवाही 45 मिनट तक चली, लेकिन सभापति जगदीप धनखड़ और टीएमसई सांसद डेरेक ओब्रायन के बीच बहस के बाद इसे 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उधर, राज्यसभा से निलंबित सांसद संजय सिंह ने आज भी संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष से कार्यवाही में हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने कहा, आप सदन को चलने नहीं देना चाहते, प्रश्नकाल, जहां सरकार सवालों का जवाब देती है, बहुत जरूरी है। इस पर विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि 10 मई 1978 को अविश्वास प्रस्ताव पेश होते ही उस पर बहस शुरू कर दी गई थी।

कांग्रेस ने जयशंकर पर दागे सवाल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय के एक बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को सवाल किया क्या भारत-चीन सीमा विवाद सुलझने वाला है। दरअसल, विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को पिछले साल बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान रात्रिभोज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि इस मौके पर दोनों नेता ने शिष्टाचार का आदान-प्रदान किया और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर बनाए रखने की आवश्यकता पर बात की थी।

भीमा कोरेगांव मामले में गोंजाल्विस और फरेरा को जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-महाराष्ट्र छोड़कर नहीं जाएंगे दोनों

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एल्गार परिषद-माओवादी मामले में कार्यकर्ता वर्नोन गोंजाल्विस और अरुण फरेरा को शुक्रवार को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि वो पांच वर्ष से हिरासत में हैं। लिहाजा उनको जमानत पर रिहा किया जाना ठीक है। दोनों की जमानत को अदालत ने मंजूर कर दिया।

जस्टिस अनिरुद्ध बोस व जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने निर्देश दिया कि गोंजाल्विस तथा फरेरा महाराष्ट्र से बाहर नहीं जाएंगे। पुलिस के समक्ष अपना पासपोर्ट जमा कराएंगे। कोर्ट ने कहा कि दोनों आरोपी एक-एक मोबाइल का इस्तेमाल करेंगे और मामले की जांच कर रही एनआईए को अपना पता बताएंगे। एजेंसी को उनका सही पता मालूम होगा तो वो उनकी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख सकेगी। हालांकि कोर्ट ने ये भी कहा कि दोनों के खिलाफ लगे आरोप काफी संगीन हैं। लेकिन ये भी देखना होगा कि वो पांच सालों से हिरासत में हैं। उन्हें इस तरह से कैद तो नहीं रखा जा सकता। वर्नोन गोंजाल्विस और अरुण फरेरा की जमानत याचिका बंबई उच्च न्यायालय से खारिज हो गई थी। उसके बाद वो सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। यह मामला पुणे में 31 दिसंबर 2017 को एल्गार परिषद के एक कार्यक्रम से जुड़ा है।

पुणे पुलिस का कहना है कि इसके लिए पैसा माओवादियों ने उपलब्ध कराया था। पुलिस का आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान दिए गए भड़काऊ भाषणों के कारण अगले दिन कोरेगांव-भीमा युद्ध स्मारक में हिंसा भड़की थी। भीमाकोरेगांव मामला 2018 में सामने आया था। एनआईए का आरोप है कि इस मामले से जुड़े लोगों के निशाने पर पीएम मोदी थे। उनकी हत्या की साजिश ये लोग रच रहे थे।

कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की फैलाई अफवाह

50 साल के शख्स को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोच्चि, 28 जुलाई (एजेंसियां)। केरल में एक 55 साल के शख्स ने कथित तौर पर कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम होने की झूठी अफवाह फैला दी, जिससे एयरपोर्ट पर हंगामा मच गया। पुलिस ने घटना की सूचना 27 जुलाई को दी। जानकारी के मुताबिक, उड़ान में चढ़ने के सुरक्षा प्रक्रिया के दौरान शख्स ने एक अन्य यात्री के सूटकेस में बम होने का दावा किया। नेदुम्बसेरी पुलिस के अनुसार, पथानामथिट्टा के मूल निवासी साबू वर्गीस को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। नेदुम्बस्सेरी पुलिस ने कहा कि, ऐसा प्रतीत होता है कि शख्स एयरपोर्ट की लंबी सुरक्षा प्रक्रियाओं चिढ़ गया था। आरोपी शख्स ने सुरक्षा जांच की प्रतीक्षा करते समय ही अन्य यात्री के सूटकेस में बम होने का दावा किया था। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने जांच करने के बाद उस व्यक्ति के दावे को झूठ पाया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद, आरोपी शख्स को केरल पुलिस को सौंप दिया। बाद में उसकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया।

मणिपुर में हिंसा और महिलाओं से बदसलूकी मामले में एससी में सोमवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा और महिलाओं से बदसलूकी मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं होगी। बताया जा रहा है कि सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ आज उपलब्ध नहीं हैं। अब इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी। इससे पहले गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफ़नामा दायर कर बताया कि मणिपुर वायरल वीडियो केस की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। वीडियो बनाने वाला शख़्स गिरफ़्तार कर लिया गया है, जिस मोबाइल से वीडियो बनाया गया था, उसे भी बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले का ट्रायल मणिपुर से बाहर होगा। इधर केंद्र सरकार के मुताबिक, मणिपुर में हिंसा की घटनाओं में कमी आई है। 18 जुलाई के बाद से किसी की मौत नहीं हुई है। गृह मंत्रालय मैतेई और कुकी संगठनों के संपर्क में है। हालात सामान्य करने के लिए लगातार बातचीत की जा रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफ़नामा दाखिल कर ये सारी जानकारी दी है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि ट्रायल की प्रक्रिया को 6 महीने में ख़त्म करने का निर्देश दिया जाए। आपको बता दें पिछले गुरुवार को देश की सर्वोच्च अदालत ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई हैवानियत का वीडियो सामने आने के बाद इस मामले पर खुद से संज्ञान लिया था और केंद और मणिपुर सरकार से कहा था या तो आप कार्रवाई करें, नहीं तो हम करेंगे। आपको बता दें मणिपुर के वायरल वीडियो केस में अभी तक 7 लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में चार मई को दो महिलाओं को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र कर उन्हें घुमाए जाने की घटना का पता 19 जुलाई को सामने आए एक वीडियो के जरिए चला था।

'जबरन खींचकर, दंगा कराकर राजनीति करना'

संजय राउत के सवाल का उद्धव ने कहा अब हिंदुत्व को जांचने का समय है?

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। संजय राउत ने उद्धव ठाकरे को एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति, मणिपुर हिंसा, हिंदुत्व के बारे में खुलकर सवालों का जवाब दिया है। संजय राउत ने उद्धव ठाकरे ने पूछा, 'बालासाहेब के हिंदुत्व में देश था। उसमें धर्मांधता नहीं थी। जबरन खींचकर, दंगा कराकर राजनीति करना उन्हें पसंद नहीं था। लेकिन मौजूदा सरकार हिंदुत्व के नाम पर समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को राजनीति में ला रही है क्या? इसपर उद्धव ठाकरे ने जवाब देते हुए कहा, 'पहले एक बात स्पष्ट तौर पर बताने और सभी को स्पष्ट तरीके से समझने की आवश्यकता है। समान नागरिक कानून का आपने जो मुद्दा उठाया, उसे उस वक्त शिवसेना प्रमुख ने खुलकर समर्थन दिया ही था। अनुच्छेद 370 हटाने का खुले तौर पर समर्थन किया था। क्योंकि उस समय हिंदुत्व का एक सपना था। हिंदुत्व से प्यार था और उस हिंदुत्व की एक विचारधारा के कारण शिवसेना प्रमुख ने इन मुद्दों को खुलकर समर्थन दिया। उसी तरह मैंने भी दिया है।' हिंदुत्व के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे ने कहा, 'अब उनके हिंदुत्व को जांचने का समय आ गया है ये इसलिए मैं कहता हूं, तब जनसंघ की या उनकी घोषणा थी, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान। अब उसमें ही उन्होंने जोड़ दिया 'एक ही पार्टी'। जिसे मैं और जनता कदापि मंजूर नहीं कर सकते। देश एक मंजूर। एक निशान मंजूर। एक प्रधान कहें तो वो जनता द्वारा चुना हुआ होना चाहिए। लेकिन एक दल की यदि जब आप बात करते हो तो हम कभी भी मंजूर नहीं करेंगे।' अभी का आपका हिंदुत्व, उस हिंदुत्व के नाम पर जो चाहो वो करोगे, तो यह इस देश में ही नहीं, बल्कि विश्व में हिंदू कदापि नहीं स्वीकारेंगे और इसलिए... हम कहते हैं कि मट्ठा भी फूंक-फूंक कर पीने का समय आता है।

महाकाल की शरण में पहुंचे बृजभूषण सिंह, नंदी हॉल में बैठकर किया बाबा का विशेष पूजन

उज्जैन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अकाल मृत्यु के भय को हरने वाले बाबा महाकाल के दरबार में लगातार वीआईपी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शुक्रवार सुबह प्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर अद्भुत और दिव्य आरती का लाभ लिया। सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह भी बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। बृजभूषण शरण सिंह ने शुक्रवार सुबह उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उनका दुप्पटा, स्मृति चिन्ह व प्रसाद भेंटकर सम्मान किया।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने उडुपी मामले पर लिया संज्ञान, कहा- मामले का राजनीतिकरण न करें

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उडुपी के एक पैरामेडिकल कॉलेज के शौचालय में एक लड़की का कथित वीडियो बनाने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य खुशबू सुंदर ने गुरुवार को कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है। इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

सिर्फ एक दिन में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। पुलिस ने कानून के मुताबिक कार्रवाई की है। कॉलेज के शौचालयों में छिपे हुए कैमरे पर खुशबू ने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि शौचालयों में छिपे हुए कैमरे थे। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। गलत वीडियो चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक संस्था है, इसलिए वहां कोई छिपे हुए कैमरे नहीं हो सकते। हम पुलिस से बात कर रहे हैं। पुलिस विभाग की जांच और हमारी तरफ से जांच जारी रहेगी। हम जल्द ही किसी नतीजे पर पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि उडुपी के एक पैरामेडिकल कॉलेज के शौचालय में कैमरा फिट करने के आरोप में तीन लड़कियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कॉलेज प्रशासन पर भी कार्रवाई की है। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संज्ञान लेते हुए एक टीम कॉलेज में भेजी। टीम की अगुवाई कर रही खुशबू सुंदर ने बुधवार और गुरुवार कॉलेज की व्यवस्थाओं की जांच की और लड़कियों से बात भी की।

शादी से मना करने पर लड़की की रॉड मारकर हत्या, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मालवीय नगर में दिनदहाड़े एक लड़की को मौत के घाट उतार दिया गया। बताया जा रहा है कि एक युवक ने रॉड से हमला कर लड़की की हत्या कर दी। हमले में लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, वारदात अरबिंदो कॉलेज के पास हुई है। यहां विजय मंडल पार्क शिवालिक ए ब्लॉक में लड़की का शव मिला है। लड़की की उम्र 25 साल बताई जा रही है। पार्क में एक बेंच के नीचे एक लड़की का शव मिला। उसके सिर से खून बह रहा था और सिर के आसपास खून पड़ा हुआ था। उसके शव के पास एक लोहे की रॉड मिली। आरोपी की पहचान इरफान (28) के रूप में हुई है, जो संगम विहार का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि आरोपी और मृतका के परिजन रिश्तेदार हैं। लड़की के परिवार वालों ने उनकी शादी से इनकार कर दिया था और पीड़िता ने युवक से बात करना बंद कर दिया था। इस इनकार से वह परेशान हो गया। जिसके बाद उसने लड़की की रॉड से हमला कर हत्या कर दी।

दिल्ली जाकर काम करने से किया मना, तो महिला ने नाबालिग बेटे की मदद से कर दी पति की हत्या

भद्रक, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक जिले से एक सन्न कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने नाबालिग बेटे की मदद से पति की हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को इस घटना की जानकारी दी। मृतक की पहचान सुरेश महला के रूप में हुई है। यह घटना भद्रक ग्रामीण थाना क्षेत्र के बनितिया पंचायत के महला साही की है। गांव के लोगों के लोगों का आरोप है कि पारिवारिक विवाद में सुरेश की पत्नी और नाबालिग बेटे ने चाकू मारकर शख्स की हत्या कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेश गांव में काम करता था, जबकि उसकी पत्नी दिल्ली में काम करती थी। उन्होंने हाल ही में गांव का दौरा किया था। सुरेश ने अपनी पत्नी से दिल्ली जाकर काम नहीं करने का अनुरोध किया, जिसके बाद दोनों में बहस हुई। गुस्से में आकर मां और बेटे ने शख्स पर चाकू से हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई।

कर्नाटक के गवर्नर को लिए बिना ही उड़ गई एयर एशिया की फ्लाइट, प्रोटोकॉल उल्लंघन का लगा आरोप

बैंगलुरू, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल- 2 से एयर एशिया की फ्लाइट आई 5972 से राज्यपाल थावर चंद गहलोत को हैदराबाद के लिए उड़ान भरनी थी। राज्यपाल की प्रोटोकॉल टीम के एक अधिकारी के मुताबिक, समय से पहले ही राज्यपाल वीवीआईपी लाउंज में पहुंच गए थे और इंतजार कर रहे थे। राज्यपाल की प्रोटोकॉल टीम के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल गुरुवार दोपहर 1:30 बजे एयरपोर्ट पहुंचे और टर्मिनल 1 के वीवीआईपी लाउंज में बैठ गए। एयरलाइंस के ग्राउंड स्टाफ को उनके आगमन की सूचना दे दी गई और प्रोटोकॉल के मुताबिक राज्यपाल को सबसे आखिर में बोर्ड करने की सारी व्यवस्था भी कर ली गई। इस विमान को दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर उड़ान भरनी थी। राज्यपाल 2 बजकर 6 मिनट पर टर्मिनल 1 से टर्मिनल 2 पर पहुंच गए, लेकिन एयरलाइन स्टाफ ने देरी की बात कहकर उनकी बोर्डिंग को मंजूरी नहीं दी।

राज्यपाल को विमान में बोर्ड नहीं होने दिया

प्रोटोकॉल अधिकारी के मुताबिक, इस विमान ने 2 बजकर 27 मिनट पर उड़ान भरी, लेकिन एयरलाइंस स्टाफ ने राज्यपाल को विमान में बोर्ड नहीं होने दिया। राज्यपाल के कार्यालय की ओर से इस बाबत एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में एक केस भी दर्ज किया गया है। मामले के सामने के बाद एयर एशिया ने सफाई देते हुए इस असुविधा के लिए राज्यपाल से माफी मांगी है और इस प्रकरण की विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं।

एयरलाइंस ने घटना पर जताया खेद

एयरलाइंस ने अपनी सफाई में कहा, हमें इस घटना पर खेद है। जांच कराई जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी। एयरलाइन की वरिष्ठ नेतृत्व टीम इसे लेकर गवर्नर कार्यालय के संपर्क में है। प्रोफेशनलिज्म के हाई स्टैंडर्ड और प्रोटोकॉल के पालन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है और हम राज्यपाल कार्यालय के साथ अपने संबंधों को गहराई से अहमियत देते हैं।

'तेजी से हो वैवाहिक मामलों का फैसला', एक मामले में सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाई कोर्ट की टिप्पणी

बेंगलुरु, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि वैवाहिक मामलों की सुनवाई और उनका निपटारा जल्दी किया जाना चाहिए। कोर्ट का कहना है कि मानव जीवन छोटा है और पक्षों को मामले के बाद अपने जीवन का पुनर्निर्माण करना होता है। अदालत एक ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2016 में एक वैवाहिक मामला दायर कर अपनी शादी को अमान्य करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि त्वरित न्याय के अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 के तहत संवैधानिक गारंटी के रूप में मान्यता दी है और इसलिए मामले के शीघ्र निपटान के लिए एक निर्देश जारी किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने अपने हालिया फैसले में कहा कि अदालत इस प्रस्ताव से सहमत है और वैवाहिक मामलों का त्वरित निपटान जीवन की अल्पता के लिए रियायत के रूप में आवश्यक है। इतिहासकार थॉमस कार्लाइल का हवाला देते हुए, हाई कोर्ट ने कहा, जीवन छोटा होने के लिए बहुत छोटा है। अदालत ने कहा, जब किसी वैवाहिक मामले में विवाह के अमान्यता के लिए प्रार्थना शामिल होती है, तो अदालतों को एक वर्ष की बाहरी सीमा के भीतर इसे निपटाने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा इसलिए, ताकि पक्षकार अपने जीवन को दोबारा नए सिरे से शुरू कर सके। ऐसे मामलों के निपटारे में देरी से संबंधित पक्षों पर बहुत बुरा असर पड़ता है, इस पर विचार-विमर्श की जरूरत नहीं है। पारिवारिक अदालत को सात साल पुराने मामले को तीन महीने के भीतर निपटाने का निर्देश देते हुए, उच्च न्यायालय ने रजिस्ट्रार जनरल को सभी संबंधित हलकों में फैसले को प्रसारित करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा, अन्य समान परिस्थिति वाले वादी अनावश्यक रूप से इस अदालत के दरवाजे पर दस्तक नहीं दे सकते हैं।

दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट में प्रोफेसर ने महिला से की छेड़छाड़?

गिरफ्तारी के बाद मिली जमानत

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से मुंबई जा रही एक फ्लाइट में एक महिला के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। फ्लाइट में सवार एक महिला डॉक्टर ने अपनी सीट के पास बैठे यात्री पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी एक प्रोफेसर है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 47 वर्षी आरोपी प्रोफेसर ने उसे गलत तरीके से छुआ जिसके बाद दोनों के बीच बहस होने लगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली से सुबह 05 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरने वाले विमान में 24 वर्षीय पीड़िता की सीट आरोपी के बगल में ही थी। उन्होंने कहा, 'महिला डॉक्टर ने अपनी शिकायत में बताया कि मुंबई एयरपोर्ट पर प्लेन के उतरने से कुछ समय पहले आरोपी ने उन्हें गलत तरीके से छुआ।' इसके बाद दोनों के बीच बहस हुई और पीड़िता ने विमान के चालक दल के सदस्यों को सूचित किया, जिन्होंने हस्तक्षेप किया। उन्होंने बताया कि विमान से उतरने के बाद पीड़िता सहार पुलिस थाने पहुंचीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सहार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 और 354 (ए) के तहत मामला दर्ज किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी को जब कोर्ट में पेश किया गया तो उसे जूडिशल कस्टडी में भेज दिया गया था, हालांकि वकील द्वारा जमानत की अर्जी लगाने के बाद बेल को मंजूर कर लिया गया और उसे रिहा कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

370 हटाने के खिलाफ लंबित याचिकाएं की जाएं खारिज, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कश्मीरी हिंदू

जम्मू, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 हटाने के सरकार के फैसले के समर्थन में कश्मीरी हिंदू सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। कश्मीरी हिंदुओं की ओर से कोर्ट में दो अलग-अलग हस्तक्षेप आवेदन दायर किए गए, जिनमें कोर्ट से मांग की गई कि आर्टिकल 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली सभी लंबित याचिकाओं को खारिज कर दिया जाए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बी। आर। गवई और जस्टिस सूर्यकांत की संविधान पीठ 2 अगस्त से आर्टिकल 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कश्मीरी हिंदुओं की ओर से दोनों आवेदन 'यूथ 4 पनून कश्मीर' एवं सामाजिक कार्यकर्ता वीरेंदर कौल की तरफ से अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रवीण आचार्य के जरिएत में दायर किए गए हैं।

संगठन ने किया ये दावा

यूथ 4 पनून कश्मीर ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35-ए ने संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन किया क्योंकि इसने कभी भी भारतीय संविधान की सर्वोच्चता को मान्यता नहीं दी। कश्मीरी पंडित कौल ने अपने आवेदन में कहा कि अनुच्छेद 370 भेदभावपूर्ण था क्योंकि यह नागरिकों दो वर्ग में विभाजित करता है एक पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर प्रदेश के लिए और दूसरा शेष भारत के लिए और इसके अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने से यह भेदभाव खत्म हो गया है।

5 अगस्त 2019 को हटाया गया था आर्किटल 370

अनुच्छेद 35-ए जम्मू कश्मीर के नागरिकों को विशेष अधिकार और विशेषाधिकार प्रदान करता था और राज्य के बाहर के लोगों को प्रदेश में कोई भी अचल संपत्ति खरीदने का अधिकार नहीं था। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेते हुए राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू कश्मीर और लद्दाख, में बांट दिया था। सरकार के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून 2019 को चुनौती देते हुए कई याचिकाएं कोर्ट में दायर की गईं, जिन्हें अदालत की संविधान पीठ के पास सुनवाई के लिए भेज दिया गया था। दोनों आवेदनों में संविधान के अनुच्छेद 35-ए को निरस्त करने और अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस लेने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले, 11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस लेने के फैसले को चुनौती देने वाले विभिन्न आवेदनों पर 2 अगस्त से रोजाना सुनवाई की जाएगी।

इंदौर में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

दूसरे प्रदेशों से आई महिलाएं भी पकड़ाईं

इंदौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर पुलिस ने खजराना थाना क्षेत्र से छह महिलाओं को सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इनमें से दो महिलाएं पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। रहवासियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस ने छापेमार कार्रवाई करते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी दिनेश वर्मा ने बताया कि स्कीम नंबर 94 के मनोरमागंज में पुलिस ने यह छापामार कार्रवाई की है। इसमें पुलिस ने छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दस्तावेजों की जांच करने पर पुलिस को यह भी पता चला है कि इनमें से दो महिलाएं पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। यह महिलाएं बिना जानकारी के इलाके में रह रहीं थीं। प्रदेश के बाहर से आने वालों को स्थानीय पुलिस स्टेशन में इसकी जानकारी देना होती है। इन महिलाओं के कमरे से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। पुलिस द्वारा सभी को कोर्ट में पेश किया गया है। रहवासियों ने बताया कि यहां पर लंबे समय से सेक्स रैकेट चल रहा था। यहां पर देह व्यापार के लिए प्रदेश के बाहर से महिलाओं को बुलाया जाता था। रहवासियों को जब इसकी पुष्टि हो गई तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

'मुहर्रम में एम्पलीफायर-ड्रम बजाकर दूसरों की शांति भंग करना गैरकानूनी, कोई धर्म नहीं देता इजाजत', कोर्ट की टिप्पणी

कोलकाता, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मुहर्रम के जुलूस में ड्रम बजने से होने वाले शोर कोर लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि बेरोकटोक ऐसा करना गलत है क्योंकि इससे लोगों की शांति भंग होती है और कोई धर्म इसकी इजाजत नहीं देता। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि एक पब्लिक नोटिस जारी कर इसके लिए समय निर्धारित करें, जिससे दूसरे लोगों कोई दिक्कत न हो। जस्टिस टीएस शिवागनम और जस्टिस हीरानमय भट्टाचार्य की बेंच एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुहर्रम के दौरान ड्रम बजाने से होने वाले शोर का मुद्दा उठाया गया। वहीं, कोर्ट ने राज्य सरकार के उस निवेदन को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया कि ये धार्मिक गतिविधियां हो सकती हैं, जो मुहर्रम के दौरान की जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी भी समय बिना रोक टोक के ड्रम बजाना अनुचित है और जैसा याचिकार्ता का कहना है अगर सच में वैसा होता है तो यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। कोर्ट ने कहा कि यह नियमों का उल्लंघन है इसलिए पुलिस को निर्देश दिए जाते हैं कि इसे लेकर समय निर्धारित करें और सिर्फ उस समय में ही इन गतिविधियों के लिए इजाजत दी जाए। कोर्ट ने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि नागरिकों वह सुनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, जो वह पसंद नहीं करते या सुनना नहीं चाहते। कोई धर्म इसकी इजाजत नहीं देता कि दूसरों को परेशान करके या एम्पलीफायर और ड्रम बजाकर ही प्रार्थना की जाए। कोर्ट शगुफ्ता सुलेमान की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें मुहर्रम के दौरान दिन रात ड्रम बजाने का मुद्दा उठाया गया। राज्य सरकार ने याचिका पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उनका ये कहना गलत है कि दिन रात ऐसा होता है ये गतिविधियां सिर्फ सुबह 6 बजे से रात को 10 बजे तक होती हैं। इसके जवाब में चीफ जस्टिस ने कहा, सुबह 6 बजे का समय बहुत जल्दी होता है, ड्रम बजाने की इजाजत तो 8 बजे भी नहीं दी जा सकती है क्योंकि उस समय बच्चों को स्कूल जाना होता है, बल्कि बुजुर्गों, बूढ़ों और बीमार लोगों को भी इससे परेशानी हो सकती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि शाम को 7 बजे के बाद भी इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट ने पुलिस और पॉल्यूशन कंट्रोल ब्यूरो को निर्देश दिया कि जब कोई त्योहार या इवेंट हो तो नागरिकों को संबंधित नियमों के बारे में बताना उनकी जिम्मेदारी है। बेंच ने आगे कहा कि अधिकारियों को इस संबंध में एक एसओपी तैयार करनी चाहिए ताकि ऐसी सभाओं के दौरान म्युजिक इंस्ट्रुमेंट्स का इस्तेमाल सही से हो और ध्वनि प्रदूषण न हो जितनी आवाज की इजाजत है उसका ख्याल रखा जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 29 जुलाई, 2023 3

सुविचार: सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है फिर भी हर एक सत्य ही होगा।

फर्जी सहायक जिला न्यायाधीश पहुंचा सलाखों के पीछे

एसओटी के किया नरेन्द्र के नकली ताने-बाने को बेनकाब

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने उप्पल पुलिस के साथ मिलकर एक फर्जी सहायक जिला न्यायाधीश को सलाखों को पीछे पहुंचा दिया। पुलिस ने उसके ताने-बाने को बेनकाब कर दिया। वह लोगों को सहायक जिला न्यायाधीश बनकर ठग रहा था। आरोपी के साथ उसके गनमैन को भी एक पिस्तौल, पांच जिंदा राउंड और दो मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी एन.नरेंद्र (31) निवासी करीमनगर और उसका गनमैन पूर्व सैनिक चौधरी मधुसुधन रेड्डी (41) निवासी अनंतपुर, करीनगर है। पुलिस के अनुसार नरेंद्र स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है। उसने आसानी से पैसा कमाने के लिए अपराध करने का फैसला किया और 2014 से 2016 के बीच हैदराबाद, करीमनगर और साइबराबाद में कई मामलों में शामिल था और जेल गया था। उन्हें 2017 में निवारक हिरासत अधिनियम के तहत भी हिरासत में लिया गया था और 2018 में जेल से रिहा कर दिया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, जेल से रिहा होने के बाद, वह प्रशासक-जनरल और आधिकारिक ट्रस्टी, तेलंगाना राज्य, सहायक जिला न्यायाधीश बनकर खम्मम गया और भूमि विवादों को निपटाने का वादा करके लोगों से पैसे इकट्ठा करके धोखाधड़ी की। इस संबंध में खम्मम ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था और उन्हें जेल भी हुई थी। जेल से छूटने के बाद, वह हैदराबाद आया और अमीरपेट के एक वेब डिजाइनर संतोष से मिला, जिसकी मदद से उसने तेलंगाना उच्च न्यायालय में अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश के रूप में फर्जी प्रोफ़ाइल बनाई और लोगों को धोखा देना शुरू कर दिया। वह 2021 में वनस्थलीपुरम के शिकायतकर्ता जी.सोमी रेड्डी से मिले और उनके भूमि उत्परिवर्तन मुद्दे को निपटाने का वादा करके 10 लाख रुपये लिए, लेकिन ऐसा करने में विफल रहे। न तो उन्होंने ज़मीन का मामला सुलझाया और न ही पैसे लौटाए। इसके अलावा, उन्होंने एक पूर्व सैनिक चौधरी मधुसुधन रेड्डी को निजी गनमैन के रूप में भी नियुक्त किया और हैदराबाद और उसके आसपास भूमि बंदोबस्त करना जारी रखा। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ लिया और हथियार जब्त कर लिये।

टास्कफोर्स ने हैदराबाद में ऑटोमोबाइल चोरों को पकड़ा

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार को आवासीय कॉलोनियों से दोपहिया वाहन चोरी करने के आरोप में दो किशोरों सहित चार लोगों को पकड़ा। अधिकारियों ने उनके पास से सात बाइकें बरामद कीं, जिनकी कुल कीमत साढ़े तीन लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति हुसैनीआलम के एक बैंड मास्टर शेख मुस्तफा (21) और मोहम्मद अफ़सर (28), संतोषनगर का एक ऑटो-रिक्शा चालक और दो 17 वर्षीय किशोर है। यह गिरोह हुसैनीआलम, खैरताबाद, आई.एस.सदन, बंडलागुडा, कालापत्थर और फलकनुमा में मामलों में शामिल था। पुलिस ने कहा कि जो संदिग्ध एक शानदार जीवन शैली चाहते थे, उन्होंने विभिन्न संभ्रांत आवासीय कॉलोनियों से ऑटोमोबाइल चोरी करने और उन्हें बेचकर पैसे कमाने का फैसला किया। वे चोरी की फिराक में रहते हैं और बाइक इकट्ठा करके छिपा देते हैं। सही समय पर, वे इसे अपने परिचित लोगों को कम दरों पर बेच देते हैं, एक अधिकारी ने कहा कि गिरोह अब तक सात मामलों में शामिल था। एक गुप्त सूचना के बाद संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से बाइक बरामद की गईं।

अमेरिकी आव्रजन सेवा ने एच-1बी आवेदकों के लिए दूसरे लॉटरी दौर की घोषणा की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त वर्ष 2024 के लिए बहुप्रतीक्षित एच-1बी वीजा के लिए यादृच्छिक लॉटरी चयन का दूसरा दौर जल्द ही शुरू होगा, क्योंकि यह निर्धारित किया गया था कि संख्यात्मक आवंटन तक पहुंचने के लिए "अतिरिक्त पंजीकरण" का चयन करने की आवश्यकता है।' अमेरिकी संघीय आव्रजन एजेंसी ने कहा है कि एक ऐसा निर्णय जिससे अधिक भारतीय पेशेवरों को लाभ हो सकता है। वाशिंगटन से मिली जानकारी के अनुसार अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने गुरुवार को कहा कि वह यादृच्छिक चयन प्रक्रिया का उपयोग करके पहले जमा किए गए इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरणों में से अतिरिक्त पंजीकरणों का चयन करेगा। मार्च में, यूएससीआईएस ने वित्तीय वर्ष 2024 एच-1 बी कैप के लिए उचित रूप से प्रस्तुत इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरणों का प्रारंभिक यादृच्छिक चयन किया, जिसमें उन्नत डिग्री छूट के लिए पात्र लाभार्थी भी शामिल थे। केवल वित्तीय वर्ष 2024 के लिए चयनित पंजीकरण वाले वे याचिकाकर्ता एच-1बी कैप-विषय याचिका दायर करने के पात्र हैं।

बाल विवाह रोका गया, नाबालिग लड़की को बचाया गया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी डिवीजन की रचाकोंडा पुलिस टीम ने एक बाल विवाह को रोका और शुक्रवार को उप्पल से एक नाबालिग लड़की को बचाया। बीरप्पागड्डा की नाबालिग लड़की के माता-पिता ने उसकी शादी पड़ोसी गांव के एक युवक से तय की थी। हमें जानकारी मिली कि दोनों पक्षों के बुजुर्गों ने शादी तय कर दी है। हम उनके घर गए और उनके परिवारों को कम उम्र में विवाह और अन्य के नकारात्मक प्रभावों के बारे में सलाह दी। इसके बाद उन्होंने शादी रद्द कर दी। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने शी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए नागरिकों से अनुरोध किया कि वे बाल विवाह को प्रोत्साहित न करें क्योंकि यह एक अपराध है।

बारिश की स्थिति पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं सीएम : एनवीएसएस

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा पार्टी ने आज केसीआर सरकार से हाल ही में राज्यों के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की, जिससे आम लोगों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यहां प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एनवीएसएस और पूर्व विधायक प्रभाकर ने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार में भारी बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान चुनौतियों से निपटने के लिए उपाय करने में दूरदर्शिता की कमी है। प्रभाकर ने यहां राज्य पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर सरकार जीएचएमसी के तहत हैदराबाद के नागरिकों की समस्याओं के समाधान के प्रति ईमानदार है तो सरकार को बारिश से हुए नुकसान, सरकार की विफलता और जीएचएमसी अधिकारियों की लापरवाही पर चर्चा के लिए तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। लोगों की

कठिनाइयों के लिए सीएम केसीआर और उनके मंत्री बेटे केटीआर को जिम्मेदार ठहराते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं पर झीलों की भूमि पर अतिक्रमण करने और कई झीलों को खोदने में सरकार की विफलता का आरोप लगाया, जिससे हैदराबाद शहर के नागरिकों को गंभीर समस्याएं हुईं और झीलें ओवरफ़्लो हो गईं।

कई कॉलोनियों और निचले इलाकों में पानी घुस गया। प्रभाकर ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने मिशन काकतीय कार्यक्रम लागू किया होता तो हैदराबाद शहर में चार दिनों में भारी बारिश के कारण आम लोगों का जीवन प्रभावित होने वाली स्थिति से बचा जा सकता था।

सीएम केसीआर 31 जुलाई को कैबिनेट बैठक बुलाएंगे, 3 अगस्त से विधानसभा सत्र

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 31 जुलाई को दोपहर 2 बजे से डॉ. बीआर अंबेडकर राज्य सचिवालय में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है।

राज्य सरकार ने 3 अगस्त से राज्य विधानसभा और विधान परिषद का सत्र आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। कैबिनेट में लगभग 40 से 50 मुद्दों पर चर्चा होगी।

अमित शाह और प्रियंका गांधी वाड्रा का तेलंगाना दौरा स्थगित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का इस सप्ताह निर्धारित तेलंगाना दौरा स्थगित कर दिया गया है. तेलंगाना में भाजपा प्रवक्ता एन वी सुभाष ने एक बयान में कहा कि शाह की 29 जुलाई को राज्य की यात्रा "अपरिहार्य कारणों" से स्थगित कर दी गई है। इस बीच, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद मल्लू रवि ने कहा कि राज्य के कोल्लापुर में 30 जुलाई को एक सार्वजनिक सभा में प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल होने वाली थीं, भारी बारिश के कारण स्थगित कर दी गई है।

तेज धार में बहा बच्चा, बचाने कूदे व्यक्ति के साथ बालक लापता

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में लगातार बारिश होने के कारण जिले के नदी नाले उफान पर है। शुक्रवार के दिन आसिफाबाद जिला केंद्र तुम्पेली मोरम नदी उफान पर बह रही है। तुम्पेली गांव के रहने वाले रेकला कौशिक (11) वर्ष बालक अपने दोस्तों के साथ नदी के पास आया हुआ था। इसी बीच वह हाथ और पैर धोने के लिए नदी के किनारे पहुंचा और हाथ धोते समय दुर्घटनावश पांव फिसलने से वह नदी में बह गया। उसे बहता हुआ देखते हुए उसके दोस्तों ने भी उसको बचाने के लिए बहती नदी में छलांग लगाई और वह भी बहने लगे तब वहां पर उपस्थित जब लोगों को इसका पता चला तब दो और तैराक व्यक्ति उनको बचाने के लिए नदी में कूद पड़े एक व्यक्ति ने दो बच्चों को बाहर निकाला लेकिन ग्यारे मोहन नदी के तेज प्रवाह में बह गया। रेकला कौशिक और ग्यारे मोहन का अभी तक कोई पता नहीं चला। घटनास्थल पर आसिफाबाद जेडपी अध्यक्ष कोवालक्ष्मी, आसिफाबाद जिला कलेक्टर, तहसीलदार, आसिफाबाद एसपी ने घटनास्थल का दौरा किया। और उन दोनों को खोजने के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए।

'हम सरकार का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन', कटिहार की घटना पर कांग्रेस विधायक खूब बोले

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कटिहार के बारसोई में हुए गोलीकांड पर कांग्रेस के विधायक शकील अहमद खान ने बड़ा बयान दिया है। बारसोई में गोली लगने से दो लोगों की हुई मौत को लेकर कांग्रेस पार्टी के विधायकों का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिजनों से मिलने जा रहा है। शकील अहमद खान ने कहा कि घटना कहां और किस स्थिति में हुई इसकी भी जांच करेंगे। हम सरकार का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन हमारे लिए यह जांचना भी महत्वपूर्ण है कि क्या जिला प्रशासन या उप-विभाग प्रशासन ऐसी गलती करता है।

भारत जोड़ो यात्रा 2: गुजरात से यूपी तक राहुल-प्रियंका भरेंगे चुनावी हुंकार, 2024 के लिए तैयार करेंगे जमीन

प्रयागराज, 28 जुलाई (एजेंसियां)। (भारत जोड़ो यात्रा 2) लोकसभा चुनाव 2024 में सत्ता पर आसीन होने के सपने संजोए और भारत जोड़ो यात्रा के प्रथम चरण की कथित सफलता से आह्लादित कांग्रेस पार्टी उप्र में संगठन को खड़ा करने में जुटी है। कमान स्वयं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने संभाली है। इसके लिए राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा-2 पर निकलेंगे। गुजरात के पोरबंदर से आरंभ होकर यात्रा उत्तर प्रदेश में आएगी। लगभग 25 दिनों में प्रदेश के 15 जिलों से यात्रा गुजरेगी। यात्रा का पड़ाव प्रयागराज में भी होगा। उस दौरान राहुल गांधी व उनकी बहन प्रियंका वाड्रा आनंद भवन स्थित स्वराज भवन में रुकेंगे।

सिंतबर में शुरू हुई थी भारत जोड़ो यात्रा

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा-1' सात सितंबर 2022 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। इसके जरिए राहुल ने 12 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों में 3570 किलोमीटर की यात्रा पूरी की थी। कांग्रेस का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा का संगठन को व्यापक असर हुआ। इससे कार्यकर्ता सक्रिय हुए और राहुल आम लोगों से सीधे जुड़ने में सफल रहे। उसे ध्यान में रखते हुए भारत जोड़ो यात्रा-2 निकाली जाएगी।

यूपी में सियासी जमीन तलाशेगी कांग्रेस

यात्रा अगस्त माह के अंतिम अथवा सितंबर के प्रथम सप्ताह में शुरू हो सकती है। अबकी यात्रा प्रयागराज लाने की तैयारी है। कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता के कारण जमीनीस्तर पर जनता से कट चुकी कांग्रेस खोई जमीन वापस पाना चाहती है। इसके लिए प्रदेश व जिला स्तर पर संगठन में जल्द बदलाव किया जाएगा। साथ ही राहुल-प्रियंका का स्वराज भवन में प्रवास करवाकर कांग्रेस पूर्वांचल को साधना चाह रही है, क्योंकि यहां का संदेश प्रदेश व देशभर में जाता है। कांग्रेस के प्रयागराज प्रांत के अध्यक्ष अजय राय के अनुसार भारत जोड़ो यात्रा-2 निकलनी है, लेकिन उसकी तारीख तय नहीं है। यह निश्चित है कि यात्रा का प्रयागराज में ठहराव होगा। इसको लेकर तैयारी चल रही है।

2017 में यहीं से शुरू की थी यात्रा

राहुल गांधी ने 2017 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की शुरुआत आनंद भवन के पास से की थी। तब कांग्रेस व सपा मिलकर चुनाव लड़ रहे थे। आनंद भवन के पास से 27 फरवरी को राहुल व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिलकर रथयात्रा शुरू की थी। स्वराज भवन में 17 फरवरी 2020 को प्रियंका ने रात व्यतीत किया था।

अतीक अहमद के बहनोई और भांजी की अवैध हिरासत का मामला

पुलिस पर गंभीर आरोप, कोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज, 28 जुलाई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद की बड़ी बहन शाहीन ने प्रयागराज पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है। शाहीन ने पति डॉक्टर मोहम्मद अहमद और बेटी जेबा को अवैध हिरासत में रखने की अदालत से शिकायत की है। उसका कहना है कि संपर्क करने पर भी पुलिस संतोषजनक जवाब नहीं दे रही है। अतीक अहमद के बहनोई और भांजी की अवैध हिरासत मामले में अदालत ने पुलिस को 31 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शाहीन ने बाल संरक्षण गृह में पिछले करीब पांच महीने से रखे गए अतीक अहमद के दो नाबालिग बेटों की कस्टडी मांगी थी। शाहीन की अर्जी पर प्रयागराज पुलिस को बाल कल्याण समिति के सामने रिपोर्ट पेश करनी थी। पुलिस पर आरोप है कि कस्टडी की अर्जी वापस लेने के लिए शाहीन पर दबाव बनाया गया। घर पर छापेमारी के दौरान पुलिस शाहीन की बेटी जेबा और पति डॉक्टर मोहम्मद अहमद को साथ ले गई। अब संपर्क करने पर भी पुलिस कोई जवाब नहीं दे रही है। बता दें कि 15 अप्रैल को अतीक अहमद और भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी में तीन हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने माफिया ब्रदर्स पर हमला मेडिकल चेकअप के लिए कॉल्विन अस्पताल लाने के दौरान किया था। शक से बचने के लिए तीनों हमलावर मीडिया कर्मी की वेशभूषा में आए थे। कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने के बाद माफिया ब्रदर्स हत्याकांड की जांच एसआईटी जारी रखेगी।

आजम की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

एचसी ने आपत्तिजनक भाषण मामले में आवाज के नमूने रिकॉर्ड करने के दिए निर्देश

प्रयागराज, 28 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2007 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ व आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में सपा नेता आजम खान को अपनी आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया है। इससे पहले एमपी/एमएलए कोर्ट रामपुर ने आजम खान को आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया था। जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी यह मांग खारिज कर दी।

2007 विधानसभा चुनाव में दिया था आदेश

न्यायमूर्ति राजीव मिश्र ने आजम खान की याचिका निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया है। विधानसभा चुनाव 2007 के दौरान आजम खान ने एक जनसभा में भड़काऊ भाषण दिया। जिसमें आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के खिलाफ धीरज कुमार सिंह ने रामपुर के टांडा थाने में आजम के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम व एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया। प्रकरण में विवेचक ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल करने पर कोर्ट ने संज्ञान लेकर मुकदमे का ट्रायल शुरू कर दिया। ट्रायल के दौरान यह सामने आया कि उक्त भाषण की रिकार्डिंग कराई गई थी। जिसे विवेचक ने अपनी केस डायरी का हिस्सा बनाया है, लेकिन चार्ज शीट में रिकार्डिंग का जिक्र नहीं है। स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने आडियो से आजम खान के आवाज का मिलान कराने का निर्देश दिया। आदेश के खिलाफ आजम खान की आपत्ति 29 अक्टूबर 2022 को स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने खारिज कर दी। जिसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। आजम के वकीलों ने कई तकनीकी बिंदुओं पर इस आदेश को गलत बताते हुए कहा कि रिकार्डिंग नायब तहसीलदार गुलाब राय ने व्यक्तिगत स्तर पर कराई थी, न कि उन्हें किसी वरिष्ठ पुलिस या प्रशासनिक अधिकारी ने ऐसा करने का आदेश दिया था।

बिजनौर में तेंदुए ने एक और युवक को उतारा मौत के घाट

बिजनौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में तेंदुए ने 18 वर्षीय युवक को मौत के घाट उतार दिया। घटना गुरुवार देर शाम को नगीना थाना अंतर्गत के तेलीपुरा गांव की है। पीड़ित संदीप देर शाम को पशुओं के चारा लेकर खेत से लौट रहा था तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे घसीट कर गन्ने के खेत में ले गया। नगीना थाना एसएचओ रविन्द्र वशिष्ठ ने कहा, संदीप ने शोर मचाया, इसके बाद ग्रामीण डंडे लेकर मौक पर पहुंच गए। तब तक तेंदुए ने युवक के शरीर को क्षत-विक्षत और खून से लथपथ कर छोड़ दिया। स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बिजनौर सब डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (एसडीओ), ज्ञान सिंह ने कहा कि तेंदुए के हमले से युवक की मौत हो गई।

मॉडलिंग और लखनऊ यूनिवर्सिटी से एमबीए, बच्चे छुपाने के चक्कर में गई मेयर की कुर्सी, जानिए कौन है ये महिला नेता?

छपरा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के छपरा की मेयर राखी गुप्ता को पदमुक्त कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग को बच्चों के बावत गलत जानकरी देने की बात साबित होने के बाद उन्हें मेयर पद से बर्खास्त कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने राखी गुप्ता के तीन बच्चे होने की बात साबित होन पर उन्हें बर्खास्त कर दिया है। साथ ही चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने के लिए राखी गुप्ता के खिलाफ नगरपालिका एक्ट 2007 के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। राखी गुप्ता ने पिछले साल दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में मेयर का चुनाव जीता था। राखी गुप्ता के तीन बच्चे हैं। एक बच्चे को उन्होंने जन्म के बाद लिखित तौर अपने एक निःसंतान रिश्तेदार को दिया था।

लेकिन चुनाव आयोग के नियम हैं बच्चों को गोद देने के बाद भी वह उस बच्चे के जैविक मां-बाप माने जाएंगे। छपरा मेयर के तीन बच्चों के बारे में जानकारी, रजिस्ट्री ऑफिस से मिले कागजात से साबित हुआ है। कागजात में राखी गुप्ता के तीन संतान दो बेटी श्रीयांशी प्रकाश, शिवंशी प्रकाश और एक बेटा श्रीश प्रकाश के बारे में जानकारी सामने आई है। बिहार में निकाय चुनाव के लिए नगरपालिका एक्ट 2007 में तीन बच्चों वाले मां-बाप चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। अधिनियम 2007 की धारा 18 (1) (ड) के अनुसार वो मां-बाप जिनके 4 अप्रैल 2008 के बाद तीसरे बच्चे हैं वो चुनाव के लिए अयोग्य हैं। इसके साथ ही 2022 में भी उम्मीदवारों के लिए नए नियम जारी किए गए थे। इसके मुताबिक वो मां बाप जिन्होंने अपनी तीसरी संतान को कानूनी रूप से भी किसी को गोद दिया है वह भी चुनाव के लिए अयोग्य हैं क्योंकि वह बच्चे के जैविक मां बाप हैं। पहली संतान के बाद अगर किसी को जुड़वा संतान होता है तो वैसे मां-बाप चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य नहीं होंगे। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के पहली बार में चुनाव लड़कर मेयर बनने वाली राखी गुप्ता मॉडल भी रह चुकी हैं। 2021 में i-glam मिसेज बिहार 2021 में वह दूसरे स्थान पर रहीं थी। राखी ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से एमबीए भी किया है। राखी गुप्ता के परिवार में दूर-दूर तक कोई राजनीत में नहीं था। कोरोना काल के दौरान स्वर्ण व्यवसायी पति वरुण प्रकाश ने लोगों की बढ़-चढ़ कर मदद की थी इसके बाद से वह राजनीति में सक्रिय हुए थे।

राजनीति में हुई थी धमाकेदार एंट्री

राखी गुप्ता के पति बीजेपी में व्यवसायिक प्रकोष्ठ के संयोजक हैं। राखी गुप्ता का मायका पटना के प्रसिद्ध अलंकार परिवार में है। मेयर बनने से पहले राखी गुप्ता अपने पति के स्वर्ण व्यवसाय में हाथ बंटाती थी। छपरा मेयर चुनाव में बीजेपी समर्थित राखी गुप्ता ने राजनीति में धमाकेदार एंट्री की और 17389 वोटों से चुनाव जीता था। मेयर चुनाव में इतने बड़े वोटों के अंतर से जीत को बड़ी जीत माना जाता है। उन्होंने रफी इकबाल को शिकस्त दी थी।

संभल में 1500 की शराब के लिए पत्नी का सौदा! 3 दोस्तों ने बारी-बारी से किया रेप

संभल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में एक महिला ने अपने पति और उसके दोस्तों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में बलात्कार और शारीरिक प्रताड़ना का केस दर्ज करवाया है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने शराब और पैसों की लालच में अपने दोस्तों से बलात्कार करवाये। महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके शराबी पति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है, जिसके बाद पुलिस उसके फरार पति और आरोपी दोस्तों की तलाश कर रही है। महिला का कहना है 1500 रुपये के लालच में उसके शराबी पति ने उसकी अस्मत को अपने दोस्तों के हवाले कर दिया। महिला ने थाना नखासा प्रभारी को दी गई शिकायत में कहा है कि उसका पति 1–6 - 2023 की रात शराब पीकर आया और अपने तीन दोस्तों को भी लेकर आ गया। उसके दोस्त ने उसके साथ गाली गलौंज की। दोस्तों ने पति को 1500 रुपये दिये और तीनों उसे अंदर के कमरे में उठा ले गये। जहां सबने उसके साथ कुकर्म किया। महिला का कहना है कि यह केवल एक दिन की घटना नहीं थी बल्कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहा। तीनों ने उसका जीना दुश्वार कर दिया था। उसने जब-जब विरोध दर्ज कराया तो उसे धमकी दी गई। पिछले दो हफ्ते से उसके साथ यह घिनौना अपराध किया जा रहा है। पीड़िता की शिकायत के बाद थाना नखासा इलाके की पुलिस ने संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

'लाल डायरी पर भाषण देनेवाले मणिपुर हिंसा पर हैं खामोश'

कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बेबाक टिप्पणी के लिए मशहूर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम भी 'लाल डायरी' के विवाद में कूद गए हैं। लाल डायरी की आड़ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जबरदस्त हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लाल डायरी पर भाषण और मणिपुर हिंसा पर चुप्पी। प्रधानमंत्री मोदी के दोहरे रवैये पर कांग्रेस नेता ने सवाल उठाए। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि मणिपुर की धरती बेगुनाहों के लहू से लाल हो रही है और प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। आखिर लाल डायरी पर भाषण देनेवाले पीएम मोदी की चुप्पी मणिपुर हिंसा पर कब टूटेगी? उन्होंने पीएम मोदी से मणिपुर हिंसा पर बोलने की मांग की। मणिपुर हिंसा पर विपक्षी दल भी पीएम मोदी से संसद में बोलने की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी के नहीं बोलने से संसद में गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष ने केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का 26 जुलाई को नोटिस दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने नोटिस को मंजूर कर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की इजाजत दे दी है। माना रहा है कि अगले हफ्ते संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जा सकती है। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी की घटना ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। पीएम मोदी की चुप्पी तोड़ने के लिए विपक्ष भी अड़ा है। सीकर में बीजेपी की जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने लाल डायरी का जिक्र कर कांग्रेस की सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया'पर भी निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि लाल डायरी का राज बाहर आने पर कांग्रेस सरकार का चिट्ठा खुल जाएगा।

बिजनौर में 6 वर्षीय नाबालिग पोते की हत्या के आरोप में दादी गिरफ्तार

बिजनौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में कोतवाली शहर थाना पुलिस ने 6 वर्षीय नाबालिग पोते की कथित तौर पर मुंह दबाकर हत्या के आरोप में दादी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मौहल्ला पामर गंज निवासी बंदीया के रूप में हुई है।यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी। कोतवाली शहर थाना प्रभारी (एसएचओ) जीत कुमार ने बताया कि 25 जुलाई को को कोतवाली शहर थाना पुलिस को एक नाबालिग लड़के की हत्या के संबंध में सूचना मिली थी। मौहल्ला पामर गंज में एक मकान के अंदर से 6 वर्षीय एक नाबालिग लड़के का शव मिला, तत्काल सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया।

मुझे यूपी मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी

राजभर ने खुद और दारा चौहान को लेकर कही बड़ी बात

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। 2019 के लोकसभा चुनाव से ऐन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मोर्चा खोलकर भाजपा गठबंधन से नाता तोड़ने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गए हैं। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले राजभर ने फिर एक बार बड़ा बयान दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री पद मिलेगा, इसपर राजभर ने कहा, "मुझे उत्तर प्रदेश (मंत्रिमंडल) में जगह मिलेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी आपके भाजपा के साथ जुड़ने पर सीएम योगी का ट्वीट नहीं आया, क्या कोई नाराजगी है? यूपी तक से खास बातचीत में ओपी राजभर ने इस सवाल के जवाब में कहा था, "उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर हम यहां आए हैं। उन्होंने कहा था कि जाओ जाकर बात फाइनल करो। अब फाइनल कर लिया है...हम बात आगे बढ़ाएंगे।" गौरतलब है कि सुभासपा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017 भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ा था और चार सीटें जीतीं थीं। राजभर को गठबंधन के सहयोगी के तौर पर कैबिनेट मंत्री बनाया गया था लेकिन उन्होंने पिछड़ों और वंचितों के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ही खिलाफ मोर्चा खोल लिया था इसकी वजह से सरकार के सामने कई बार असहज स्थिति अभी पैदा हुई थी।

शव लेकर जा रही एंबुलेंस वाहन से टकराकर दो हिस्सों में बंटी, हादसे में 4 महिलाओं की दर्दनाक मौत

उन्नाव, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में भीषण सड़क हादसे में 4 महिलाओं की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। जिसे उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुरवा और मौरावां थाना की पुलिस पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी पुरवा भी घटनास्थल पर पहुंच गए। जहां राहत और बचाव कार्य चलाया गया।

मृतकों में सभी आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। कानपुर में उपचार के दौरान धनीराम की मौत हो गई थी। जिसके शव को परिजन लेकर वापस गांव आ रहे थे। अभी एंबुलेंस से उन्नाव मौरावां मार्ग के तुसरौर गांव के निकट पहुंची थी कि अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए।

राज्यपाल के भोज को जेडीयू-आरजेडी ने किया 'बायकॉट' तो भड़के गिरिराज सिंह, अपनी भाषा में किया तंज

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में क्राइम और हिंसक घटनाओं से हटकर अब भोज की राजनीति शुरू हो गई है। बीते गुरुवार (27 जुलाई) को बिहार के राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर ने दिल्ली के अशोका होटल में बिहार के सभी लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को भोज पर आमंत्रित किया था। इस भोज के माध्यम से बिहार के हित को लेकर चर्चा और विकास के मुद्दों पर बातचीत करना था लेकिन जेडीयू-आरजेडी के सांसदों ने भोज का बायकॉट कर दिया। वे भोज में नहीं गए, सिर्फ एनडीए के सांसद ही पहुंच पाए। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने अंदाज में समझाया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्ष को लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। हमारे देश में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष राजनीति से हटकर देश और राज्य के विकास के लिए भोज के माध्यम से एक दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करते हैं। यह पुरानी परंपरा चली आ रही है। देश और राज्य की क्या समस्या है आमने-सामने बैठ कर बातें होती हैं। राज्यपाल ने इसके लिए भोज का आयोजन किया था, लेकिन बिहार के सत्ता पक्ष के लोगों ने इस का बहिष्कार कर दिया। इससे साफ पता चलता है कि बिहार के सत्ता पक्ष के लोगों को लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। संवाद में भरोसा नहीं है। बातचीत में भरोसा नहीं है। यही कारण है कि इन लोगों ने भोज का बहिष्कार किया है।

आरजेडी ने कहा- मणिपुर की घटना से हम लोग आहत

जेडीयू-आरजेडी के सांसदों द्वारा राज्यपाल के भोज को बायकॉट करने पर आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि भोज में जाने का प्रश्न नहीं उठता है क्योंकि अभी मणिपुर की घटना से पूरा देश दहल रहा है। मणिपुर की घटना से हम लोग आहत हैं ऐसे में भोज करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी को इससे कोई मतलब नहीं है। प्रधानमंत्री खुद मणिपुर की घटना से कोई मतलब नहीं रख रहे हैं और उन्हें देश की जनता से कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ वोट की राजनीति करते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पांच लाख रामभक्तों के आने की उम्मीद, पीएम मोदी होंगे मुख्य यजमान

अयोध्या, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राममंदिर के उद्घाटन की तैयारियां तेज होती जा रही हैं। भव्य गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव जनवरी 2024 में किया जाना है। उत्सव को व्यापक स्वरूप देने की योजना पर काम चल रहा है। इसकी कमान राममंदिर ट्रस्ट के साथ संघ व विहिप ने संभाल रखी है। संघ का अनुमान है कि महोत्सव में करीब पांच लाख लोग अयोध्या आ सकते हैं। अयोध्या आने वाले लोगों की सुविधा का विस्तृत खाका तैयार किया जा रहा है। संघ के पदाधिकारी लगातार बैठकें कर आयोजन की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। संघ की कोशिश है कि अयोध्या से कोई भी भूखा न जाए। पूरे शहर में जगह-जगह भंडारे के आयोजन की तैयारी हो रही है।

क्या उमर अंसारी होगा अरेस्ट? गैर-जमानती वारंट खारिज करने से एसी का इनकार

गाजीपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को आपत्तिजनक बयानबाजी मामले में सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। उसने गैर-जमानती वारंट को रद्द करने की कोर्ट से मांग की थी। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। एससी ने उमर को निचली अदालत में जाने कहा है। कोर्ट ने कहा कि मामले में हाई कोर्ट ने भी दखल नहीं दिया तो हम भी कुछ नहीं कर सकते। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जनवरी में उमर की याचिका खारिज कर दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज किए जाने के बाद उसकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उमर अंसारी ने कथित रूप से आपत्तिजनक बयानबाजी की थी। बिना इजाजत विजय जुलूस और रैलियां निकाली थी। मामले में उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। उमर ने कोर्ट से कहा कि उसने कोई बयान नहीं दिया। वह सिर्फ स्टेज पर मौजूद था। उमर अंसारी के वकील ने कहा कि स्टेज पर बयान दिया गया था कि अगर हम चुनाव जीते तो पहले 6 महीने तक किसी का तबादला नहीं होगा पहले हिसाब होगा। वकील ने कोर्ट को बताया कि बयानबाजी मामले में उसका कोई रोल नहीं है। उमर अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट से वारंट को रद्द करने और आरोपों को खत्म करने की मांग की थी। उसके खिलाफ मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। उमर अंसारी पर कमोबेश छह मामले चल रहे हैं। अचार संहिता के उल्लंघन मामले में चार केस के अलावा एक हेट स्पीच और एक शत्रु संपत्ति का मामला चल रहा है। चार मामले मऊ पुलिस स्टेशन में दर्ज हैं और एक लखनऊ और एक गाजीपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज है। सभी मामलों में चार्जशीट दायर किया जा चुका है।

गाजीपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को 2005 के बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय मर्डर केस में दोषी पाया था। कोर्ट ने उन्हें दस साल की जेल की सजा सुनाई और पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। बीएसएपी सांसद अफजल अंसारी को भी इसी केस में चार साल की सुनाई गई थी। मुख्तार अंसारी की पत्नि अफ्शा अंसारी पर भी कई मामले चल रहे हैं। उनपर पुलिस ने 75 हजार रुपए का ऐलान भी किया था।

8 महीने के बच्चे को बेचकर पहले खरीदा आईफोन, फिर दीघा बीच पर कपल ने मनाया हनीमून

कोलकाता, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है, जहां 24 परगना जिले में कपल ने अपने 9 महीने के बच्चे को सिर्फ इसलिए बेच दिया क्योंकि उन्हें आईफोन खरीदना था। स्थानीय लोगों को संदेह हुआ तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। इतना ही नहीं बच्चे को बेचने और आईफोन खरीदने की वजह ये थी कि महिला आईफोन से रील्स बनाना चाहती थी।

पुलिस ने बच्चे की मां और बच्चे को खरीदने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस बच्चे के पिता की भी तलाश कर रही है जो अभी फरार है। स्थानीय लोगों को पिछले कुछ दिनों से कपल के व्यवहार में बदलाव नजर आ रहा था।

डेढ़ करोड़ के चक्कर में 2 व्यापारियों की निर्मम हत्या

पहले मारी गोली, फिर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग

नागपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में हत्याओं का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कुछ सालों में नागपुर में हत्या के मामलों में तेजी देखने को मिली है। इस बीच फिर एक डबल मर्डर का मामला सामने आया है। नागुपर के दो व्यापारियों की 6 लोगों ने मिलकर निर्मम हत्या कर दी। पहले बदमाशों ने व्यापारियों को 5 राउंड गोली मारी। इसके बाद व्यापारियों के शव पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। बारिश होने के कारण जब शव ठीक से नहीं जला तो बदमाशों ने दोनों व्यापारियों को शव को पुल से नीचे नदीं में फेंक दिया।

नागपुर में व्यापारियों की निर्मम हत्या

मृतकों का नाम निराला कुमार और अंबरीश देवदत्त गोले हैं। अंबरीश सिविल कॉन्ट्रैक्टर थे और निराला होलसेल कपड़ो का

व्यवसाय करते थे। दोनों के लापता होने की सूचना सीताबर्डी और सोनेगांव थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की पहचान ओंकार महेंद्र तलमले, हर्ष आनंदीलाल वर्मा, दानेश दुर्गाप्रसाद शिवपेठ, लकी संजय तुर्केल, हर्ष सौदागर बागड़े, विशाल पुंज के रूप में की गई है। बता दें कि इस घटना में ओंकार तलमले मुख्य आरोपी है। साथ ही लकी तुर्केल के खिलाफ कई गंभीर मामले पहले से पुलिस थाने में दर्ज है।

ब्लैक मनी के चक्कर में गई दोनों की जान

पुलिस ने इस मामले पर कहा कि निराला कुमार और अंबरीश दोनों अच्छे दोस्त थे। इन दोनों की कुछ दिन पहले ओंकार से मुलाकात हुई थी। ओंकार के परिवार का एंटीक आर्ट बनाने का कारखाना है। ओंकार ने निराला को बताया कि वह अपने कच्चे पैसे को पक्का करना चाहता है। यदि वो उन्हें 1.50 करोड़ का डिमांड ड्राफ्ट देंगे तो इसके बदले वो निराला को 2.80 करोड़ रुपये कैश देगा। निराला और अंबरीश ने सोचा कि पैसों के लेनदेन में इस पैसे को खपा दिया जाएगा। इस कारण अंबरीश और निराला इस डील के लिए तैयार हो गए। मंगलवार की दोपहर दोनों सीताबर्डी सिविल लाइन्स में स्थित एक कैफे हाउस में पहुंचे। कुछ देर बाद ओंकार अपने एक साथी के साथ वहां आ आया। इसके बाद चारों कार में सवार होकर कोंढाली स्थित लकी तुर्केल के फार्म हाउस में पहुंचे।

पहले मारी गोली, फिर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग

यडेहां पहले से आरोपियों ने पूरी प्लानिंग कर रखी थी। जैसे ही निराला और अंबरीश वहां पहुंचे तो फौरन आरोपियों ने निराला और अंबरीश से डेढ़ करोड़ रुपये की डीडी छीन ली।

इसके बाद दोनों पर आरोपियों ने 5 राउंड गोलियां दाग दी। इसके बाद आरोपियों ने अपनी कार से पेट्रोल निकालकर फॉर्म हाउस परिसर में ही दोनों के शव को आग लगा दिया। हालांकि तभी तेज बारिश शुरू हो जाने के कारण शव जल नहीं पाया। इसके बाद अधजली लाश को गाड़ी में डालकर आरोपी वर्धा नदी के पुल पर पहुंच गए। यहां से उन्होंने शव को नीचे नदी में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले को सुलझा लिया है और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मारुति कार में कचरे की तरह घुसेड़कर ले जा रहा था 6 गोवंश, लोगों ने की जबरदस्त धुनाई

नागपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक हैरान करने वाली खबर आ रही है। यहां लोगों ने एक गौ तस्कर को पकड़ा था। गौ तस्कर को पकड़कर जब लोगों ने उसकी गाड़ी चेक की तो सब हैरान रह गए। तस्करों की छोटी सी मारुति कार में एक या दो नहीं बल्कि 6-6 गोवंश मिले। ये देखकर वहां मौजूद लोगों का खून खौल गया और गौ तस्कर को पकड़कर बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि कितनी बेरहमी से 6 गोवंशों को गाड़ी में ढूंसा गया था। जब भीड़ ने गौ तस्कर को पकड़ा तो गाड़ी में से सबी गोवंशों को बचाया। बताया जा रहा है कि ये गौ तस्कर नागपुर के खापा के बड़े गांव से गोवंश को कार में जबरन घुसाकर नागपुर आ रहे थे। इस दौरान एक गौ तस्कर को कोराड़ी नाका के पास कुछ गौ रक्षकों ने पकड़ा लिया। जब गौ तस्कर को रोक कर उसकी गाड़ी की जांच की गई तो मारूति कार में से 6 गोवंश कचरे की तरह ढुंसे हुए मिले। ये देखकर लोग इस कदर बौखला गए कि गौ तस्कर की जमकर धुनाई शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती टेका नाका निवासी मोहम्मद फैजल, मोहम्मद अकरम अंसारी बताया गया है। पता चला है कि फैजल ड्राइवर है और मवेशियों की खरीद कर कत्लखाने ले जाने का काम करता है। फैजल रात को नाबालिक लड़के के साथ अपनी कार (एमएच-04-एएन-2390) से खापा के बड़े गांव में गया था। वहां उसने एक व्यक्ति से 6 गोवंश खरीदे। इसके बाद इन सभी गोवंशों को अपनी गाड़ी की डिक्की और पिछली सीट पर बेरहमी से ढूंस दिया और नागपुर के लिए निकला। इस पूरे मामले में पुलिस ने बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा गौ तस्करों पर हमला करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

आईआईएससी व जापानी वैज्ञानिकों ने हिमालय में 60 करोड़ वर्ष पुराना समुद्री पानी खोजा

बेंगलुरु, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और निगाता विश्वविद्यालय, जापान के वैज्ञानिकों ने हिमालय में करीब 60 करोड़ वर्ष पुराने समुद्री जल की खोज की है। समुद्री जल की ये बूंदें खनिज भंडारों के बीच थीं। बेंगलुरु स्थित आईआईएससी ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार वहां एकत्र निक्षेपण में कैल्शियम और मैग्नीशियम कार्बोनेट दोनों थे।

इसमें कहा गया है कि निक्षेपण के विश्लेषण से टीम को उन संभावित घटनाओं की जानकारी मिली जिनके कारण पृथ्वी के इतिहास में एक बड़ी ऑक्सीजनिकरण की घटना हुई होगी। बयान के अनुसार, वैज्ञानिकों का मानना है कि 70 से 50 करोड़ वर्ष पहले, पृथ्वी बर्फ की मोटी चादरों से ढकी थी। इसमें कहा गया है कि इसके बाद पृथ्वी के वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि हुई जिससे जटिल जीवन रूपों का विकास हुआ। आईआईएससी ने कहा कि वैज्ञानिक अब तक, यह ठीक से नहीं समझ पाए हैं कि अच्छी तरह से संरक्षित जीवाश्मों की कमी और पृथ्वी के इतिहास में मौजूद सभी पुराने महासागरों के लुप्त होने की वजह का आपस में क्या संबंध था। उसने कहा कि हिमालय में ऐसी समुद्री चट्टानों का पता चलने से कुछ उत्तर मिल सकते हैं।

सेंटर फॉर अर्थ साइंसेज (सीईएएस), आईआईएससी के शोधार्थी और 'प्रीकैमब्रियन रिसर्च' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के पहले लेखक प्रकाश चंद्र आर्य ने कहा, " हम पुराने महासागरों के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं। वे वर्तमान महासागरों की तुलना में कितने अलग या समान थे? क्या वे अधिक अम्लीय या क्षारीय, पोषक तत्वों से भरपूर, गर्म या ठंडे थे, उनकी रासायनिक और समस्थानिक संरचना क्या थी?' उन्होंने कहा कि इस तरह के विश्लेषण से पृथ्वी पर प्राचीन जलवायु के बारे में जानकारी मिल सकती है।

सिंधिया ने कहा- दिग्विजय के कार्यकाल में नहीं होती थी लड़कों की शादियां

जयवर्धन सिंह का जवाब- जो महाराजा थे वो क्या करते थे

भोपाल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हमलों को लेकर अब पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह खुलकर सामने आ गए हैं। पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा लगाए जाने वाले आरोपों का करारा जवाब दिया है।उन्होंने कहा है कि सिंधिया राजघराना भी लगातार मध्य प्रदेश का नेतृत्व कर रहा है। ऐसे में उन्हें अपना हिसाब देने की बजाय दूसरों से सवाल पूछने का अधिकार नहीं है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिग्विजय सिंह के 1999 से लेकर 2003 तक के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उस समय बिजली की ऐसी व्यवस्था थी कि कई युवाओं की शादी तक नहीं हो पाई। लोग अपनी बेटियों का रिश्ता नहीं देते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ गांव को काला पानी के नाम से जाना जाता था। उन्होंने तुलनात्मक रूप से यह भी कहा कि उस समय 60,000 किलोमीटर की सड़कें थी जबकि वर्तमान में 4,11,000 किलोमीटर की सड़कें बन चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने सिंधिया के आरोपों का करारा जवाब दिया है।जयवर्धन सिंह ने कहा कि जो राजा महाराजा थे, वे तो गद्दारी करते हुए बिक गए। अब भारतीय जनता पार्टी अपने 18 सालों का हिसाब देने की वजह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है।यहां जनता अच्छी तरह समझती है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जब टीकमगढ़ से सागर के बीच सफर किया जाता था तो उस समय यह देखा जाता था कि सड़क कहां है और गड्ढे कहां है? इस पूरे आरोप पर जयवर्धन सिंह ने पलटवार करते हुए कहा है कि भोपाल-देवास कॉरिडोर सहित मध्य प्रदेश के कई महत्वपूर्ण सड़के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में बनी थी।उन्होंने यह भी कहा कि 2003 तक सड़कों के जाल बुनने से लेकर कई योजनाएं और कार्य योजना तैयार हो चुकी थी, जिस पर बीजेपी ने केवल अमल किया है।वर्तमान में जो सड़कें और अन्य योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में ही बनी थी।

बॉयफ्रेंड के दोस्त का मर्डर कराने वाली गर्लफ्रेंड की अकड़, सलाखों के पीछे से बोली- बदला अभी बाकी

इंदौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में उस वक्त हड़कंप मच गया था, जब एक लड़की ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड और उसके दोस्तों पर हमला कर दिया था। हमले के दौरान लड़की के एक्स बॉयफ्रेंड के दोस्त को लड़की के दोस्तों ने चाकू मार दिया था, जिससे युवक की मौत हो गई थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सलाखों के पीछे पहुंचने के बाद भी लड़की की अकड़ कम नहीं हो रही, जहां लड़की लगातार पुलिस अधिकारियों से भी दो टूक बात कर रही है, तो वहीं जेल से छूटने के बाद बॉयफ्रेंड से बदला लेने की बात भी कहती नजर आ रही है। लड़की बार-बार कह रही है कि, बॉयफ्रेंड ने उसके साथ सालों तक शोषण किया। वह उसे नहीं छोड़ेगी। इंदौर से हैरान कर देने वाला मामला निकलकर सामने आया है, जहां एक लड़की ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पूर्व प्रेमी के दोस्त की हत्या कर दी।

'महिलाओं के वीडियो को बता रहे साजिश इन्हें बस अपनी छवि की परवाह', ओवैसी का केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने की घटना को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुदुीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। घटना को लेकर अमित शाह के बयान पर उन्होंने कहा कि वह कह रहे हैं कि यह मोदी सरकार को बदनाम करने की साजिश है। ओवैसी ने यह भी कहा कि राज्य में मई से हिंसा हो रही है और ये घटना भी महीनों पुरानी है, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई की जा रही है। ओवैसी ने एक ट्वीट कर सरकार पर आरोप लगाया कि उनको सिर्फ अपनी इमेज की परवाह है, लेकिन कूकी महिलाओं की मान प्रतिष्ठा की कोई फिक्र नहीं है। ओवैसी ने ट्वीट में लिखा, अमित शाह ने कहा कि मणिपुर का वीडियो मोदी सरकार को बदनाम करने की साजिश है क्योंकि संसद के मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले शाम को यह वीडियो लीक किया गया। मणिपुर में मई से हिंसक घटनाएं हो रही हैं और यह वीडियो भी महीनों पुराना है, लेकिन कार्रवाई सिर्फ तब की गई, जब वीडियो सामने आया। मोदी सरकार सिर्फ अपनी छवि को लेकर चिंता करती है और उन्हें कूकी महिलाओं के मान, इज्जत और प्रतिष्ठा की फिक्र नहीं है। कितनी शर्मनाक बात है।

कर्नाटक: कांग्रेस सरकार में बगावत ? विधायकों को मनाने में जुटे सिद्धारमैया-डीके शिवकुमार

बेंगलूरू, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बने दो महीने ही हुए हैं और अभी से ही खटपट की खबरें आने लगी हैं। विधायकों द्वारा मंत्रियों और फंड को लेकर पहले ही नाराजगी जताई जा चुकी है, इस बीच गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के सामने यहां खुले तौर पर विधायकों ने अपनी नाराजगी व्यक्त की, सीएम ने यहां सभी से शिकायत सीधे उन्हें बताने की सलाह दी। जानकारी के मुताबिक, विधायक बीआर पाटिल के नाम से एक कथित पत्र वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने सरकार के मंत्रियों के प्रति खुली नाराजगी दिखाई। विधायक ने अधिकारियों का बिना

चर्चा किए ट्रांसफर होने, विकास के लिए फंड ना देने का मसला उठाया। कांग्रेस की विधायक दल बैठक का यही मुख्य विषय भी रहा। करीब दो दर्जन से ज्यादा विधायकों ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए हैं, जिसमें मुख्य मुद्दा उनके विधानसभा क्षेत्र के लिए फंड रिलीज़ ना होना बताया है। इसी नाराजगी पर बीते दिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बयान आया था, जिसमें उन्होंने विधायकों से कहा था कि सरकार का पैसा पांच गारंटियों को पूरा करने में खर्च हो रहा है, इस वजह से उन्हें इंतजार करना होगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बयान दिया कि पार्टी में कोई असंतोष नहीं है, विधायकों ने सिर्फ अपने क्षेत्र की समस्याएं बताई हैं। यही कारण है कि विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी और अब सभी की समस्याओं को सुन लिया गया है।

सरकार गिराने की साजिश का आरोप

इन सभी खबरों के बीच डीके शिवकुमार का एक बयान काफी सुर्खियां बटोर रहा है, उन्होंने आरोप लगाया था कि सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है, लेकिन यह साजिश बेंगलुरु की बजाय सिंगापुर से हो रही है। हालांकि, उन्होंने इसपर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। बता दें कि कर्नाटक में कुछ वक्त पहले ही विधानसभा चुनाव हुए हैं और कांग्रेस की सरकार में वापसी हुए है, कर्नाटक में कांग्रेस के पास 135 विधायक हैं जबकि बीजेपी के पास 66 विधायक हैं। कांग्रेस के लिए पहले सरकार बनने पर मुख्यमंत्री चुनने की चुनौती थी, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार में फाइट चल रही थी और अब सरकार बनने के दो महीने बाद ही इतनी बड़ी बगावत की सुगबुगाहट सामने आ रही है।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म हैवानियत के बाद प्राइवेट पार्ट में डाली लकड़ी, दो आरोपियों पर केस दर्ज

सतना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सतना जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर मैहर के पास स्थित एक गांव में नाबालिग लड़की को पहाड़ी पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने नाबालिग के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी। जब खून से लथपथ होकर पीड़िता शुक्रवार सुबह अपने घर पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ, जिसके बाद पीड़िता के परिजन उसे लेकर सीधे थाने पहुंचे। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर शारदा प्रबंध कमेटी के दो कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की मानें तो पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में जब पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

रीवा का सिविल लाइंस थाना गोलियों की आवाज से थर्राया, सब इंस्पेक्टर ने टीआई के सीने में मार दी गोली

रीवा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रीवा का सिविल लाइंस थाना गोलियों की आवाज से थर्रा उठा। ये गोलियां कोई अपराधी नहीं बल्कि एक पुलिस वाला दूसरे पर दाग रहा था। कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही टीआई के सीने में उप निरीक्षक गोली उतार चुका था। अब आरोपी उप निरीक्षक बर्खास्त किया जा चुका है और टीआई के सीने से गोली निकाल ली गयी हैं। 27 जुलाई 2023 का दिन। गुरुवार दोपहर तकरीबन 2:30 बजे रीवा पुलिस के लिए एक काले दिवस के रूप में याद किया जाएगा। यह वही वक्त था जब निरीक्षक हितेंद्र नाथ शर्मा थाना प्रभारी के चैंबर में बैठकर शासकीय कार्य निपटा रहे थे। उन्हें क्या पता था कि कल तक उनके अधीनस्थ काम करने वाले उपनिरीक्षक बीआर सिंह हाथ में पिस्टल लिए किस खूनी इरादे से उनके चैंबर के अंदर आ रहे हैं। जब तक वह कुछ समझ पाते और समझा पाते तब तक गुस्से में आए बीआर सिंह ने गाली गलौज किया और फिर उनके सीने पर 9 एमएम की पिस्टल तानते हुए गोली मार दी। टीआई के चैंबर में गोली चलने की आवाज सुनते ही थाने में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। निरीक्षक हितेन्द्र शर्मा निढाल पड़े थे। तत्काल उन्हें उपचार के लिए मिनर्वा हॉस्पिटल ले जाया गया। आरोपी बीआर सिंह ने खुद को हथियारों समेत टीआई के कमरे में बंद कर लिया था। घटना के तकरीबन 8 घंटे बाद रात्रि 10.30 बजे भोपाल और जबलपुर से आई डॉक्टरों की टीम ने टीआई के शरीर के के अंदर धंसी हुई गोली को बाहर निकाला और उनके जीवन को सुरक्षित किया। घटना के करीब साढ़े 5 घंटे बाद बीआर सिंह को बमुश्किल पुलिस ने एसडीओपी त्यौंथर समरजीत सिंह और तत्कालीन निरीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के सहयोग से अपनी कस्टडी में लिया और उससे दो 9एमएम पिस्टल सहित 17 कारतूस बरामद किए।

मादा चीता 'निर्भया' का कोई अता-पता नहीं, रेडियो कॉलर खराब होने से नहीं मिल रही लोकेशन

ग्वालियर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में खुले जंगल में घूम रही मादा चीता 'निर्भया' राडार से बाहर हो गई है। उसका रेडियो कॉलर खराब हो गया है। इससे उसे ट्रेस करना मुश्किल हो गया है। कूनो प्रबंधन खुले जंगल में घूम रहे चीतों को बाड़े में लाकर उनके रेडियो कॉलर निकालने में जुटा है। रेडियो कॉलर की वजह से हुए इन्फेक्शन ने प्रोजेक्ट चीता पर सवालिया निशान लगा रखे हैं। कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों को निर्भया का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। कूनो पार्क प्रबंधन कई दिनों से सर्चिंग ऑपरेशन चला रहा है। इसके बाद भी कोई सफलता नहीं मिली है। पिछले दिनों रेडियो कॉलर की वजह से हुए इन्फेक्शन की वजह से कूनो पार्क प्रबंधन और प्रोजेक्ट चीता से जुड़े अधिकारी निशाने पर हैं। सर्च को तेज करने के लिए कूनो नेशनल पार्क में ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल करना शुरू किया है। इसके साथ ही पग मार्क की मदद भी ली जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मादा चीता को कूनो की बाहरी सीमा पश्चिम मोरवान के जंगल में देखा गया है। इस समय कूनो नेशनल पार्क के बाड़ों में 13 चीते हैं, जिनमें सात नर और छह मादा। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञों ने अब तक छह चीतों के रेडियो कॉलर हटा दिए हैं। दो मादा

चीता अब भी बाड़े के बाहर खुले जंगल में हैं। इनमें से एक चीता की लोकेशन तो मिल रही है, लेकिन दूसरी मादा चीता निर्भया को ट्रेस नहीं किया जा सका है। पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो के बाड़ों में छोड़ा था। इसके बाद फरवरी में 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से लाए गए थे। एक मादा चीता ने इस दौरान चार शावकों को जन्म दिया। इसके बाद अलग-अलग कारणों से तीन शावकों समेत आठ चीतों की मौत अब तक हो चुकी है। एक शावक और 15 वयस्क चीते अब भी कूनो में हैं, जिनमें से 13 वयस्क चीते और एक शावक बाड़े में है। पिछले दिनों रेडियो कॉलर की वजह से हुए इन्फेक्शन की वजह से चीतों की मौत हुई थी। कुछ चीतों में इन्फेक्शन बहुत बढ़ गया था।

अमित शाह के हाथ में मध्य प्रदेश की चुनावी कमान ताबड़तोड़ दौरे, संकल्प यात्रा से बनाएंगे भाजपा का माहौल

भोपाल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले इस साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव है। इन पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी के लिए सबसे ज्यादा चुनौती भी मध्य प्रदेश में नजर आ रही है, क्योंकि वो सत्ता में है और बाकी राज्यों में तो पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का लाभ मिल सकता है। मध्य प्रदेश की चुनावी कमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने हाथों में ले ली है और तबड़तोड़ दौरे करके माहौल को भाजपामय बनाने में जुट गए हैं। विधानसभा चुनाव ही नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी बीजेपी के लिए मध्य प्रदेश काफी अहम माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सामने सरकार बचाने की लड़ाई है। लोकसभा में

एमपी की 29 सीटों में से 28 सीटों पर बीजेपी का कब्जा है, जिन्हें विधानसभा का चुनाव जीतकर ही बचाए रखा जा सकता है। ऐसे में बीजेपी अपने एकलौते राज्य की सत्ता को बचाए रखने की जद्दोजहद कर रही है। शिवराज सिंह चौहान लोकलुभावने वादे कर रहे हैं, लेकिन हवा का रुख अपनी तरफ नहीं मोड़ पा रहे हैं। ऐसे में अमित शाह और उनकी टीम ने मध्य प्रदेश की चुनावी कमान संभाली है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को एमपी चुनाव का प्रभारी और अश्विनी वैष्णव को सहप्रभारी नियुक्त बनाया गया। अब अमित शाह ने मध्य प्रदेश के तबड़तोड़ दौरे शुरू कर दिए हैं। पिछले एक महीने में तीन बार दौरा कर चुके हैं। अमित शाह ने बुधवार को देर रात एमपी नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी मंथन किया और जीत दर्ज करने के लिए खास रणनीति बनाने में जुटे हैं। गुरुवार को अमित शाह सुबह दिल्ली लौटे हैं, लेकिन 29 जुलाई को दोबारा से भोपाल पहुंचेंगे। पिछले 18 दिनों में होने वाली तीसरी बैठक में वे पिछली दो बैठकों में दिए गए टास्क का फॉलोअप लेंगे। अमित शाह शनिवार को देर रात तक भोपाल में बैठक करने के बाद 30 जुलाई को इंदौर पहुंचेगे, जहां परशुराम की जन्मस्थली पर पहुंचकर ब्राह्मणों को साधने की कवायद करेंगे। इसके बाद इंदौर के बीजेपी दफ्तर में बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित कर जीत को मंत्र देंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन की जिम्मेदारी कैलाश विजयवर्गीय के कंधों पर है। माना जा रहा है कि 30 जुलाई को अमित शाह उज्जैन जा सकते हैं और उसके बाद बुरहानपुर में बीजेपी दफ्तर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी शिरकत कर सकते हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अमित शाह के दौरे की रूपरेखा बनाई जा रही है। उज्जैन और ग्वालियर में भी अमित शाह बैठक करेंगे, क्योंकि उन्होंने बुधवार को भोपाल बैठक के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में बूथ कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम रखने के लिए कहा था। इसके बाद ही कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में बैठक कराने का जिम्मा लिया था। इसी तर्ज पर राज्य के प्रमुख इलाके मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, विंध्य, महाकौशल इलाके में बूथ कार्यकर्ता को अमित शाह जीत का मंत्र दे सकते हैं। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने विजय संकल्प यात्रा निकालने की पठकथा लिखी जा चुकी है। इस यात्रा के जरिए शिवराज सरकार और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई है। विजय संकल्प यात्रा बीजेपी अगस्त या सितंबर महीने में निकाल सकती है। संकल्प यात्रा में बीजेपी के बड़े नेता भी शिरकत करेंगे। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाएंगे तो कैलाश विजयवर्गीय से लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र तोमर, बीडी शर्मा,

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 29 जुलाई- 2023

दमन का पुलिसिया तरीका

समस्याओं को लेकर जब भी आम जनता आंदोलन की राह पर उतरती है तो प्रशासन भी उसे चुनौती के बजाय अपनी मूंछ का सवाल बना लेता है। ऐसे में यह लोकतांत्रिक अधिकार बेमानी हो जाता है कि आंदोलन पर उतरना नागरिकों का अधिकार है। इसके बावजूद अक्सर देखा जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षों से अधिकांश नागरिक आंदोलन हिंसक रूप लेने लगे हैं। वजह चाहे जो भी हो लेकिन सवाल लाजमी है कि ऐसी स्थितियों से निपटने में सरकारें क्यों विफल साबित हो रही हैं। बिहार में एक महीने के अंदर ही दो ऐसी घटनाएं हो गई जिस पर पुलिस को लाठी-डंडे और बंदूक तक का सहारा लेना पडा है। ताजा घटना बिहार के ही कटिहार की है जहां पुलिस की गोली से दो आंदोलनकारियों की मौत हो गई। इसके पहले पटना में शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने आंदोलन किया तब भी पुलिस ने जम कर लाठियां भांजी थीं। उसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कटिहार जिले की ताजा घटना में स्थानीय लोग बिजली आपूर्ति बेहतर करने की मांग लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। खबरों के अनुसार बिजलीघर के बाहर उग्र भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। उसे रोकने के लिए पुलिस बल को बुलाया गया। फिर भीड़ ने पुलिस पर भी पत्थरबाजी शुरू कर दी। इससे कई पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई। भीड़ को काबू में न आता देख पुलिस ने गोली चला दी, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। कुछ वर्षों में नागरिक आंदोलन और प्रदर्शन किन्हीं समस्याओं को लेकर शुरू तो होते हैं, मगर उनका मिजाज देखते ही देखते राजनीतिक हो जाता है। आंदोलनकारी किसी न किसी राजनीतिक दल से प्रेरित पाए जाने लगे हैं। इस तरह उनका मिजाज लोकतांत्रिक के बजाय अक्सर अलोकतांत्रिक और अराजक हो जाता है। वरना बिजली आपूर्ति की मांग में ऐसा कोई तत्त्व नहीं माना जा सकता, जिसके लिए पत्थरबाजी करनी पड़े। इस आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से भी किया जाता तो बेहतर परिणाम निकल सकता था। हिंसक आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों ने आंदोलनों की मर्यादा को ही धूमिल किया है। इससे पुलिस को अपने बचाव का रास्ता मिल जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि उग्र भीड़ पर काबू पाना पुलिस का कर्तव्य है, लेकिन उसका तरीका केवल लाठी और बंदूक ही नहीं हो सकता। आज शायद पूरे देश की पुलिस को इस बात पर भरोसा हो चला है कि कानून-व्यवस्था केवल बंदूक के बल पर ही कायम हो सकती है। बिहार पुलिस तो बहुत पहले से इस सिद्धांत पर चलती देखी जाती है। जब भी इस तरह के आंदोलनों से निपटने के लिए दमन का रास्ता अख्तियार किया जाता है, तो पुलिस के कामकाज पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कई बार पुलिस व्यवस्था में सुधार के सुझाव भी दिए गए लेकिन उस पर अमल नहीं किया जा सका है। बिहार में नीतीश कुमार सुशासन के पैरोकार माने जाते हैं। इसके बाद भी लोगों की मांग को पूरा करने की बजाय गोलियां चलाई जाती हैं। यदि प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए कोई समाधान निकाला जाता तो बेहतर होता। सक्षम प्राधिकार को यह बात आखिर कब समझ में आएगी। आखिर उन्हें तभी होश क्यों आता है, जब कोई बड़ी घटना घट जाती है। इसके बाद तो पुलिस अपना यह प्रशिक्षण भूल जाती है कि भीड़ पर काबू पाने का तरीका केवल बंदूक चलाना नहीं होता। अगर किन्हीं विषम परिस्थितियों में गोली चलानी भी पड़ जाए, तो रबड़ की गोली चलाई जाती है, आंसू गैस के गोले दागे जाते हैं। सीधे निशाना बना कर गोली चला देना तो गल्ती नहीं गुनाह हो जाता है। ऐसे गोली चालन से तो सीधे-सीधे हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

स्खलित होती नैतिक धारणाएं और आस्थाएं।

संजीव स्तंभकार

मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक, सामाजिक शोषण देश के लिए एक काला अध्याय है। हम अपने पशुओं के व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। देश के कोने कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाये अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी हैं नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है। धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं। भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होती रहे। प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है। शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45% आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है।भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है।

बाढ़ विभीषिका: वार्षिक रुदाली या लूटोत्सव !

डॉ. चक्रपाल सिंह

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। देश में चारों तरफ जीवनदायिनी नदियों का जाल बिछा हुआ है। उत्तर से दक्षिण तथा पश्चिम से पूरब (नर्मदा व ताप्ती को छोड़कर) की तरफ बहती ये नदियां देश की जीवन रेखा मानी जाती हैं। हिमालय की कोख से जन्मी नदियों को इसके ग्लेशियर तथा बर्फ इन्हें निरंतरता प्रदान करते हैं। मानव की भौतिकतावादी सोच से संचालित विकास की आधुनिक अवधारणा ने हिमालय को नाराज कर दिया है। बाढ़, भूकंप और भूस्खलन की अनियमित घटनाएं बढ़ रही है। तमाम सरकारी तथा गैर सरकारी बाढ़ संरक्षणकारी उपायों एवं बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के आत्मश्लाघीय दावों के बावजूद हर वर्ष मई- सितम्बर के मध्य मानसून इन नदियों को बेकाबू कर देता है। इन्हीं बेकाबू नदियों के कारण असम से लेकर पूरा उत्तर भारत आज बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है । इसकी क्रूर चपेट में जो भी आ रहा है, तिनके की तरह बह जा रहा है। चारो तरफ त्राहिमाम त्राहिमाम की गूंजती चीखें गूंगी, बहरी, सरकारों और उसके प्रशासन के कानों से टकराती तो हैं; लेकिन उनकी लापरवाही, भ्रष्टाचार तथा असंवेदना के तटबंधों को कभी नहीं तोड़ पाती हैं। वर्षा समाप्त होते होते सिर्फ रह जाती हैं बाढ की विभीषका द्वारा छोड़ी तबाही के मंजरों की कहानियाँ। सरकारी स्तर पर हमेशा की भांति बचाव,पुनर्वास एवं बाढ़ सहायता के कार्यक्रम वार्षिक अनुष्ठान के तौर पर किए जाते हैं। यह सिलसिला बरसों से जारी है, लेकिन बाढ़ है कि रुकने का नाम ही नहीं लेती है। बात यहीं तक सीमित नहीं है, देश के स्मार्ट सिटी के नाम से जाने वाले शहर भी एक भारी वारिष में नदियों और तालाबों में तब्दील हो जाते हैं। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की जल निकायों (Water Bodies) पर प्रथम संगणना रिपोर्ट - 2023 के अनुसार देश में कुल 2424540 जल निकाय हैं। इनमें से 97.1 प्रतिशत ग्रामीण तथा 2.9 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में थे। जिनमें 59.5 प्रतिशत तालाब , 15.7 प्रतिशत टैंक, 12.1 प्रतिशत जलाशय (रिजर्वायर), 9.3 प्रतिशत जल संरक्षण योजना , 0.9 प्रतिशत झीलें तथा 2.5 प्रतिशत अन्य थे। देश के कुल जल निकायों में से 1.6 प्रतिशत जल निकायों का आंशिक या फिर पूर्ण रूप से अतिक्रमण किया जा चुका है, इसका 95.4 प्रतिशत ग्रामीण तथा 4.6 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में है। यही अतिक्रमण आज जान लेवा साबित हो रहा है। इसके लिए कौन जिम्मेदार एवं जवाबदेह है ? वहीं , वर्तमान में केन्द्रीय जल आयोग 25 राज्यों की 20 प्रमुख नदी प्रणालियों पर 333 स्टेशनों के माध्यम से बाढ़ पूर्वानुमान सेवा प्रदान कर रहा है, जिनमें 199 स्टेशन प्रमुख नदियों पर, तथा 134 प्रमुख बांधों /बैराज पर हैं। बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 01 मई से 31 दिसंबर 2022 के दौरान चरम बाढ़ की स्थिति में 08 बाढ़ पूर्वानुमान केंद्र बह गए , 11 बाढ़ पूर्वानुमान केंद्र अत्यधिक बाढ़ की स्थिति में तथा 80 बाढ़ निगरानी स्टेशन बह गए। अर्थात इस पर निवेशित पैसा भी बह गया। ऐसा हर वर्ष होता है। फिर भी कोई स्थाई उपाय नजर नहीं आते हैं। ऐसा होना बताता है कि बाढ़ विभीषिका के लिए प्रकृति नहीं, व्यवस्था भी जिम्मेदार है। जबकि जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण, तथा पुनरुद्धार हेतु 12वीं योजना के बाद से 3333 योजनाएं चालू हैं। जिनकी अनुमानित लागत 1981 करोड़ रुपए है। बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम हेतु अब तक 6977.42 करोड़ रूपए की केन्द्रीय सहायता राशि जारी की गयी है। इसके अलावा केंद्र तथा राज्यों द्वारा बाढ़ तथा उसके संरक्षण के नाम पर कितनी ही योजनाएं जारी हैं, जिन पर हजारों करोड़ रुपए प्रतिवर्ष खर्च किए जाते हैं। बाढ़ की रोकथाम तथा बाढ़ पीड़ितों की सहायता एवं पुनर्वास पर प्रति वर्ष पानी की तरह पैसा बहाने के बाद भी लोगों को बाढ़ से निजात की बात तो छोडिए, राहत भी नजर नहीं आती। वर्ष दर वर्ष स्थितियों का गंभीर से गंभीरतम होते जाना बताता है कि अब तक किए गए उपाय अधूरे हैं या फिर भ्रष्टाचार की बाढ़ में हर वर्ष ये भी बह जाते हैं।

बाढ़ के मध्य से जनता की दर्द भरी चीखती आवाजों की मनोव्यथा पूछने को बाध्य करती है कि भ्रष्टाचार की बाढ़ को आखिर कौन रोकेगा? इसकी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही किसकी है? और आखिर कब तक ? इसके लिए जनता को दोष देना बौद्धिक स्वेच्छाचारिता होगी । इस वर्ष भी दूरदर्शन, निजी टीवी चैनल, यू-ट्यूबर, प्रिंट मीडिया इत्यादि में बाढ़ के विभीत्स मंजर जनता को भयभीत किए हुए हैं। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि दिल्ली के जलभराव को लेकर दूरदर्शन, निजी टीवी चैनल, सोशल मीडिया, यू-ट्यूबर, प्रिंट मीडिया इत्यादि इत्यादि पर आ रही पुष्ट-अपुष्ट खबरों की बाढ़ से लोग ज्यादा चिंतित एवं भयभीत नजर आ रहे हैं। जल निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था और उसके रखरखाव के प्रति स्व-आरोपित लापरवाही, नदी के रास्ते में मानव द्वारा रुकावटें, उसके किनारों का अतिक्रमण तथा नियामक प्रणालीयों के विफल होना वर्तमान दिल्ली की बाढ़ के लिए जिम्मेदार हैं। फिलहाल दिल्ली को समझ में नहीं आ रहा है कि जाम की समस्या बड़ी या बाढ़ की? खबरें दिल्ली तक सिमट कर रह गयी हैं। जबकि असम,पश्चिमी बंगाल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश ,हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा बिहार की खबरें गौण नजर आ रहीं हैं। आज यही हाल दक्षिण के आंध्र प्रदेश , तेलंगाना का है। सबसे शर्मनाक बात तो यह है कि बहुत सारे लोग बहुत पुराने तथा दूसरी जगह के भीषण बाढ़ दृश्यों को अपने अपने माध्यमों पर बार बार कुछ इस तरह दिखा रहे हैं, जैसे दिल्ली अब डूबी या तब डूबी , बस ! कुछ ही घंटों का मामला है। सबसे खतरनाक तो सोशल मीडिया पर छाईं दलीय राजनीति के आरोप प्रत्यारोप वाली वे संदेहास्पद खबरें हैं, जिनमें दिल्ली की बाढ़ के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। यदि इनमें किंचित मात्र भी सत्यता है, तो यह किसी राष्ट्र के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से एक घातक स्थिति है। यदि यह झूठ भी है, तब भी उतनी ही खरानाक है जितनी कि सच्चाई। क्या किसी लोकतांत्रिक देश का कोई भी दल या नेता प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आई मौतों से भी, घृणित राजनीतिक खेल, खेल सकता है ? शायद! नहीं, तो सबसे पहले झूठी तथा अपुष्ट खबरों की बाढ़ को रोकना होगा। बात यहीं तक सीमित नहीं है। असल मुद्दा तो लोगों की जिन्दगी से जुडी हुई समस्यायों तथा देश से जुड़े तात्कालिक अति संवेदनशील मुद्दों से ध्यान हटाने और भटकाने की कपटपूर्ण चालों का है। ऐसा तब तब होता देखा जाता है या देखा गया है, जब जब सरकारें अपने समय की कठिन समस्यायों एवं चुनौतियों को सामना करने की स्थिति में नहीं होती हैं। या फिर उनके पास जनता को भरोसा दिलाने लायक अपनी उपलब्धियों के ठोस एवं प्रमाणिक तथ्य नहीं होते हैं। यदि चुनाव नजदीक हैं, तो सरकारें कुछ भी करने को तैयार रहती हैं, जिससे सत्ता पर काबिज रहा जा सके। बार बार हर बार सरकारों के इस छलपूर्ण व्यहवहार ने जनता को सचेत कर दिया है। जनता की यही चेतना का एहसास सरकारों को बैचेन करता है। सरकारें एवं राजनीतिज्ञ आखिर कब तक जनता के विवेक एवं धैर्य की परीक्षा लेते रहेंगे? ये पब्लिक है, सब जानती है। किसी भी दल अथवा राज नेता को किसी भी मुगालते में नहीं रहना चाहिए।

बाढ़ विभीषिका पर वार्षिक रुदन करने तथा इसके नाम पर लूटोत्सव मनाने की जगह बाढ़ का स्थाई हल तलाशने की दिशा में केंद्र तथा राज्य सरकारों को परिणामोन्मुख प्रभावी एवं पारदर्शी स्थाई कदम उठाने होंगे जिससे बाढ़ की ओट में होने वाले वार्षिक लूटोत्सव! पर स्थाई विराम लगाया जा सके।

महाराष्ट्र में राजनीति की शतरंज की बिसात पर चली जा रही हैं बड़ी चालें

अशोक भाटिया

संभावना हो या कयास, राजनीति में सबकी गुंजाइश रहती है। कुछ भी असंभव नहीं है। महाराष्ट्र की राजनीति अपने रंगमंच पर इसी तरह के इंद्रधुनषी रंग बिखेर रही है। अपने चाचा से अलग जाकर एनडीए से जुड़ने और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने के सपने देखने वाले अजित पवार हर दिन मजबूत हो रहे हैं। प्रतिक्रिया न देकर शरद पवार झटका झेलकर अपना कद बनाए हुए हैं। कांग्रेस खामोश है। उप मुख्यमंत्री अजित पवार से मुलाकात के बाद शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनकी सेना (संजय राउत और अन्य) संतुष्ट नजर आ रहे हैं। घटनाक्रमों में दिलचस्प है कि राजनीति का खेल भाजपा के रणनीतिकारों को भी अच्छा लग रहा है। एनसीपी (अजित पवार) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को भरोसा है कि जल्द ही अजित पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिल्ली आकर परिवार के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। इन घटनाक्रमों के समानांतर एकनाथ शिंदे गुट के शिवसैनिकों में अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ठाणे क्षेत्र के एकनाथ शिंदे के विश्वस्त का कहना है कि हमारे पास भाजपा के नेताओं द्वारा दिया गया भरोसा है। सूत्र का कहना है कि ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला। अगले साल चुनाव तक राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही रहेंगे। दिल्ली यात्रा के बारे में मराठा नेता का कहना है कि वह निजी यात्रा में दिल्ली गए हैं। हालांकि, सूत्र ने दिल्ली में किसी बड़े भाजपा नेता से मुलाकात की संभावना से इनकार नहीं किया है। वैसे ऐसी चर्चा महाराष्ट्र में जोरों पर हैं कि पवार के पावर गेम में भाजपा फंस गई है । पिछले सप्ताह हुए एक सर्वे में एनसीपी के 66 फीसदी समर्थक शरद पवार और 25 फीसदी ही अजित पवार गुट के साथ बताए गए हैं। ऐसे में राज्य में बहुमत की सरकार में अजित गुट को शामिल करने के औचित्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वैसे भी महाराष्ट्र की सरकार में अजित पवार गुट को शामिल कर भ्रष्टाचार और हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा के लिए आक्रामक राजनीति करना आसान नहीं रहने वाला है। कहा जा रहा है कि पवार परिवार के पावर गेम को डिकोड करने में भाजपा उलझ गई है और लोकसभा के मद्देनजर किया जाने वाला ये प्रयोग सफल नहीं रहने वाला है। पिछली बार अजित पवार देवेंद्र फड़णवीस के साथ सरकार में शामिल हुए थे और अस्सी घंटे में सरकार का साथ छोड़ चाचा शरद पवार के साथ हो लिए थे। बाद में देवेंद्र फड़णवीस ने सरकार बनाने को लेकर शरद पवार की रजामंदी की बात को सार्वजनिक कर दिया था। फिर शरद पवार और अजित पवार ने मिलकर पलटी क्यों मारी थी। इसको समझ पाना अभी तक संभव नहीं हो सका है। इस बार भी अजित पवार गुट भाजपा की सरकार में शामिल होने के बाद दो बार शरद पवार से जाकर मिल चुका है। भतीजे का गुट चाचा को मनाने में जुटा है, ऐसा दावा किया गया है लेकिन इससे एक बात तो तय है कि परिवार में कटुता पार्टी में टूट के बाद भी नहीं बढ़ी है। वहीं अजित पवार को लेकर ये कहा जाता है कि ईडी के भय से सरकार में शामिल होना उनकी मजबूरी रही है। अजित पवार सहित छगन भुजबल और हसन मुसरिफ सरीखे नेता ईडी के डर से भाजपा के साथ सरकार में आए हैं ये कहा जा रहा है। ऐसे में अजित गुट का भाजपा के साथ बने रहना लोकसभा चुनाव के परिणाम पर निर्भर करता है । लोकसभा चुनाव में बाजी पलटने पर चाचा शरद पवार के साथ अजित पवार एकबार फिर वापस आ सकते हैं। ज़ाहिर है पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इससे इन्कार करना मुश्किल है । दरअसल भाजपा सरकार में बहुमत के बावजूद अजित गुट को शामिल कर लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करना चाह रही है। भाजपा हर हाल में पिछले परफॉरमेंस को दोहराना चाहती है। साल 2019 में भाजपा 24 और शिवसेना 18 लोकसभा की सीटें जीतने में सफल रही थी। शिवसेना में टूट के बाद भाजपा को उम्मीद थी कि शिंदे गुट उद्धव गुट पर भारी पड़ेगा और शिवसेना के वोटों पर मजबूत पकड़ कायम कर भाजपा की जीत को सुनिश्चित करेगा, लेकिन भाजपा के इंटरनल सर्वे में शिंद गुट उम्मीदों से कहीं पीछे नजर आ रहा है। शिंदे गुट चार पांच सीटों पर ही सिमटता दिख रहा है। ऐसे में अजित गुट को शामिल करने के बाद भी भाजपा जीत से पिछड़ जाती है तो भाजपा का दांव उल्टा ही कहा जाएगा। दरअसल सर्वे में एनसीपी के 25 फीसदी कार्यकर्ताओं का अजित पवार के साथ होना भाजपा के लिए चिंता का सबब बन गया है। भाजपा के लिए महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ सरकार में रहकर भ्रष्टाचार और हिंदुत्व पर आक्रामक होना आसान नहीं रह जाएगा। भाजपा अजित पवार पर 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाती रही है और पवार परिवार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरती रही है। इसलिए कहा जा रहा है कि अजित पवार को शामिल करने का दांव कहीं भाजपा का उल्टा तो नहीं पड़ने वाला है। उत्तरप्रदेश के बाद महाराष्ट्र सबसे बड़ा राज्य लोकसभा की सीटों के लिहाज से है। यहां लोकसभा की 48 सीटें हैं। भाजपा महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और बंगाल में साल 2019 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर चुकी है। इन चार राज्यों में कुल 158 लोकसभा सीटें हैं लेकिन साल 2019 के बाद यहां की परिस्थितियों में काफी बदलाव हुआ है। पिछले चुनाव में भाजपा और शिवसेना का गठबंधन विरोधियों पर भारी पड़ा था और 42 सीटें जीतने में दोनों कामयाब रहे थे। लेकिन महाराष्ट्र में उद्धव की शिवसेना और बिहार में नीतीश कुमार की जेडीयू भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस के पाले में जा चुकी है। भाजपा और जेडीयू मिलकर बिहार की 40 में से 39 सीटें जीतने में सफल रहे थे। कर्नाटक में भी भाजपा 25 सीटें जीतने में सफल रही थी लेकिन विधानसभा में कांग्रेस की भारी जीत और जेडीएस का लगातार कमजोर होना भाजपा की चिंता को कई गुणा ज्यादा बढ़ा चुका है। भाजपा लोकसभा सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े प्रदेश महाराष्ट्र में नए प्रयोग कर अपनी सीटों को बचाए रखने का प्रयास कर रही है। इसलिए भाजपा अजित गुट के एनसीपी और शिंदे गुट की शिवसेना के साथ महाराष्ट्र में 42 से ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव जीतने को लेकर दांव खेल रही है। लेकिन भाजपा का ये दांव सटीक होगा इसकी तस्दीक इंटरनल सर्वे और अन्य सर्वे में नजर नहीं आ रहा है। भाजपा के कई स्थानीय विधायक अजित पवार गुट के सरकार में शामिल होने के बाद अपनी चिंता देवेंद्र फड़णवीस से मिलकर जाहिर कर चुके हैं। भ्रष्टाचार को लेकर आक्रामक भाजपा के लिए भ्रष्टाचार का मुद्दा गौण होता दिख रहा है। हसन मुसरिफ समेत छगन भुजबल सरकार में मंत्री बन चुके हैं जिनके खिलाफ किरीट सोमैया भ्रष्टाचार की लंबी फेहरिस्त लेकर आग उगलते रहे हैं।वहीं शिंदे गुट की शिवसेना भी महाअघाड़ी से अलग होने की वजह अजित पवार को बता चुकी है। एनसीपी के साथ सरकार में बने रहने को लेकर शिंदे गुट उद्धव गुट पर हिंदुत्व के साथ कंप्रोमाइज का आरोप मढ़ता रहा है। इतना ही नहीं अजित पवार पर महाअघाड़ी की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए डेवलपमेंट के फंड को रोके जाने का आरोप लगा चुका है।

नीली चिड़िया का टिटिम्मा...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चित्रगुप्त जी मरने वालों का हिसाब रखते-रखते बोर हो गए हैं। आजकल वे यमराज से ज्यादा नीली चिड़िया के आगे-पीछे लगे हुए हैं। सुबह से लेकर शाम तक और शाम से लेकर सुबह तक वे नीली चिड़िया से प्यार करते हैं। यह देख यमराज जी उन पर कई बार गुस्सा हुए। उनका इन्क्रिमेंट रोका, वर्क लोड बढ़ाया, लेकिन चित्रगुप्त हैं कि नीली चिड़िया के प्यार में दीवाने हुए पड़े हैं। एक दिन यमराज ने चित्रगुप्त से पूछा, "चित्रगुप्त जिस नीली चिड़िया का मालिक एलन मस्क है, उसका हिसाब-किताब हम रखते हैं। ऐसे में एक तुच्छ मानव की नीली चिड़िया में तुम्हें ऐसा क्या सुख मिलता है जो उसी के पीछे लगे रहते हो?" इस पर चित्रगुप्त ने कहा, "महाराज! नीली चिड़िया के बारे में आप ठीक से नहीं जानते हैं। हम इंसानों का हिसाब रखते हैं और इंसान हैं कि नीली चिड़िया के बहाने हर चहचहाहट का हिसाब किताब रखते हैं। इसका ट्विटराना मेरे हिसाब-किसाब को भी मात देता है। किसने कब, कहाँ,क्यों और क्या कहा सब पता चल जाता है। एक झटके में दुनिया भर में उसकी चहचहाहट की खुजली का पता चल जाता है। नीली चिड़िया मेरी जैसी भुलक्कड़ नहीं है। सबका कहा बवाल की प्लेट में धरकर खूब मजे लेती है। चित्रगुप्त कुछ कह ही रहे थे कि तभी ट्विटर के एक ट्विट ने फलां देश पर शासन कर रहे सफेदचोलाधारियों का ट्विट टरका दिया। उस ट्विट में आलू से सोना बनाने वाली बात का प्रचार-प्रसार करने वाले अंधे लोग की पोल उस समय खुल गयी जब पता चला कि ऐसी बातें पप्पू नहीं गप्पू ही कर सकता है। लंबी-लंबी फेंकने वाले को नीली चिड़िया धर दबोचती है। उनकी कही पुरानी बातों को आगे ला-लाकर उनके आगे की जिंदगी हराम कर देती है। महंगाई के नाम पर रोने वाले और अपनी कार फूँकने की बात करने वाले अपने ही चहचहाहट में छटपटा के रह जाते हैं। कई तो अपनी चहचहाहट रोकने के नाम पर उसे हटाने की कोशिश करते हैं। "ये क्या चित्रगुप्त ! नीली चिड़िया तो बड़े कमाल की है। किंतु मैंने सुना है कि इस पर गन्दी-गन्दी पोस्ट से लेकर नफ़रत फ़ैलाने वाली पोस्ट तक भेजते हैं। मुझे डर है कि कहीं ऐसे चहचहाने वाले हमारे यहाँ आ जायेंगे तो हमारी चहचहाहट कब थरथराहट में बदल जाएगी पता भी नहीं चलेगा।" प्रभु ने भृकुटी चढ़ाते हुए कहा।"महाराज! बात तो सही है, किंतु जो भी हो नीली चिड़िया का हिसाब-किताब हमसे पक्का है।

जी-20 सम्मेलन- भारत को प्रतिष्ठा में लगेंगे चार चांद

आर.के. सिन्हा

अब जी-20 शिखर सम्मेलन के मुख्य आयोजन में दो महीने से भी कम वक्त बचा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रगति मैदान में पुनर्विकसित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) के उदघाटन करने के साथ ही अब साफ हो गया है कि शिखर सम्मेलन के लिए भारत तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत जी- 20 देशों के बीस राष्ट्राध्यक्ष एक साथ राजधानी नई दिल्ली में आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी-20 के प्रमुख की हैसियत से बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और यूएई आदि मित्र देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित कर सकते हैं । तो अब यह बहुत साफ हो गया है कि नई दिल्ली में होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन अब तक का सबसे विशाल सम्मेलन होगा। इसके साथ ही कहा जा सकता है कि 1956 से तमाम शिखर सम्मेलनों और अहम कार्यक्रमों की मेजबानी करने वाले विज्ञान भवन को अब कुछ 'आराम' मिलेगा। इसी में 1983 में गुट निरपेक्ष सम्मेलन हुआ था। उस शिखर सम्मेलन को आयोजित हुए अब चार दशक पूरे हो रहे हैं। इस दौरान भारत पूरी तरह बदल चुका है। अब भारत विश्व की एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है। कुछ समय पहले भारत ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी की ही अर्थव्यवस्था आज के दिन भारत से बड़ी है। हमारी प्रगति की रफ़्तार को देखकर यह कहा जा सकता है कि हम जल्दी ही जापान और जर्मनी को भी मात दे देंगे। यानी 1983 और 2023 वाला भारत बहुत ही अलग है। भारत की दुनिया में इस वक्त जो साख है, उसे देखकर यह कह सकते हैं, कि उसी के अनुरूप का सम्मलेन का मेन कॉम्पलेक्स जी-20 के लिए तैयार किया गया है। महत्वपूर्ण है कि लगभग 123 एकड़ क्षेत्र में फैले आईईसीसी कॉम्प्लेक्स को भारत के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) गंतव्य के रूप में विकसित किया गया है। ये दुनिया के शीर्ष प्रदर्शनी और सम्मेलन परिसरों में जल्द ही अपनी जगह बना लेगा। भारत को पिछले साल 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता मिली थी। भारत आगामी 30 नवंबर, 2023 तक इस मंच की अध्यक्षता करेगा। भारत को जैसे ही जी-20 की अध्यक्षता मिली, तब ही से देशभर में बैठकों और छोटे सम्मेलनों के दौर शुरू गए। ये बैठकें राजधानी दिल्ली के अलावा देश के अन्य प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों पर हुईं। इनमें करीब 200 बैठकें हुईं जिनमें जी-20 देशों के नुमाइंदों ने भाग लिया। भारत की जी-20 की अध्यक्षता कई मायनों में ऐतिहासिक होने जा रही है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भारत ने महज बैठकों का संचालन कर इतिश्री नहीं की है, बल्कि उसने बैठकों से इतर अन्य कई गतिविधियों पर भी जोर दिया है। हम जानते हैं कि विविधताओं से भरे हमारे देश के हर राज्य की अपनी एक आभा है, अपना एक सौंदर्य है, अपनी एक संस्कृति हैऔर अपना खास खानपान है। भारत ने इसी विविधता को बड़ी खूबसूरती से विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया है। अभी तक जिस भी राज्य या शहर में जी20 से जुड़ी बैठकें आयोजित हुई है, वहां जरूरी विषयों पर विचार-विमर्श से इतरविदेशी मेहमानों को स्थानीय भ्रमण कराते हुए हमारी प्राचीन वास्तुकला का अनुभव भी कराया गया है। इसके अलावा बैठक स्थलों पर नुमाइंदों को स्थानीय सभ्यता एवं संस्कृति की झलक दिखाने के लिए स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ है। भारत ने विश्व स्तर पर अपनी प्राचीन और समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए जी-20 की मेजबानी को बेहतरीन तरीके से भुनाया है। जी-20 देशों के प्रतिनिधि बैठकों के लिए देश के जिस भी हिस्से का दौरा करते हैं, उन्हें स्थानीय व्यंजन परोसे जाते हैं। अतिथि देवो भवः की भावना से ओत-प्रोत भारत की मेहमान नवाजी हमेशा के लिए विदेशी मेहमानों के दिल में बस गई है। ऐसे कई मौके आए हैं, जब भारतीय और विदेशी मीडिया ने जी20 प्रतिनिधियों से उनका अनुभव जानने का प्रयास किया है तो उनका स्पष्ट शब्दों में यही जवाब रहा है कि उन्होंने भारत जैसी मेहमाननवाजी कहीं नहीं देखी। कुल मिलाकर भारत ने अपनी मेजबानी को ऐतिहासिक बनाने का कोई भी मौका नहीं गंवाया है। यह याद रखा जाए कि भारत के लिए इस बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच की अध्यक्षता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा है कि हमारे देश में हुई सभी महत्वपूर्ण जी-20 बैठकों के ठोस नतीजे निकले हैं, जिनसे जी20 की साझा प्राथमिकताओं पर आम सहमति को बढ़ावा मिला है।

गुजरात के इस मंदिर में सबसे पुराना ज्योतिर्लिंग

सांस्कृतिक रूप से

समृद्ध राज्य गुजरात भारत के सबसे जीवंत राज्यों में से एक है, जो अपने उत्कृष्ट आकर्षण के लिए जाना जाता है गुजरात में बहुत से फेमस मंदिर हैं जहां हर साल भक्तों की भीड़ लगती है गुजरात के मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं बल्कि वास्तुशिल्प चमत्कार हैं, जो पिछले समय में राज्य की भव्यता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं गुजरात के कई मंदिर भारत में अलग-अलग कारणों से फेमस है

गुजरात का सोमनाथ मंदिर

भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, पौराणिक सोमनाथ मंदिर को गुजरात के सबसे खूबसूरत मंदिरों में से एक माना जाता है जो प्राचीन काल से मौजूद हैं यह मंदिर गुजरात के वेरावल बंदरगाह में स्थित है महमूद गजनवी ने आज से कई साल पहले सन मंदिर पर हमला किया था गजनवी ने मंदिर की संपत्ति लूटी थी और उसे तकरीबन नष्ट कर दिया था वर्तमान संरचना वर्ष 1950 में सरदार वल्लभभाई पटेल के सहयोग से बनाई गई थी आज, इसका प्रबंधन श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा किया जाता है

मंदिर जानें का समय

समय- सुबह 06:00 बजे से रात 09:30 बजे तक
निकटतम हवाई अड्डा- केशोद हवाई अड्डा (55 किमी)
निकटतम रेलवे स्टेशन- वेरावल रेलवे स्टेशन- (7 किमी)

द्वारकाधीश मंदिर

इस मंदिर को जगत मंदिर या त्रिलोक सुंदर मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, द्वारकाधीश मंदिर हिंदू धर्म में श्रद्धेय चारधाम यात्रा का एक हिस्सा है भगवान द्वारकाधीश (भगवान कृष्ण का एक रूप) को समर्पित, मंदिर 2500 साल से अधिक पुराना है और दुनिया भर से भक्तों को आकर्षित करता है मंदिर के शीर्ष पर एक ध्वज है जिस पर एक सूर्य और एक चंद्रमा है, जिसे एक दिन में तीन बार बदला जाता है मंदिर की वर्तमान संरचना की स्थापना 15वीं और 16वीं शताब्दी के आसपास की गई थी

मंदिर जानें का समय

समय- सुबह 06:30 से दोपहर 01:00 बजे तक और शाम 05:00 बजे से रात 09:30 बजे तक

निकटतम हवाई अड्डा– जामनगर हवाई अड्डा (45 किमी) निकटतम रेलवे स्टेशन– द्वारका और जामनगर रेलवे स्टेशन (132 किमी)

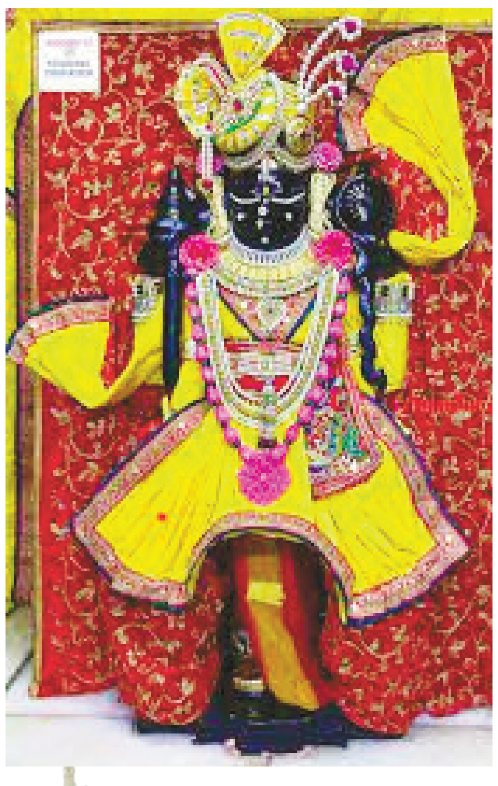

रुक्मिणी देवी मंदिर, द्वारका

भगवान कृष्ण की पत्नी देवी रुक्मिणी को समर्पित, रुक्मिणी देवी मंदिर एक छोटा मंदिर है, जो अपनी सुंदर नक्काशी और अपने शानदार डिजाइन के कारण जाना जाता है मंदिर के आंतरिक गर्भगृह में भगवान के साथ देवी की मूर्ति है कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के आसपास हुआ था रुक्मिणी मंदिर की दीवारों को आश्चर्यजनक चित्रों से सजाया गया है, जिसमें भगवान के साथ देवी रुक्मिणी की विभिन्न घटनाओं को दर्शाया गया है यह शहर से लगभग 15 किमी उत्तर की ओर है

मंदिर जानें का समय

समय - 05:00 पूर्वाह्न - 12:00 अपराह्न और 04:00 अपराह्न - 09:00 अपराह्न
निकटतम हवाई अड्डा- जामनगर हवाई अड्डा (45 किमी)
निकटतम रेलवे स्टेशन- द्वारका और जामनगर रेलवे स्टेशन (132 किमी)

जामनगर का बाला हनुमान मंदिर

रणमल झील के दक्षिण-पूर्वी किनारे पर स्थित, बाला हनुमान मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है और हर साल बड़ी संख्या में उनके भक्त यहां आते हैं शाम के समय मंदिर और इसके आसपास चहल-पहल रहती है वास्तव में, मंदिर 1 अगस्त 1964 से प्रार्थना 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' के निरंतर जाप के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है मंदिर की स्थापना 1963-64 में प्रेम भिक्षुजी द्वारा की गई थी

मंदिर जाने का समय

समय- सुबह 06:00 बजे से रात 10:00 बजे तक
निकटतम हवाई अड्डा- जामनगर हवाई अड्डा या गोवर्धनपुर हवाई अड्डा जामनगर
निकटतम रेलवे स्टेशन- जामनगर रेलवे स्टेशन

पूजा में पान के पत्ते का क्यों करते हैं इस्तेमाल ?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का भी विशेष महत्व होता है। इन्हीं सामग्रियों की सूची में शामिल हैं पान के पत्ते। पान के पत्तों का इस्तेमाल पूजा-पाठ में किसी एक तरीके से नहीं बल्कि अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। पान के पत्तों को ताजगी और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

एक ही पत्ते में संसार के सम्पूर्ण देवी-देवताओं का माना जाता है वास

धार्मिक परंपरा के अनुसार, पान के पत्ते के ऊपरी भाग में इंद्र और शुक्र का वास होता है, बीच में मां सरस्वती का वास होता है, निचले कोने में महालक्ष्मी का वास होता है, पान के पत्ते के अंदर भगवान विष्णु का वास होता है। पत्ते के बाहर भगवान शिव के साथ-साथ कामदेव भी निवास करते हैं। इसके अलावा पान के पत्ते के बायीं ओर मां पार्वती का स्थान और दाहिनी ओर भूमिदेवी का स्थान माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पूरे पत्ते पर सूर्यनारायण का वास होता है।

सबसे पहले पान के पत्ते का उपयोग

स्कंद पुराण के अनुसार पान के पत्तों की उत्पत्ति समुद्र मंथन के दौरान हुई थी और सर्वप्रथम समुद्र देव की पूजा में पान के पत्ते का उपयोग किया गया था। तभी से ही यह प्रथा लगातार चली आ रही है।

इस बात का रखें ध्यान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पान के पत्ते में संसार के सम्पूर्ण देवी-देवताओं का वास होता है। इसलिए इसका इस्तेमाल हर पूजा में किया जाता है। कहा जाता है कि पान के पत्ते पर कपूर रखकर भगवान की आरती करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है और घर में खुशहाली आती है।

सूर्य मंदिर, मोढेरा 11 वीं शताब्दी में

मंदिर जाने का समय

समय- सुबह 06 :00 बजे से शाम 06 :00 बजे तक
निकटतम हवाई अड्डा- अहमदाबाद हवाई अड्डा (102 किमी)
निकटतम रेलवे स्टेशन- मेहसाणा रेलवे स्टेशन (40 किमी)

सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम द्वारा स्थापित, सूर्य मंदिर अहमदाबाद से लगभग 106 किमी उत्तर-पश्चिम की ओर मोढेरा में एक पहाड़ी पर स्थित है गुजरात के सबसे खूबसूरत हिंदू मंदिरों में से एक, इसे इस तरह से बनाया गया है कि सूर्योदय से सूर्यास्त तक सूर्य चक्र की छवि पर सूर्य चमकता है मुख्य हॉल और मंदिर को देवताओं की मूर्तियों से बड़ी ही खूबसूरती से सजाया गया है

क्यों करते हैं आंवले के पेड़ की पूजा

आमला वृक्ष को हिंदी में आवला वृक्ष भी कहा जाता है और यह वृक्ष भारत में पाया जाने वाला प्रमुख पेड़ है इसका विज्ञानिक नाम 'फाइलेन्टेरिया एंब्लिका' है यह पेड़ धार्मिक, सांस्कृतिक, चिकित्सीय और आयुर्वेदिक आधारों पर भी महत्त्वपूर्ण है आयुर्वेद में आवला को एक महत्वपूर्ण औषधि माना जाता है और इसे विभिन्न रोगों के इलाज के लिए प्रयोग किया जाता है इसके औषधीय गुणों का संबंध संस्कृति और धार्मिक अनुष्ठानों से है जिससे इसे हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण और पवित्र पेड़ माना जाता है धार्मिक अनुष्ठानों में, आवला वृक्ष के पत्ते, फल और छाले का उपयोग पूजा-अर्चना और हवनों में किया जाता है आमतौर पर, इसके फल को लौंग और इलायची के साथ मिलाकर पूजा में उपचार के रूप में प्रयोग किया जाता है आवला के बारे में धार्मिक मान्यताएं विभिन्न धार्मिक समुदायों में हैं, लेकिन इसका प्रमुख संबंध हिंदू धर्म से है, जहां इसे महत्वपूर्ण पूजा वस्तु के रूप में शामिल किया जाता है शास्त्रों में लिखी कहानी के अनुसार मां लक्ष्मी ने आंवले के पेड़ की पूजा करके भगवान विष्णु और शिव को प्रसन्न किया है जिससे उन्होने मां लक्ष्मी को दर्शन दिए कहते हैं तुलसी का पौधा भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है

भालका तीर्थ, सोमनाथ

श्री कृष्ण निजधाम प्रस्थान लीला के बारे में

महाभारत, श्रीमद भागवत, विष्णु पुराण और अन्य आध्यात्मिक पुस्तकों में उल्लेखित है। वर्तमान में यह पीपल का पेड़ अभी भी वहाँ स्थित है और इसे इस शानदार मंदिर में संरक्षित रखा गया है।

सोमनाथ और वेरावल के बीच स्थित, भालका तीर्थ वह स्थान है जहां भगवान कृष्ण को गलती से एक हिरण समझ लिया गया था, जब वह जंगल में ध्यान कर रहे थे, और एक शिकारी के तीर से घायल हो गए थे यह वह स्थान है जहां उन्होंने अपने स्वर्गीय निवास के लिए पृथ्वी को छोड़ा था यह स्थान तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती के संगम पर है, जिसे संगम कहा जाता है इसके पास ही महाप्रभुजी की बैठक नाम का मंदिर भी है, जो भगवान कृष्ण को समर्पित है, साथ ही एक पुराना बरगद का पेड़ भी है

मंदिर जाने का समय

समय- सुबह 06:00 बजे से रात 09:00 बजे तक
निकटतम हवाई अड्डा- केशोद हवाई अड्डा (55 किमी) निकटतम रेलवे स्टेशन- वेरावल रेलवे स्टेशन- (7 किमी)

आदित्य रॉय कपूर ने नेपोटिज्म पर की बात बोले- मैंने नेपो किड होने का फायदा कभी नहीं उठाया

द नाईट मैनेजर की कामयाबी के बाद आदित्य रॉय कपूर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में आदित्य ने नेपोटिज्म पर बात की। आदित्य ने उनपर नेपो किड होने का फायदा उठाने जैसे आरोपों पर भी जवाब दिया। आदित्य ने बताया कि नेपो किड होने का उनके करियर में कोई रोल नहीं है और उन्होंने अपना सफर खुद तय किया है। आदित्य रॉय कपूर फिल्ममेकर सिद्धार्थ रॉय कपूर के छोटे भाई हैं।

लीड रोल मिलने से पहले किए तीन सपोर्टिंग रोलः आदित्य रॉय कपूर

फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू के दौरान आदित्य ने कहा- मुझे लगता है कि लोग अच्छी तरह से मेरे बारे में ये बात जानते हैं कि मैंने अपना सफर खुद तय किया है। मैंने उन फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में काम किया है जिन फिल्मों का मेरे भाइयों से कोई ताल्लुक नहीं था। मेरी जर्नी का ज्यादातर हिस्सा पब्लिक अच्छी तरह जानती है, लोगों ने मुझे करियर में धीरे-धीरे आगे बढ़ते देखा है। मैंने जब पहली बार किसी फिल्म में लीड रोल प्ले किया था उससे पहले मैं तीन सपोर्टिंग रोल प्ले कर चुका था।

मैं RJ होकर भी अपने काम से खुश थाः आदित्य

फिल्मों में कास्टिंग के दौरान ऑडिशन फेस करने और रिजेक्शन पर बात करते हुए आदित्य रॉय कपूर ने कहा था कि अगर आप एक्टर बनना चाहते हैं, तो कभी न कभी रिजेक्शन तो फेस करना ही होगा। आपको जितनी जल्दी आदत पड़ जाए उतना ही अच्छा होगा।

ऑडिशन की शुरुआत में मुझे कई बार रिजेक्शन फेस करना पड़ा है। मैं कई तरह की चीजों के लिए ऑडिशन देने जाता था लेकिन उस समय मैं इस चीज को लेकर क्लियर नहीं था कि मैं एक्टर ही बनना चाहता हूं। तब मैं RJ था और अपने काम में खुश भी था। मुझे फिल्मों में खास इंटरेस्ट नहीं था, ये सब बस किस्मत की बात है।

शुरुआत में करियर को लेकर डर नहीं थाः आदित्य रॉय कपूर

आदित्य रॉय कपूर ने आगे कहा- मैं ऑडिशन देने जाता था, लोग मुझे कभी भी कॉल करके बुला लेते थे और मैं पहुंच जाता था। मैं सिर्फ ये सोचकर ऑडिशन देने जाता था कि पता नहीं कब क्या हाथ लग जाए, लेकिन मैं अपने शुरूआती सालों को लेकर कभी डरा नहीं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आदित्य रॉय कपूर हाल ही में वेब सीरीज द नाईट मैनेजर में दिखे थे। जल्द ही आदित्य सारा अली खान के साथ मेट्रो.इन दिनों में दिखाई देंगे। इस फिल्म में अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोणकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख भी दिखेंगे।

स्किन केयर के शौक को पैशन में बदलना चाहती हूं: कृति सेनन

कृति सेनन अपना 33वां बर्थडे मना रही हैं। इस मौके पर कृति सेनन ने दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ के साथ मिलकर अपना ब्यूटी ब्रांड लॉन्च किया है। इस ब्रांड का नाम है- हायफन । कृति सेनन ने बीते दिन अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स भी लॉन्च किया था।

कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर ये अनाउंसमेंट करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे टू मी! आज मेरा बर्थडे फाइनली आ चुका है। आज 27 जुलाई 2023 के दिन मैं बेहद खुशी के साथ हायफन की दुनिया में आपका स्वागत करती हूं। हायफन ढेर सारी उम्मीदों, आशाओं और जिंदगी में नए चैप्टर्स जोड़ने की शुरुआत है। हायफन के साथ मैं स्किन केयर को लेकर अपने शौक को अपने पैशन में बदलने जा रही हूं।

हमेशा से पॉवर प्रोडक्ट बनाना चाहती थीः कृति सेनन

कृति ने आगे लिखा- हमेशा से मैं कुछ अमेजिंग इंग्रेडिएंट्स का इस्तेमाल करके कोई पॉवर प्रोडक्ट बनाना चाहती थी। ऐसे प्रोडक्टस जो वाकई में काम करते हों। हमने नेचर की ताकत और साइंस के इस्तेमाल से हायफन को तैयार किया है।

इस ब्रांड के हर प्रोडक्ट के कई फायदे हैं। लोग कहते हैं कि आप एक साथ कब कुछ नहीं कर सकते, लेकिन क्यों नहीं। ये साथ बढ़ने और चमकने की एक नई शुरुआत है। मैं हायफन की पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया कहती हूं जिन्होंने हायफन को खड़ा करने में मेरी इतनी मदद की।

मैं अपने को-फाउंडर की भी शुक्रगुजार हूं, ये अब तक मेरे बर्थडे पर मुझे मिला बेस्ट गिफ्ट है। आप हमारी वेबसाइट पर सभी प्रोडक्ट्स को चेक कर अपना ऑर्डर प्लेस कर सकते हैं। नोट के आखिर में कृति ने को-फाउंडर और चीफ कस्टमर ऑफिसर के नाम से साइन ऑफ किया।

बजट फ्रेंडली है कृति सेनन का ब्रांड

कृति सेनन का ये ब्रांड बजट फ्रेंडली है। वेबसाइट पर लगभग सभी प्रोडक्ट्स 449 से लेकर 649 रुपए तक है। ये प्रोडक्ट्स इको-फ्रेंडली भी हैं। जल्द ही कृति सेनन तब्बू और करीना कपूर के साथ फिल्म द क्रू में नजर आएंगी। इसके अलावा कृति शाहिद कपूर के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी। कृति काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती में भी दिखेंगी।

सामंथा ने 4 डिग्री तापमान में लिया आइस बाथ : 6 मिनट तक बाथ टब में बैठी रहीं

साउथ सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी हेल्थ की वजह से इन दिनों एक्टिंग की दुनिया से ब्रेक लिया हुआ है। एक्ट्रेस फिलहाल छुट्टी लेकर बाली इंडोनेशिया में वैकेशन मना रही हैं।

सामंथा लगातार वैकेशन के दौरान की तस्वीरें और वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। उन्होंने एक और वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह 4 डिग्री टेम्प्रेचर में आइस बाथ लेती हुई नजर आईं। वीडियो में सामंथा एक बाथ टब के अंदर बैठी हुई हैं। वह लगातार 6 मिनट तक इस बर्फीले पानी के अंदर रहीं, जो काफी सराहनीय है। बता दें, आइस बाथ मसल्स के दर्द और सूजन दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए सामंथा ने कैप्शन दिया, '#आइसबाथ 4 डिग्री 6 मिनट।'

बंदर के साथ शेयर की फोटो

इसके अलावा सामंथा ने कुछ और लेटेस्ट फोटोज फैंस के साथ शेयर की है, जिसमें वह एक बंदर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इन फोटोज में सामंथा और उनकी दोस्त अनुषा स्वामी भी दिखाई दे रही हैं। वहीं बंदर सामंथा की गोद में बैठा हुआ है।

एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'बंदर को स्पॉट करें।' इन फोटोज को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

फिल्मों से सामंथा ने लिया ब्रेक

बता दे, सामंथा ने अपने हालिया प्रोजेक्ट्स सिटाडेल और कुशी की शूटिंग पूरी करते ही काम से ब्रेक लिया है। एक्ट्रेस करीब 1 साल से मायोसाइटिस नाम की ऑटो इम्यून बीमारी से जूझ रही हैं। अब वह अपनी मेन्टल और फिजिकल हेल्थ पर फोकस करना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जिन प्रोजेक्ट्स के लिए प्रोड्यूसर्स से एडवांस फीस ली थी, उन्होंने प्रोड्यूसर को सारे पैसे लौटा दिए हैं।

सामंथा को आखिरी बार पौराणिक फिल्म शाकुंतलम में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करे तो वह फिल्म कुशी में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। शिव निर्वाण द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांटिक ड्रामा फिल्म 1 सितंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, सामंथा राज और डीके की सीरीज सिटाडेल में भी दिखाई देंगी। इस सीरीज में सामंथा के साथ वरुण धवन हैं। दोनों पहली बार अमेजन प्राइम वीडियो की भारतीय श्रृंखला में एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे।

जेनिफर के समर्थन में गवाही देने वाले थे गुरुचरण असित मोदी ने उनका पुराना बकाया चुकाया

जेनिफर मिस्त्री ने असित मोदी पर एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि ये केस फिलहाल आगे नहीं बढ़ पा रहा है। ये बातें खुद जेनिफर मिस्त्री ने कही है। जेनिफर ने असित पर आरोप लगाया है कि वे गवाहों को गुमराह कर रहे हैं। जेनिफर के मुताबिक, असित मोदी ने शो के एक्स कंटेस्टेंट गुरुचरण सिंह का साढ़े तीन साल पुराना बकाया चुका दिया है। गुरुचरण सिंह इस केस में मुख्य गवाह थे। वे जेनिफर के समर्थन में असित के खिलाफ गवाही देने वाले थे।

जेनिफर ये देख कर पूरी तरह शॉक्ड हैं कि जिस शख्स को साढ़े तीन साल से पैसे न मिले हों, उसे अचानक बुलाकर सारा चुकता कर दिया। जेनिफर ने आशंका जताई है कि गुरुचरण, असित के खिलाफ गवाही न दें इसी वजह से उनके सारे पैसे चुका दिए गए।

जेनिफर ने कहा, 'गुरुचरण वो शख्स हैं, जिन्होंने मुझे सिंगापुर में असित के खराब व्यवहार से बचाया था। असित जब मेरे साथ फ्लर्ट और छूने की कोशिश कर रहे थे, तब गुरुचरण बीच में आए थे। उन्होंने असित को मुझसे दूर रहने को कहा था। उन्हें पहले से असित की हरकतों के बारे में पता था। मैंने उन्हें पहले ही असित के बारे में सब कुछ बता दिया था। मई 2023 में खुद गुरुचरण ने मुझसे कहा था कि वे मीडिया में कुछ नहीं बोलेंगे लेकिन कोर्ट में उनके समर्थन में जरूर गवाही देंगे।'

गुरुचरण ने अपने आप को न्यूट्रल बताया

जेनिफर ने आगे कहा, 'अचानक 9 जून को गुरुचरण ने मुझे कॉल करके मिलने बुलाया। मैं उनके पास गई। उन्होंने मुझसे कहा कि 8 जून को उन्हें ऑफिस बुलाया गया और पिछले साढ़े तीन साल जो भी पैसे रुके हुए थे, सब मिल गए। मुझे लग गया कि वे मेरे लिए अब गवाही नहीं देंगे। हालांकि मैंने उनसे नहीं कुछ बोला। उन्होंने मुझसे कहा कि वो असित और मेरे बीच में न्यूट्रल रहकर बातचीत कराकर मुद्दा हल कर सकते हैं।'

गुरुचरण की बातें सुनकर शॉक्ड थीं जेनिफर

जेनिफर ने कहा कि वे भी असित मोदी के साथ बैठकर बात करने को तैयार हैं। हालांकि उनकी या उनकी टीम की तरफ से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। जेनिफर ने कहा कि गुरुचरण ने उनसे वही बात की, जो पुलिस वाले भी उनसे पहले कह चुके थे। जेनिफर ने आगे कहा, 'मैं ये सुनकर वाकई शॉक्ड थी कि गुरुचरण वही बात कर रहे थे जो कुछ दिन पहले पुलिस वालों ने मुझसे कही थी। इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर ने कहा था कि किसी एक न्यूट्रल आदमी को ढूंढिए जो मेरे और असित के बीच पैचअप करा सके।

असित मोदी का कोई जवाब नहीं आ रहा- जेनिफर

जेनिफर ने कहा, 'हमें एक जगह पर मिलने बुलाया गया। हालांकि अब गुरुचरण का कहना है कि वे (असित मोदी) रिप्लाई नहीं कर रहे हैं। पुलिस वालों ने भी मीटिंग के लिए स्टेशन बुलाया, लेकिन उधर से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। उन्होंने पूरा टाइम भी लिया और अब बातचीत भी नहीं कर रहे हैं। ऊपर से मेरे खिलाफ और भी बेसलेस आरोप लगा दिए।'

ओएमजी-2 पर महाकाल मंदिर के पुजारियों की आपत्ति : कहा- फिल्म से महाकाल मंदिर के दृश्य हटाएं; नहीं तो एफआईआर कराएंगे

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'ओएमजी-2' पर महाकाल मंदिर के पुजारियों ने 10 दिन में दूसरी बार आपत्ति जताई है। पुजारियों का कहना है कि इस फिल्म से महाकाल मंदिर में शूट किए गए सभी दृश्य को तत्काल हटा लेना चाहिए।

फिल्म को अगर ए सर्टिफिकेट दिया गया और अश्लीलता परोसने के साथ महाकाल मंदिर के शॉट दिखे तो देशभर में फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक्टर अक्षय कुमार के खिलाफ प्रदर्शन होगा। एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

11 जुलाई को ओ माय गॉड-2 का टीजर रिलीज हुआ था। सेंसर बोर्ड ने फिल्म की रिलीज डेट पर रोक लगाते हुए फिल्म को रिव्यू कमेटी के पास भेजा था। सेंसर बोर्ड के इस एक्शन पर 18 जुलाई को पुजारियों ने कहा था कि अच्छा होगा कि पहले से आपत्तिजनक शॉट्स - डायलॉग्स हटा लिए जाएं। साधु-संतों को दिखाकर फिल्म रिलीज की जाए। बाद में विवाद सामने आया तो फिल्म का विरोध करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक्शन लें

महाकाल मंदिर के पुजारी, महाकाल सेना और अखिल भारतीय पुजारी संघ के अध्यक्ष महेश पुजारी ने कहा, 'फिल्म को यदि सेंसर बोर्ड से A प्रमाणपत्र मिला, तो यह अश्लील फिल्म है। इसलिए महाकाल मंदिर के शॉट फिल्म से हटाना चाहिए। हम सेंसर बोर्ड और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं।' उन्होंने कहा, 'जिस फिल्म को सेंसर बोर्ड A सर्टिफिकेट देता है, उसके संवाद और दृश्य नाबालिग नहीं देख सकते। ऐसी फिल्म में महाकाल मंदिर के दृश्य का क्या काम है। अगर महाकाल मंदिर के शॉट्स नहीं हटाए तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।'

'सपने में कब्रिस्तान ले जाकर मांस खाने को कहता था' : नरगिस

बोलीं- 6 फीट लंबा डरावना शख्स परेशान करता था; छोड़ना पड़ा अपार्टमेंट

नरगिस फाखरी ने अपने बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। नरगिस ने कहा कि वे जब इंडिया आईं तो उन्हें कुछ अजीब दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नरगिस कब्रिस्तान के बगल में एक अपार्टमेंट में रहती थीं। उन्हें वहां सुपरनेचुरल चीजें फील होती थीं। नरगिस डरावने सपने देखा करती थीं। नरगिस के मुताबिक, एक बार उन्होंने सपना देखा कि एक 6 फुट 5 इंच लंबा आदमी उन्हें कब्रिस्तान तक ले गया। उसने हाथ से आस-पास की जमीन खोदी और मरे हुए लोगों की लाश निकालकर उनका मांस खाने लगा। वो नरगिस को भी मांस खाने को कहता था। नरगिस इतनी डर गईं कि उन्हें तीन दिन बाद ही वो अपार्टमेंट छोड़ना पड़ा।

कब्रिस्तान के बगल में लिया था अपार्टमेंट

नरगिस ने उन दिनों का किस्सा शेयर किया जब वो इंडिया नई-नई आई थीं। उन्होंने कहा- मैंने मुंबई में एक अपार्टमेंट लिया। ये अपार्टमेंट हिल रोड पर एक कब्रिस्तान के पास था। इस अपार्टमेंट में मैं बस तीन दिन रह सकी थी।

वो शख्स सपने में कब्रिस्तान ले जाता और मुझे मांस खाने को बोलता था

नरगिस ने आगे कहा- मुझे डरावने सपने आते थे। हर रात 3 बजे मेरी नींद खुल जाती थी। मुझे सपने में हर रोज एक पीले-सफेद रंग का खूंखार आदमी दिखता था। उसकी लंबाई 6 फुट 5 इंच रही होगी। सपने में ही वो भूत जैसा दिखने वाला शख्स मुझे कब्रिस्तान तक ले जाता था। वो भूत जैसा दिखने वाला शख्स मरे हुए लोगों को निकालकर उनका मांस खाता था। वो मुझे भी उनका मांस खाने को बोलता था। मुझे ये सपने लगातार आते थे।

घर की आलमारी से मिले 6 मरे हुए पक्षी

नरगिस परेशान हो गई थीं। उन्होंने अपनी टीम से उन्हें दिल्ली शिफ्ट करने को कहा। जब लोग उनके सामान की पैकिंग करने आए तो उन्हें भी एक अजीब चीज दिखीं। वहां पास की आलमारी में 6 मरे हुए पक्षी मिले। नरगिस के मुताबिक, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वहां ये अजीब चीजें क्यों हो रही थीं।

नौकरानी ने चुरा ली थी ज्वेलरी

नरगिस के मुताबिक, एक छोटे से समय में ही उनके साथ एक और वाकया हुआ। उनकी नौकरानी ने उनकी ज्वेलरी चुरा ली। हालांकि, नरगिस ने कहा कि इससे उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि उनके लिए इन भौतिक चीजों का कोई खास महत्व नहीं था।

पहली फिल्म से ही फेमस हो गई थीं नरगिस

नरगिस फाखरी का जन्म 20 अक्टूबर 1979 को अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुआ था। नरगिस के पिता पाकिस्तानी मूल के थे, जबकि मां अमेरिकी थीं। नरगिस जब 6 साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए थे।

भारत आने पर उन्हें पहली फिल्म इम्तियाज अली की रॉकस्टार मिल गई। इसमें उन्होंने रणबीर कपूर के अपोजिट काम किया। उनके काम को काफी पसंद किया गया। नरगिस एक ही फिल्म से काफी फेमस हो गईं। इसके बाद में उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ फिल्म मद्रास कैफे में काम किया।

इसके अलावा अजहर जैसी फिल्म में भी दिखीं। उन्होंने सलमान खान और शाहिद कपूर की फिल्मों में आइटम डांस भी किया है। नरगिस यश चोपड़ा के छोटे बेटे और एक्टर उदय चोपड़ा के साथ रिलेशनशिप की वजह से भी सुर्खियों में रह चुकी हैं।

रोहित ने 12 साल बाद नंबर-7 पर बैटिंग की, जडेजा ने तोड़ा कपिल का रिकॉर्ड

भारतीय लेफ्ट आर्म स्पिन-पेयर ने पहली बार लिए 7 विकेट

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद वनडे में भी टीम इंडिया की शुरुआत धमाकेदार रही है। रोहित शर्मा की लीडरशिप वाली टीम ने पहला मुकाबला 5 विकेट से जीता। मैच की पूरी रिपोर्ट पढ़ें...

यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि वेस्टइंडीज की टीम इस मैच में भारत के खिलाफ अपने घर में सबसे छोटे स्कोर पर सिमट गई। इसका सेहरा भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव- रवींद्र जडेजा की जोड़ी को जाता है। दोनों ने मिलकर वेस्टइंडीज के 7 बैटर्स को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

वनडे में ऐसा पहली बार हुआ है, जब बाएं हाथ के भारतीय स्पिन पेयर ने 7 या इससे अधिक विकेट लिए हैं।

यादव-जडेजा की गेंदबाजी ने गुरुवार को कई रिकॉर्ड तोड़े, जो आप आगे इस स्टोरी में पढ़ेंगे...

1. विंडीज के खिलाफ टॉप विकेट टेकर बने जडेजा, कपिल को पीछे छोड़ा

रवींद्र जडेजा ने पहले वनडे में 3 विकेट लिए। इसके साथ ही वे वनडे में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। जडेजा कैरेबियाई टीम के 44 बैटर्स को आउट कर चुके हैं, जबकि कपिल देव के नाम 43 विकेट हैं। इस सूची में तीसरा नाम अनिल कुंबले का है। शमी 37 विकेट के साथ चौथे और हरभजन सिंह (33 विकेट) 5वें नंबर पर हैं।

2. मोस्ट-4 के मामले में चहल की बराबरी पर आए कुलदीप

कुलदीप यादव ने पहले वनडे में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 3 ओवर में 6 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इसी के साथ कुलदीप ने 7वीं बार चार विकेट हासिल किए हैं।

वे सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चहल की बराबरी पर आ गए हैं। चहल ने भी 7 बार 4 विकेट हासिल किए हैं। कुलदीप ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा।

इस सूची के टॉप पर लीजेंड स्पिनर अनिल कुंबले हैं। कुंबले में 10 दफा एक मुकाबले में चार विकेट हासिल किए हैं।

3. सफल रन चेज में 25वीं बार नाबाद रहे रोहित, तेंदुलकर की बराबरी पर आए

कप्तान रोहित शर्मा ने भारत की जीत में नाबाद 12 रन का योगदान दिया। वे 25वीं बार सफल रन चेज में नाबाद लौटे। इस मामले में रोहित दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की बराबरी पर आ गए हैं। इस मामले में महेंद्र सिंह धोनी टॉप पर हैं। धोनी 47 बार नाबाद रहे, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद कोहली 30 बार नाबाद रहे हैं। इस सूची में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे दिग्गजों के नाम हैं।

4. वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने वालों के टॉप-5 क्लब में शामिल हुए कोहली

कोहली ने रवींद्र जडेजा की बॉल पर रोमारियो शेफर्ड का शानदार कैच पकड़ा। यह कैच लेने के साथ ही कोहली वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों के टॉप-5 क्लब में शामिल हो गए हैं। कोहली ने वनडे करियर का 142वां कैच पकड़ा है। वे रॉस टेलर की बराबरी पर आ गए हैं। इस सूची में पहला नाम श्रीलंकाई दिग्गज महेला जयवर्धने का नाम है। कोहली इस सूची के टॉप-5 क्लब में शामिल दूसरे भारतीय हैं, क्योंकि पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन पहले ही 156 कैच लेकर तीसरे नंबर पर मौजूद हैं।

5. रोहित नंबर-7 पर बैटिंग करने वाले तीसरे भारतीय कप्तान

वेस्टइंडीज को 114 रन पर ऑल आउट करने के बाद रोहित ने टीम के बैटिंग ऑर्डर पर कई प्रयोग किए। वे खुद नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे। रोहित 12 साल बाद इस पोजिशन पर बैटिंग करने उतरे। इससे पहले, वे 2011 में नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे थे।

रोहित नंबर-7 पर बैटिंग करने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने हैं। इससे पहले, कपिल देव और राहुल द्रविड़ नंबर-7 पर बतौर कप्तान बैटिंग करने उतर चुके हैं।

दूसरे वनडे में रोहित शर्मा सुधारेंगे अपनी भूल, सीरीज जीतने के लिए मैदान पर उतरेगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले वनडे में टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत हासिल की थी लेकिन उसके बैटिंग ऑर्डर को लेकर आलोचना हुई थी। भारतीय टीम खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए फिर अपने निर्धारित बल्लेबाजी क्रम पर वापसी कर सकती है, ताकि वह बल्लेबाजों के बेहतर प्रदर्शन की बदौलत तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त बना ले। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ को पहले वनडे में मध्यक्रम बल्लेबाजों को दूसरे सत्र में टर्न लेती पिच पर आजमाने में थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा लेकिन लक्ष्य महज 115 रन का था तो टीम ने आराम से इसे हासिल कर लिया।

वॉटर प्यूरिफायर पर 40% तक की छूट पाएं और हर साल 20 हजार लीटर तक पानी बचाएं

कोई भी पक्के तौर पर कह सकता है कि अगर भारत को फिर इतने छोटे लक्ष्य का पीछा करना पड़े तो भी रोहित खुद शुभमन गिल के साथ बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे और विराट कोहली तीसरे नंबर पर खेलेंगे। पहले वनडे में अर्धशतकीय पारी से प्रभावित करने के बावजूद ईशान किशन को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी और अगर केएल राहुल वापसी करते हैं तो उन्हें श्रीलंका में एशिया कप के दौरान इस जगह को खाली करना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में आठ अक्टूबर (मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार) को शुरुआती विश्व कप मैच से पहले बस 11 और मैच बचे हैं तो भारत का लक्ष्य एक संतुलित संयोजन पर अडिग रहने का होगा इसलिये ज्यादा प्रयोग करने पर शायद जोर नहीं दिया जाए।

बारबडोस में केनसिंगटन ओवल दिवंगत मैलकम मार्शल और जोएल गार्नर का घरेलू मैदान है जिस पर दौरा करने वाली टीम के बल्लेबाज 'बिग फोर' (एंडी रॉबर्ट्स और माइकल होल्डिंग) का सामना करने की बात सोचकर ही दबाव में आ जाते थे। लेकिन गुरुवार को केनिसंगटन ओवल की पिच स्पिनरों के लिए फाएदेमंद दिखी जिसमें रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव की टर्न और उछाल लेती गेंदों के सामने कैरेबियाई बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए यहां तक कि हार्दिक पंड्या नयी गेंद से उमरान मलिक के साथ बल्लेबाजों को परेशान करने में सफल रहे। मलिक ने काफी गेंद तेज रफ्तार से डालीं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट के अब वो स्वर्णिम दिन गुजर गये हैं और भारत में वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद से क्रिकेट की लोकप्रियता भी निचले स्तर पर पहुंच गयी है। दूसरे वनडे में शायद उसी पिच का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा लेकिन इसकी प्रकृति भी वैसी ही हो सकती है इसलिये भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने की चुनौती से दिक्कत नहीं होनी चाहिए। गुडाकेश मोती की बायें हाथ की स्पिन गेंदबाजी और यानिक कारिया की लेग ब्रेक गेंदों को खेलना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा, हालांकि यह इतना आसान भी नहीं होगा।

भारतीय बल्लेबाजों टर्न लेती पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ धाकड़ बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर नहीं बना सके हैं लेकिन अगर पहले वनडे जैसी परिस्थितियों में ऐसा करना पड़े तो यह टीम के लिये इतनी खराब परीक्षा भी नहीं होगी। चेन्नई और लखनऊ जैसे स्थल (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप के स्टेडियम) स्पिनरों के लिए मददगार होंगे और विदेशी हालात में इसी तरह की पिचों पर कुछ अभ्यास करना हमेशा अच्छा ही साबित होगा। घरेलू मैदान पर इसी तरह की पिचों की उम्मीद कर सकते हैं। सूर्यकुमार यादव के लिए अपनी टी20 फॉर्म को 50 ओवर के क्रिकेट में दोहराना निहायत जरूरी होगा।

गुरुवार को उनके पास सुनहरा मौका था और वह अच्छी लय में भी दिख रहे थे लेकिन मोती की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने से उनकी पारी खत्म हो गयी। सूर्यकुमार जानते हैं कि अगर श्रेयस अय्यर फिट हो जाते हैं और अगर केएल राहुल वापसी करते हैं तो अंतिम एकादश में उनके स्थान पर खतरा मंडरा सकता है जिससे उनके लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाना मुश्किल हो जायेगा।

इसलिए उनके लिये एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाना बहुत जरूरी होगा ताकि टीम में उनका स्थान पक्का हो सके। मुकेश कुमार रिजर्व (पांचवें) तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल हैं लेकिन उन्हें टीम में जगह बनानी चाहिए। उनकी अनुशासित लाइन एवं लेंथ बेहतरीन रही है और उन्हें बाहर करना मुश्किल होगा जब तक कि भारत 15 सदस्यीय टीम में अतिरिक्त स्पिनर नहीं चुनती।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रूतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), शार्दुल ठाकुर, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार

वेस्टइंडीज : शाई होप (कप्तान), रोवमैन पॉवेल, एलिक अथानाजे, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायेर, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, काइल मायर्स, गुडाकेश मोती, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, केविन सिनक्लेयर, ओशाने थॉमस।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए 15 टीमों ने किया क्वालिफाई क्या वेस्टइंडीज को मिलेगा मौका? अमेरिका भी उतरेगा

टी20 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर के मुकाबले इन दिनों खेले जा रहे हैं. यूरोपीय क्वालिफायर से आयरलैंड और स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है. पिछले दिनों दोनों ही टीमें वनडे वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना सकी थीं. ऐसे में दोनों का राहत मिली है. वहीं ईस्ट अफ्रीका-पेसिफिक क्वालिफायर की बात करें, पापुआ न्यू गिनी ने यहां अच्छा प्रदर्शन करके वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली है. 20 में से अब तक 15 टीमों का टिकट पक्का हो गया. 5 टीमों पर फैसला सितंबर से दिसंबर तक होने वाले क्वालिफायर से होगा. टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से होना है. मेजबान होने के नाते दोनों को टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा.

वेस्टइंडीज ने 2 बार वनडे वर्ल्ड कप तो 2 बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है. लेकिन पिछले दिनों वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर में टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और टीम इतिहास में पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी. टी20 वर्ल्ड कप की बात करें, तो 2022 में टूर्नामेंट की टॉप-8 टीमों को डायरेक्ट एंट्री मिली. इसमें इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका हैं.

अफगानिस्तान ने भी क्वालिफाई किया

अफगानिस्तान और बांग्लादेश को टी20 रैंकिंग के आधार पर वर्ल्ड कप का टिकट मिल चुका है. इस तरह से अब 15 टीमों की जगह पक्की हो चुकी है. सितंबर-अक्टूबर में अमेरिका के क्वालिफायर होने हैं. यहां से भी 2 टीमों को वर्ल्ड कप का टिकट मिलना है. वहीं अक्टूबर-नवंबर में एशिया क्वालिफायर से 2 टीमें जबकि नवंबर-दिसंबर में होने वाले अफ्रीका क्वालिफायर से एक टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलेगा. टी20 वर्ल्ड कप के अब तक 8 सीजन के मुकाबले खेले चुके हैं. इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने सबसे अधिक 2-2 बार खिताब पर कब्जा किया है. इसके अलावा भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें एक-एक बार चैंपियन बनी हैं.

इंग्लैंड के फैंस की गिरी हुई हरकत, लाइव टीवी पर रिकी पोंटिंग के साथ की बदसलूकी

एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट के पहले दिन स्टेडियम में दर्शकों नीच हरकत कर दी। स्टंप के बाद पहले दिन के खेल पर बात कर रहे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान के साथ बदसलूकी हुई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का अच्छा प्रदर्शन करके इंग्लैंड को पहली पारी में 283 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ एशेज सीरीज के आखिरी मैच में एक ऐसा वाक्या घटा, जिस पर वो हैरान दिखे। दिन का खेल खत्म होने के बाद लाइव कॉमेंट्री के दौरान स्टेडियम में बैठे दर्शकों में से किसी ने उनपर अंगूर फेंक दिए। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ओवल में एशेज सीरीज का आखिरी मैच खेला जा रहा है। यह घटना पहले दिन के खेल खत्म होने पर हुई जब रिकी पोंटिंग दिन के खेल के बारे में चर्चा कर रहे थे।

उनपर स्टेडियम में बैठे दर्शकों में से किसी ने अंगूर फेंक दिए, जिसके बाद वो काफी नाराज नजर आए। स्काई स्पोर्ट्स प्रेजेंटर के बाद, इयान वार्ड ने टॉड मर्फी के साथ एक बात की, जिसमें पोंटिंग की ओर इशारा किया गया और कहा गया कि ऐसा लग रहा है जैसे आप पर अंगूर फेंके जा रहे हैं। लेकिन पोंटिंग, जो इस घटना से बहुत प्रभावित नहीं दिख रहे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे अभी-अभी किसी ने अंगूर फेंक कर मारा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह कौन है।'

पावरग्रिड अंतर क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता

पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र-I 28 जुलाई, 2023 से 30 जुलाई, 2023 तक ताज डेक्कन, हैदराबाद में अंतर क्षेत्रीय शतरंज टूर्नामेंट-2023 का आयोजन कर रहा है।

राजेश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र-I) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और सभी खिलाड़ियों को शतरंज टूर्नामेंट के लिए अपना बहुमूल्य समय देने के लिए बधाई दी, इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जीवन एक शतरंज के खेल की तरह है, हम नहीं पता कौन सा कदम कहां ले जाएगा और अनिश्चितताओं से भरा होगा, और टूर्नामेंट में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। आलोक कुमार शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परिसंपत्ति प्रबंधन), श्री संजय कुमार गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं), श्री पीके हरिनारायणन, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) वरिष्ठ अधिकारियों और टूर्नामेंट के मुख्य मध्यस्थ श्री आर चंद्रमौली के साथ। उद्घाटन समारोह में तेलंगाना राज्य शतरंज संघ ने भाग लिया। इस टूर्नामेंट में पावरग्रिड के सभी क्षेत्रों की टीमें, जिनमें पुरुष और महिला खिलाड़ी शामिल हैं, भाग ले रही हैं। कुल मिलाकर 18 टीमें (11 पुरुष-प्रत्येक टीम में 4 खिलाड़ी, 7 महिलाएं-प्रत्येक टीम में 2 खिलाड़ी) पुरुष और महिला वर्ग में व्यक्तिगत और टीम खिताब के लिए लड़ रही हैं। मैचों का संचालन और समन्वयन तेलंगाना राज्य शतरंज एसोसिएशन, हैदराबाद द्वारा किया जाता है।

सिंधु ने इस साल 13 टूर्नामेंट खेले, 7 में पहले राउंड से बाहर

डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु का खराब फॉर्म जारी है। यह अनुभवी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बुधवार को जापान ओपन के पहले राउंड में हारकर बाहर हो गई। उनके उलट युवा लक्ष्य सेन ने इस सुपर 750 टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में प्रवेश कर लिया। वहीं, पिछले हफ्ते कोरिया ओपन जीतने वाली सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी दूसरे राउंड में जगह बनाई। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला आज होगा।

लगातार गेम में हारीं सिंधु

सिंधु को चीन की झेंग यी मिन ने लगातार गेम में 21-12, 21-13 से हराया। सिंधु सिर्फ 32 मिनट में हार गईं। वे इस साल BWF वर्ल्ड टूर इवेंट का 13वां टूर्नामेंट खेलने उतरी थीं। यह साल का सातवां टूर्नामेंट है, जिसमें वे पहले राउंड से आगे नहीं बढ़ सकीं।

सिंधु और झेंग के बीच पांचवां मुकाबला था, जिसमें झेंग को तीसरी बार जीत मिली। 2019 की वर्ल्ड चैम्पियन सिंधु के लिए यह साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने चोट से रिहैब करने के बाद वापसी की थी, लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। वे वर्ल्ड रैंकिंग में 17वें नंबर पर फिसल गई हैं।

लक्ष्य तीसरे राउंड में पहुंचे

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली है। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में जापान के केंता सुनेयामा को 21-14, 21-16 से हराया। पहले राउंड में उन्होंने हमवतन प्रियांशु राजावत को 21-15, 12-21, 24-22 से हराया था। कनाडा ओपन जीतने के बाद लक्ष्य कोरिया ओपन से हट गए थे। फिर उन्होंने इस टूर्नामेंट से वापसी की। लक्ष्य ने 65 मिनट में जीत हासिल की।

तृषा-गायत्री की जोड़ी हारकर बाहर

विमेंस डबल्स में गायत्री गोपीचंद और तृषा जोली की जोड़ी को जापानी जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। एन मात्सुयामा और सी शिडा की जोड़ी ने दोनों को 23-21, 21-19 के अंतर से हराया। उनसे पहले भारत के मिथुन मंजूनाथ और मालविका बंसोड अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए।

बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के लिए बनाई दो सब-कमेटी:अध्यक्ष और सेक्रेटरी वेन्यू की देखरेख करने वाली कमेटी में शामिल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने वर्ल्ड कप के लिए दो सब कमेटी का गठन किया है। एक सब कमेटी वेन्यू की देखरेख करेगी। जबकि दूसरी सब कमेटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सब्सिडी कमेटी है। बीसीसीआई की ओर से सभी स्टेट बॉडी को मंगलवार को ईमेल भेज कर इसकी जानकारी दी गई।

दरअसल 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले वर्ल्ड कप के मुकाबले अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, धर्मशाला, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरू, हैदराबाद, लखनऊ, कोलकाता में खेले जाएंगे। इसके अलावा गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम में वॉर्म अप मैच खेले जाएंगे।

वेन्यू की देखरेख की उप समिति में बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सेक्रेटरी जय शाह, ट्रेजरर आशीष सेहलर, वाइस प्रेसीडेंट राजीव शुक्ला और जॉइंट सेक्रेटरी देवजीत सैकिया इस सब कमिटी में शामिल हैं। बुनियादी ढांचे की सब्सिडी के लिए गठित सब कमेटी में IPLके अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल, पूर्व कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी, पूर्व एपेक्स काउंसिल के सदस्य प्रभतेज भाटिया और कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव ए शंकर के साथ-साथ पांच पदाधिकारी शामिल हैं।

जय शाह दिल्ली और धर्मशाला के प्रभारी

स्पोर्ट्स की वेबसाइट क्रिकबज के अनुसार बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह को दिल्ली और धर्मशाला का प्रभारी बनाया गया है। जबकि अध्यक्ष रोजर बिन्नी को अहमदाबाद और चेन्नई की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। वहीं ट्रेजरार आशीष सहलर पुणे, लखनऊ और गुवाहाटी की देखरेख करेंगे।वाइस प्रेजसीडेंट राजीव शुक्ला साउथ के शहरों हैदराबाद और बेंगलुरु की जिम्मेदारी संभालेंगे। जबकि ज्वॉइंट सेक्रेटरी देवजीत सैकिया के पास मुंबई, कोलकाता और तिरुवनंतपुरम का जिम्मा है।

हर वेन्यू को दिए जाएंगे 50 करोड़ रुपये

BCCI सचिव की ओर से स्टेट बॉडी को भेजे गए ईमेल में कहा गया कि वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे स्टेडियम को 50 करोड़ रुपये बुनियादी ढांचे और सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दिए जाएंगे।

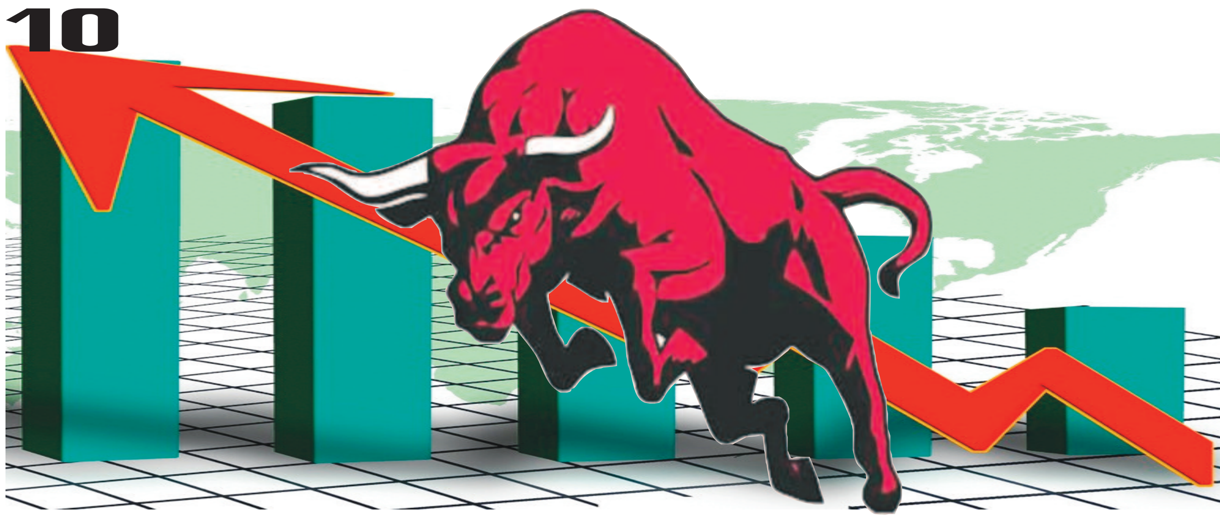

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा

घरेलू कंपनियों की विदेशी एक्सचेंज पर हो सकेगी लिस्टिंग, ग्लोबल पूंजी होगा उपलब्ध

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियां अब विदेशी एक्सचेंज पर भी खुद की लिस्टिंग करा सकती हैं। साथ ही घरेलू कंपनियां अहमदाबाद स्थित अहमदाबाद स्थित इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर पर कंपनी की लिस्टिंग हो सकती हैं। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने ये जानकारी दी है। मुंबई के कॉरपोरेट बॉन्ड के लिए एएमसी रेपो क्लियरिंग लिमिटेड और कॉरपोरेट डेट मार्केट डेवलपमेंट फंड को लॉन्च करते हुए वित्त मंत्री ने बात का खुलासा किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशों में भी घरेलू कंपनियां अपने सिक्योरिटीज की सीधे लिस्टिंग करा सकती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बारे में निर्णय ले लिया है। वित्त मंत्री ने कहा कि कंपनियां लिस्टेड या गैर-लिस्टेड कंपनियों की इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर एक्सचेंज पर सीधे लिस्टिंग करा सकती है। उन्होंने सरकार के इस फैसले को बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इससे कंपनियों को बेहतर

वैल्यूएशन पर पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी। पहले आईएफएससी एक्सचेंज पर लिस्टिंग कंपनियां करा सकेंगी, बाद में 7 से 8 विदेशी एक्सचेंज पर लिस्टिंग की इजाजत मिलेगी। सरकार का ये निर्णय तीन वर्ष के बाद आया है। इससे पहले मई 2020 में कोविड के पहले लहर के दौरान राहत पैकेज का ऐलान करते हुए सरकार ने कहा था कि वो घरेलू कंपनियों को विदेशी एक्सचेंज पर लिस्टिंग कराकर पूंजी जुटाने की इजाजत देगी। पर सरकार को इस प्रस्ताव पर अपनी हामी भरने में तीन साल लग गए। इससे पहले सेबी के कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि देश का कैपिटल मार्केट ट्रेंड सेटर बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में सेटलमेंट में अब तेजी आई है। वित्त मंत्री ने कहा कि डीमैट खातों की संख्या साल 2013 के 2 करोड़ से बढ़कर 2023 में 11.4 करोड़ हो गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि 10 वर्ष पूर्व हमारे स्टॉक मार्केट का कैपिटलाईजेशन केवल 74 लाख करोड़ रुपये था। बीत हर पांच वर्षों में डबल हो गया है और अब ये 300 लाख करोड़ रुपये के लेवल पर आ चुका है। वित्त मंत्री ने बड़े म्युनिसिपल बॉडीज से अपनी फंडिंग जरुरतों को पूरा करने के लिए डेट मार्केट को एक्सेस करने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि सरकार बड़े शहरों के क्रेडिट रेटिंग में सुधार के लिए प्रोत्साहित करेगी जिससे उन्हें उनके बॉन्ड को बेहतर वैल्यूएशन मिल सके।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मिड कैप स्टॉक्स के इंडेक्स में रही तेजी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अगस्त सीरीज के पहले और हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार फिर से मुनाफावसूली के चलते गिरकर क्लोज हुआ है। बैंकिंग और आईटी स्टॉक्स में प्रॉफिट बुकिंग के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है। हालांकि मिड कैप और एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 107 अंकों की गिरावट के साथ 66,160 और निफ्टी 14 अंकों की गिरावट के साथ 19,646 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग,

ऑटो, आईटी सेक्टर के स्टॉक्स गिकर क्लोज हुए। जबकि फार्मा, मेटल्स, एनर्डी, एफएमसीजी, मीडिया, रियल एस्टेट, कंज्यूर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है। मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में तेजी के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर तेजी के साथ और 14 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 29 शेयर तेजी के साथ और 21 गिरकर बंद हुए।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में एनटीपीसी 4.11 फीसदी, पावर ग्रिड 3.09 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 1.36 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.36 फीसदी, बजाज फाइनैंस 1.23 फीसदी, रिलायंस 0.85 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.85 फीसदी, आईटीसी 0.72 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एचडीएफसी बैंक 1.81 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.76 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.66 फीसदी, टीसीएस 1.21 फीसदी, एचसीएल टेक 1.14 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.967 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

भले ही शेयर बाजार में गिरावट रही लेकिन निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर 304.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जो गुरुवार के सत्र में 303.59 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सेशन में निवेशकों की संपत्ति में 48000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

भारत का पहला विशिष्ट आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो शुरू

आईटी मंत्री केटीआर ने किया शुभारंभ

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईआई का एक हिस्सा, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी), तेलंगाना सरकार के सहयोग से 28 से 30 जुलाई तक हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र, हैदराबाद में पहले विशेष आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो की मेजबानी कर रहा है। प्रॉपर्टी शो का उद्घाटन आईटी, ईएंडसी, एमएएंडयूडी और उद्योग और वाणिज्य मंत्री केटी रामाराव ने सीआईआई तेलंगाना के अध्यक्ष और आईजीबीसी, हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी, अरेकापुडी गांधी, विधायक सेरिलिंगमपल्ली की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर जी. श्रीनिवास मूर्ति, सह-अध्यक्ष, आईजीबीसी हैदराबाद चैप्टर, के.एस. वेंकटगिरी, कार्यकारी निदेशक, आईजीबीसी, एम. आनंद, उप कार्यकारी निदेशक, आईजीबीसी, रियल एस्टेट उद्योग के नेता, आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर, हरित उत्पाद निर्माता और अन्य हितधारक उपस्थित थे।

गौरतलब है कि आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो का पहला आयोजन है, जिसका उद्देश्य संभावित खरीदारों को पारंपरिक इमारतों के बजाय आईजीबीसी प्रमाणित या पूर्व-प्रमाणित ग्रीन प्रोजेक्ट्स, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को चुनकर हरित भविष्य में निवेश करने के लिए जागरूक और प्रेरित करना है। तेलंगाना सरकार इस आयोजन के लिए भागीदार राज्य है, जो स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

यह एक्सपो हरित आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों, भवन, उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहा है। 4,200 वर्ग किमी से अधिक के एक्सपो क्षेत्र में फैले 75+ से अधिक प्रदर्शकों के साथ, ग्रीन प्रॉपर्टी शो संपत्ति डेवलपर्स, प्रासंगिक उत्पाद निर्माताओं, खरीदारों, टिकाऊ डेवलपर्स, निवेशकों को एक साथ लाता है जो टिकाऊ संपत्तियों और उत्पादों को खरीदने के इच्छुक हैं।

अपनी तरह के इस पहले आयोजन का उद्देश्य युवा कलाकारों के बीच रचनात्मकता, पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देना है। चित्रकला प्रतियोगिता 10 वर्ष तक की आयु वर्ग के युवा कलाकारों के लिए खुली है।

प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता को उजागर करने और अपनी कलाकृति के माध्यम से स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य युवा दिमागों को पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ प्रथाओं के बारे में नवीन रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए, सीआईआई तेलंगाना के अध्यक्ष और आईजीबीसी हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष सी शेखर रेड्डी ने कहा कि ग्रीन प्रॉपर्टी शो टिकाऊ उत्पादों के साथ-साथ भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा ग्रीन प्रमाणित और पूर्व-प्रमाणित परियोजनाओं को एक साथ लाया है, जिससे डेवलपर्स के लिए भारत में पर्यावरण के प्रति जागरूक संपत्ति खरीदार से जुड़ना आसान हो गया है। तेलंगाना राज्य ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व के साथ सभी सरकारी भवनों के लिए स्थायी प्रथाओं और हरित भवनों और निर्मित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए उचित नीतिगत हस्तक्षेपों को अपनाकर हरित आंदोलन का नेतृत्व किया है। आईजीबीसी हैदराबाद चैप्टर के सह-अध्यक्ष श्रीनिवास मूर्ति ने कहा कि आज यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि भावी घर खरीदार जलवायु परिवर्तन की घटना को ध्यान में रखते हुए अपने घर का चयन करें। हरित और टिकाऊ जीवन की अवधारणा ने दुनिया भर में महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है और भारत कोई अपवाद नहीं है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में, भारत को पर्यावरणीय स्थिरता के मामले में अद्वितीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। तेजी से शहरीकरण, बढ़ती ऊर्जा मांग और किफायती आवास की आवश्यकता ने पारंपरिक रियल एस्टेट प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन किया है। हरित और टिकाऊ घरों का प्राथमिक लक्ष्य कार्बन पदचिह्न को कम करना है। ऐसे घरों में नवीन डिजाइन तत्व शामिल होते हैं और सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जाता है। सीआईआई-आईजीबीसी के कार्यकारी निदेशक केएस वेंकटगिरी के अनुसार आज हम हैदराबाद में भारत का पहला विशेष ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2023 आयोजित कर रहे हैं। यह संपत्ति खरीदारों के लिए हरित-प्रमाणित परियोजना चुनने/खरीदने का एक अनूठा अवसर है। इस आयोजन से जनता में जागरूकता तेजी से बढ़ेगी। ग्रीन प्रॉपर्टी शो टिकाऊ प्रथाओं पर प्रकाश डालता है और ऊर्जा कुशल उपकरण, अपशिष्ट बचत फिक्स्चर, अपशिष्ट रीसाइक्लिंग तकनीक, रहने वालों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पर्यावरण-अनुकूल इंटीरियर इत्यादि जैसे टिकाऊ उत्पादों को प्रदर्शित करता है। एम आनंद, उप कार्यकारी निदेशक, आईजीबीसी ने कहा कि आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो हैदराबाद द्वारा पेश किए जाने वाले कुछ बेहतरीन टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल रहने वाले स्थानों को प्रदर्शित करने के लिए एक शानदार मंच होगा ताकि निवासी स्मार्ट और स्मार्ट में निवेश कर सकें। न केवल अपने लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी हरित कल में योगदान करते हुए लचीले विकल्प अपनाएं।

सैट ने सेबी की ओर से मुकेश अंबानी पर लगाए गए 25 करोड़ रुपये का जुर्माना रद्द किया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण के अनुसार, नियामक की ओर से जुर्माना लगाना कानून सही नहीं था और उसका मानना है कि अंबानी की ओर से नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया गया था।

सेबी ने अप्रैल 2021 में लगाया था 25 करोड़ रुपये का जुर्माना

अप्रैल 2021 में सेबी ने अधिग्रहण नियमों के कथित उल्लंघन के लिए आरआईएल के वर्तमान व पूर्व प्रमोटरों जिनमें मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, उनकी मां, पत्नी, बच्चों, परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं और उनसे जुड़ी संस्थाओं पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। अधिग्रहण नियमन का उल्लंघन आरआईएल की ओर से जनवरी 2000 में 38 इकाइयों को जारी किए गए 12 करोड़ रुपये के शेयरों से संबंधित है।

नियामक के अनुसार उनपर आरोप था कि आरआईएल के प्रवर्तकों ने कुछ अन्य इकाइयों के साथ मिलकर 6.83 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया जो प्रवर्तकों के लिए अधिग्रहण नियमों में निर्धारित पांच प्रतिशत की सीमा से अधिक है। सेबी के नियमों के मुताबिक अगर कोई प्रमोटर किसी वित्त वर्ष में 5 पर्सेंट से ज्यादा वोटिंग राइट्स हासिल करता है तो उसे शेयर खरीदने के लिए सार्वजनिक तौर पर घोषणा करनी होगी।

वेदांता के मुखिया बोले- चिप बनाने के लिए मिला नया पार्टनर

एएमडी भी करेगा 40 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत में चिप निर्माण की कंपनी की योजना के बारे में बड़ा खुलासा किया है। वेदांता के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी को भारत में अपनी सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए एक तकनीकी साझेदार मिल गया है और वह समझौता करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने 'सेमीकॉन इंडिया 2023' कार्यक्रम में बोलते हुए यह भी कहा कि वेदांता सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब के निर्माण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने भारत को एशिया का सेमीकॉन हब बनाने के लिए समर्पित प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत की सिलिकॉन वैली बनाने के लिए गुजरात सबसे सही जगह है।

फॉक्सकॉन 19.5 अरब डॉलर के सौदे से हट गया था पीछे

वेदांता ने इससे पहले ताइवान की फॉक्सकॉन के साथ भारतीय बाजारों के लिए सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम बनाने के लिए बातचीत कर रही थी। हालांकि, फॉक्सकॉन ने 19.5 अरब डॉलर के सौदे से हाथ खींच लिए थे, जिससे कंपनी की चिप बनाने की योजना अधर में आ गई थी। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता फॉक्सकॉन और वेदांता ने पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले प्रोडक्शन प्लांट स्थापित करने के लिए पिछले साल एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

भारत में चिप बनाने के लिए एएमडी भी करेगा 40 करोड़ डॉलर का निवेश

अमेरिकी चिप निर्माता एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में लगभग 400 मिलियन डॉलर (40 करोड़ डॉलर) का निवेश करेगी। कंपनी बेंगलुरु के तकनीकी केंद्र में अपना सबसे बड़ा डिजाइन केंद्र बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में शुक्रवार से शुरू हुए वार्षिक सेमीकंडक्टर सम्मेलन में एएमडी के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मार्क पेपरमास्टर ने यह घोषणा की।

रतन टाटा को उद्योग रत्न अवार्ड महाराष्ट्र सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा को पहला 'उद्योग रत्न' अवार्ड देने का फैसला किया है। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की।

सामंत ने गुरुवार को राज्य विधान परिषद में बताया कि युवा उद्यमी, महिला उद्यमी और मराठी उद्यमी के लिए भी अवार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की तरह, जो विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाता है, राज्य सरकार ने रतन टाटा को उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और उद्योग मंत्री की एक समिति ने बैठक की थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

डीजीसीए ने इंडिगो पर लगाया तीस लाख का जुर्माना

दस्तावेजों को लेकर दिए ये निर्देश

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। विमानन नियामक डीजीसीए ने किफायती विमानन सेवाएं प्रदान करने वाली घरेलू कंपनी इंडिगो एयरलाइंस पर 30 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। इसकी जानकारी खुद डीजीसीए ने शुक्रवार को दी।

डीजीसीए ने दिए बदलावों के निर्देश

विमानन नियामक ने इंडिगो के ऊपर जुर्माना लगाने के अलावा कागजातों को लेकर कुछ जरूरी निर्देश भी दिए गए हैं। कंपनी को कहा गया है कि वे डीजीसीए की जरूरतों और ओईएम के दिशानिर्देशों के अनुरूप अपने दस्तावेजों व प्रक्रियाओं में बदलाव करे।

नियामक ने दिया था कारण बताओ नोटिस

नियामक ने बताया कि उसने विमानन कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी की थी। कंपनी को तय समय में नोटिस पर अपना जवाब देने को कहा गया था। कंपनी से मिले जवाब को विभिन्न स्तरों पर रीव्यू करने के बाद उसे संतोषजनक नहीं पाया गया। उसके बाद डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइंस पर जुर्माना लगाने का फैसला लिया।

इंडिगो के साथ हुई ये घटनाएं बनीं वजह

दरअसल पिछले कुछ महीनों के दौरान इंडिगो के विमानों को कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का सामना करना पड़ा है। इस साल के शुरुआती 6 महीने में ही इंडिगो के ए321 विमानों के साथ टेल स्ट्राइक की 4 घटनाएं हो गईं। डीजीसीए ने उक्त घटनाओं के बाद इंडिगो की स्पेशल ऑडिट की। नियामक ने कंपनी के डॉक्यूमेंटेशन, परिचालन की प्रक्रियाओं, प्रशिक्षण, इंजीनियरिंग और फ्लाइट डेटा मॉनिटरिंग की समीक्षा की।

डीजीसीए को मिली थी कई खामियां

डीजीसीए ने स्पेशल ऑडिट के दौरान कई कमियां पाई। डीजीसीए ने कहा कि परिचालन व प्रशिक्षण की प्रक्रियाओं के साथ ही इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं में भी खामियां पाई गई थी। तमाम खामियां मिलने के बाद ही डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइंस को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, कंपनी जिसका संतोषजनक उत्तर देने में असफल रही थी। अब अंततः कंपनी को जुर्माने का सामना करना पड़ा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-57
सूर्य अस्त- 18-47
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 13 -95 तक उपरान्त द्वादशी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष, शनिवार 29July
नक्षत्र - ज्येष्ठा - 23-34 तक उपरान्त मूल
योग - ब्रह्म - 09 - 33 - तक उप ऐन्द्र
करण- विष्टि - 13 -05 - तक उप- बव
विशेष:- पुरुषोत्तमा एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार -भद्रा-13-06 तक

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-09 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	वृष--	00-53 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-55 बजे
बुध-	सिंह	में	कर्क...	04-06 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-19 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-25 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	11-30 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-40 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-54 बजे
			मकर..	18-01 बजे
			कुंभ...	19-51 बजे
			मीन ..	21-29 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:09 से 10:46 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:57 - 07:32	अशुभ	लाभ.	18:47 - 20:13	शुभ
शुभ.	07:32 - 09:09	शुभ	उत्पात	20:13 - 21:36	अशुभ
रोग	09:09 - 10:46	अशुभ	शुभ.	21:36 - 22:59	शुभ
उत्पात	10:46 - 12:23	अशुभ	अमृत	22:59 - 00:23	शुभ
चंचल	12:23 - 13:59	शुभ	चंचल	00:23 - 01:46	शुभ
लाभ	13:59 - 15:36	शुभ	रोग	01:46 - 03:09	अशुभ
अमृत	15:36 - 17:13	शुभ	काल	03:09 - 04:33	अशुभ
काल	17:13 - 18:47	अशुभ	लाभ	04:33 - 05:57	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ,अपने ऊपर थोडा सा नियंत्रण रखें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको अपने खर्चो का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ईडी संजय मिश्रा की कहानी, जिसके लिए सुप्रीम कोर्ट में अड़ गई सरकार

लखनऊ यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में एम .एससी किया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। केंद्र सरकार की सिफारिशों के बाद आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने ईडी संजय मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की अनुमति दे दी है। हालांकि जस्टिस बीआर गवई, विक्रम नाथ और संजय करोल की पीठ ने कुछ सख्त कमेंट भी किए। मसलन

'जनहित में हम मिश्रा को कुछ समय के लिए डायरेक्टर के रूप में बने रहने की अनुमति दे रहे हैं। 15-16 सितंबर की मध्यरात्रि को मिश्रा ईडी के डायरेक्टर नहीं रहेंगे और भविष्य में किसी भी परिस्थिति में उनके विस्तार के लिए कोई और आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।'

'क्या हम यह छवि पेश नहीं कर रहे हैं कि और कोई नहीं है और पूरा विभाग अयोग्य लोगों से भरा पड़ा है। इससे ऐसा संदेश जाता है कि ईडी के बाकी अफसर नाकारा हैं। इससे बाकी अफसर हताश भी हो सकते हैं।'

'मान लीजिए कि मैं सीजेआई हूं और मेरे साथ कुछ अनहोनी हो जाए। क्या मेरी गैरमौजूदगी में सुप्रीम कोर्ट या देश की न्यायिक व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी?'

इससे पहले 11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने का केंद्र का फैसला गैर-कानूनी है। इसके बावजूद सरकार ने देशहित का हवाला देकर 15 अक्टूबर तक कार्यकाल बढ़ाने जाने की मांग की थी।

आज जानेंगे कौन हैं संजय मिश्रा, जिन्हें ईडी डायरेक्टर बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अड़ गई सरकार?

एफएटीएफ क्या है, जिसको वजह बनाकर सरकार ने संजय मिश्रा का एक्सटेंशन मांगा। केंद्र सरकार 26 जुलाई को ईडी के डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की मांग लेकर फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंची। केंद्र ने अपनी अर्जी में कहा कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की समीक्षा को देखते हुए संजय को 15 अक्टूबर तक पद पर रहने दिया जाए।

जस्टिस गवई ने वजह पूछी तो सॉलीसिटर जनरल ने कहा- ईडी द्वारा अपने निर्देशों व सुझावों की पालना की एफएटीएफ समीक्षा कर रही है। मिश्रा 2020 से इस प्रक्रिया में शामिल हैं। जांच प्रणाली की समीक्षा 5 राउंड में होती है। भारत 4 राउंड पूरे कर चुका है। 5वें राउंड में एफएटीएफ का प्रतिनिधिमंडल 3 हफ्ते के लिए भारत आने वाला है। मिश्रा के समय भारत ने सभी राउंड क्लियर किए हैं। नए अधिकारी के लिए यह प्रक्रिया और जानकारी समझ पाना आसान नहीं होगा। इसलिए उनका पद पर बने रहना जरूरी है। बता दें कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स, यानी एफएटीएफ एक इंटरगवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन है। इसे G7 देशों की पहल पर 1989 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बनाया गया था। 2006 में भारत आब्जर्वर के रूप में एफएटीएफ में शामिल हुआ। इसके बाद से यह पूर्ण सदस्यता की दिशा में काम कर रहा था। 25 जून 2010 को भारत को एफएटीएफ के 34वें सदस्य देश के रूप में शामिल किया गया। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाए रखना इस एजेंसी का मकसद है। यह अपने सदस्य देशों को टेरर फंडिंग और मनी लॉड्रिंग जैसी गतिविधियों में शामिल होने से रोकता है। एफएटीएफ में टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दो तरह की कार्रवाई करता है। पहले के तहत वह देशों को ग्रे लिस्ट में डालता है। साथ ही कोई कार्रवाई नहीं कर पाने पर उस देश को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाता है।

ग्रे लिस्ट वाले देशों को किसी भी इंटरनेशनल मॉनेटरी बॉडी यानी आईएमएफ, एडीबी, वर्ल्ड बैंक से कर्ज लेने के पहले बेहद सख्त शर्तों को पूरा करना पड़ता है। ज्यादातर संस्थाएं कर्ज देने में आनाकानी करती हैं। ट्रेड में भी दिक्कत होती है।

ब्लैक लिस्ट वाले देशों को आईएमएफ, एडीबी, वर्ल्ड बैंक या कोई भी फाइनेंशियल बॉडी आर्थिक मदद नहीं देती। मल्टी नेशनल कंपनियां कारोबार समेट लेती हैं। रेटिंग एजेंसीज निगेटिव लिस्ट में डाल देती हैं।

संजय कुमार मिश्रा का जन्म लखनऊ के मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ। लखनऊ यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में एम.एससी किया। इसके बाद वह एक सीनियर रिसर्च फेलो के रूप में सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी सीडीआरआई में शामिल हो गए। उन्होंने इम्यूनोलॉजी पर कई पेपर लिखे हैं। साइंस बैकग्राउंड से होने के बावजूद परिवार के कहने पर मिश्रा सिविल सेवा परीक्षा में शामिल हुए। पहले ही प्रयास में सफलता भी मिल गई। साल 1984 में आईआरएस जॉइन किया। पहली पोस्टिंग गोरखपुर में आयकर विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में हुई। सिर्फ 4 साल के अंदर ईडी पहुंच गए। पहली नियुक्ति असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर हुई और चार्ज आगरा और जयपुर का मिला। उन दिनों ईडी अब निरस्त हो चुके विदेश मुद्रा विनियमन अधिनियम यानी फेरा के तहत सिर्फ विदेशी मुद्रा उल्लंघन के मामलों की जांच करती थी। जानकार बताते हैं कि इसी कार्यकाल के दौरान मिश्रा को एजेंसी के तौर-तरीके सीखने में मदद मिली। मिश्रा के शुरुआती सालों के सहकर्मियों में से एक बताते हैं कि वह

सूक्ष्मदर्शी थे और डिटेलिंग पर ध्यान देते थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनमें सीखने की ललक बहुत ज्यादा थी। उनमें नियमों की अवहेलना किए बिना सहानुभूति रखने की क्षमता भी थी। इसी दौरान मिश्रा ने 20 लाख रुपए के हवाला लेनदेन की जानकारी मिलने पर जयपुर में छापेमारी की। हालांकि, छापेमारी के दौरान यह पता चला कि संदिग्ध पाकिस्तान के सिंध प्रांत का एक व्यापारी था और उसे धार्मिक उत्पीड़न के कारण देश छोड़ना पड़ा था। हवाला लेन-देन का पैसा ही उसकी सारी संपत्ति थी। सहकर्मी ने बताया कि मिश्रा को व्यापारी पर बहुत दया आई। चूंकि छापा मारा गया था, इसलिए उन्होंने मामला दर्ज किया, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ समायोजन किए गए कि संदिग्ध के साथ बहुत कठोर न्याय न किया जाए। 1994 में संजय मिश्रा वापस अपने कैडर आयकर विभाग में आ गए और नौ साल के कार्यकाल के लिए अहमदाबाद में तैनात हुए। इसके बाद वह महाराष्ट्र के कोल्हापुर चले गए और 2006 में दिल्ली वापस आ गए, जहां उन्होंने इंटरनेशनल टैक्सेशन और ट्रांसफर प्राइसिंग का काम संभाला।

पॉलिसी मेकिंग में उनकी एंट्री तब हुई जब उन्हें वित्त मंत्रालय में प्रणब मुखर्जी और बाद में पी चिदंबरम के अधीन संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। उनके कुछ सहयोगी उन्हें फ्रांस से लाए गए एसएसबीसी दस्तावेजों से खुफिया जानकारी जुटाने का श्रेय देते हैं। इन्ही दस्तावेजों से भारत के बिजनेस घरानों के विदेशों में अकाउंट का खुलासा हुआ। जब 2014 में बीजेपी सरकार आई तो गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के एक साल बाद संजय मिश्रा उन 50 वरिष्ठ नौकरशाहों में से थे, जिन्हें मोदी सरकार के शुरुआती महीनों में प्रमुख मंत्रालयों से ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके बाद संजय मिश्रा आयकर विभाग में फिर से वापस आ गए। इस दौरान उन्होंने दो ऐसे मामले उठाए जिन्होंने सरकार का ध्यान खींचा। पहल मामला मीडिया हाउस एनडीटीवी के खिलाफ था और दूसरा यंग इंडिया के खिलाफ। यंग इंडिया गांधी परिवार द्वारा संचालित संगठन है जो नेशनल हेराल्ड अखबार का मालिक है। तब दोनों मामले टैक्स असेसमेंट यानी कर निर्धारण के थे, लेकिन संजय मिश्रा ने उन्हें मुकदमा चलाने योग्य अपराध में बदल दिया। इसके बाद बीजेपी सरकार ने नवंबर 2018 में संजय मिश्रा को ईडी का प्रमुख बना दिया।

संजय मिश्रा विपक्ष के नेताओं के गले की फांस बने

ईडी प्रमुख बनते ही मिश्रा लगातार कार्रवाई को अंजाम देने लगे। एजेंसी की कार्रवाइयों ने सरकार के लिए समर्थन बढ़ाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' के वादे को पूरा किया, लेकिन केंद्र पर एजेंसी के जरिए शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगा। मिश्रा की देखरेख में ईडी ने एक्सपर्ट्स, ट्रेंड प्रोफेशनल्स को शामिल किया और यहां तक कि कई हाई-प्रोफाइल मामलों को भी संभाला। यानी पहले जो हाई प्रोफाइल मामले सिर्फ सीबीआई संभालती थी, अब उसकी जगह ईडी ने ले ली। इसी वजह से कहा जाने लगा कि ईडी में संजय मिश्रा के आने के बाद यह सीबीआई से भी ज्यादा ताकतवर हो गई। मिश्रा ने अपने अब तक के पांच साल के कार्यकाल के दौरान कई पूर्व मंत्रियों और शक्तिशाली नेताओं पर शिकंजा कसा है। इस दौरान ईडी ने 4000 मामले दर्ज किए और 3000 जगहों पर सर्च की है। संजय कुमार मिश्रा के डायरेक्टर बनने के बाद से इन बड़े नेताओं पर ईडी ने कार्रवाई की।

विपक्षी दल कार्यकाल बढ़ाने के खिलाफ क्यों हैं

सीबीआई-ईडी के निदेशकों के लिए 2 साल के अनिवार्य कार्यकाल की व्यवस्था इस वजह से की गई थी ताकि इस पद पर अधिकारी स्वतंत्र, निष्पक्ष और बिना डरे अपना कानूनी कर्तव्य निभा पाएं। वहीं सीबीआई के निदेशक के दो साल के फिक्स्ड यानी अनिवार्य कार्यकाल की व्यवस्था विनीत नारायण बनाम भारत सरकार के फैसले के बाद की गई थी, जिसे जैन हवाला केस नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे एक मंशा ये भी थी कि दो साल के कार्यकाल में इस पद पर अधिकारी को निरंतरता मिलेगी और सरकारें अपनी सुविधानुसार उन्हें पद से हटा नहीं पाएंगी। सत्तारूढ़ दल के आलोचकों का आरोप है कि 2014 में जब से मोदी सरकार पहली बार सत्ता में आई, ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और असहमति की आवाजों को दबाने के लिए किया गया है।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला कहते हैं कि मोदी सरकार सत्ता हथियाने और चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए ईडी - सीबीआई को गुर्गे के रूप में इस्तेमाल करती है। विपक्षी नेताओं पर ईडी -सीबीआई की छापेमारी आम बात हो गई है। अब इन्हें 5 साल के कार्यकाल के साथ सशक्त और पुरस्कृत किया जा रहा है, ताकि दुर्भावनापूर्ण अभियोजन का इस्तेमाल असहमति की आवाज को दबाने के लिए किया जा सके। सुरजेवाला के अलावा वकील मनोहर लाल शर्मा, कांग्रेस नेता जया ठाकुर, तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा और साकेत गोखले ने अलग-अलग याचिकाओं में मिश्रा को सेवा विस्तार देने के केंद्र के फैसले को चुनौती दी थी।

कांग्रेस ने बीजेपी नेताओं को भेजी 34 वादों की लिस्ट

पूर्व सीएम रमन, अरुण साव, नारायण चंदेल को सूची भेजकर वादे पूरे करने का दावा

रायपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ बीजेपी के नेताओं को 34 वादे पूरे किए जाने की लिस्ट भेजी है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल को बंद लिफाफे में ये लिस्ट भेजी गई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बीजेपी के नेता कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर गुमराह कर रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, वादाखलाफी का मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं, इसलिए कांग्रेस ने पूरे किए गए वादों की लिस्ट भेजने का फैसला लिया। धनंजय ठाकुर ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के निवास के पते पर कांग्रेस सरकार में 34 वादों के पूरा होने की सूची के साथ में बीजेपी के 2003, 2008, 2013 के झूठ का पुलिंदा को लिफाफा में बंद करके भेज रहे है। ताकि भाजपा के नेता कांग्रेस के घोषणा पत्र और अपने घोषणा पत्र को ईमानदारी से पढ़ें और आत्म अवलोकन करें किस प्रकार जनता से किए वादे को पूरा किया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार जो कहती है उसको पूरा करती है, कांग्रेस ने 2018 के घोषणा पत्र में 36 बिंदुओं को समाहित किया था। सरकार बनने के बाद अब तक घोषणा पत्र के 34 वादों पर कांग्रेस की सरकार पूर्णता काम की है जिससे प्रदेश की जनता खुशहाल हुई है और बचे दो बिंदुओं को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। कांग्रेस सरकार में चलाए जा रहे योजना के लाभार्थी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, अरुण साव समेत बीजेपी के सभी नेता और कार्यकर्ता है लेकिन दलीय प्रतिबद्धता के चलते बड़े नेता जनता के बीच झूठ बोल रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

12 जिलों के लिए यलो अलर्ट

रायपुर में देर रात बारिश से कई इलाके जलमग्न, भाठागांव से काठाडीह रोड पर भरा पानी

रायपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रायपुर बिलासपुर समेत 12 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। रायपुर में देर रात हुई बारिश के बाद कई इलाके जलमग्न हो गया है। भाठागांव से काठाडीह रोड में पानी भर गया है। सड़क से गुजरने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मध्य छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश का अलर्ट है जबकि उत्तर छत्तीसगढ़ यानी सरगुजा संभाग में राहत वाली बारिश की उम्मीद जताई गई है। अब तक सरगुजा में कम वर्षा की वजह से सूखे जैसी स्थिति बनी हुई थी लेकिन आज से मौसम विभाग ने हल्की से मध्यम बारिश होने के संकेत दिए हैं। दक्षिण छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश हो रही है, जिससे पुल-पुलिया और नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक प्रदेश के कई जिलों में आज हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना है। इस सीजन में सबसे ज्यादा बीजापुर में 1002.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। बालोद में 634.6 मिमी, धमतरी में 532.2 मिमी, राजनांदगांव में 568.3 मिमी और सुकमा में 797.6 मिमी बारिश 1 जुलाई से 27 जुलाई तक रिकॉर्ड की गई है, जो सामान्य से ज्यादा है। सरगुजा में केवल 172.5 मिमी ही बारिश हुई है, जो यहां सूखे जैसी स्थिति को बताता है। इसके अलावा रायपुर में 520 मिमी औसत बारिश हुई है, जो सामान्य है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक एक निम्न दाब का क्षेत्र दक्षिण ओडिशा और उससे लगे उत्तर आंध्र प्रदेश के ऊपर स्थित है और इसके साथ ऊपरी हवा का एक चक्रवात 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक फैला हुआ है।

6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के विरोध में महिला मोर्चा का प्रदर्शन

सीएम का मांगा इस्तीफा

बालोद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बालोद जिले के जय स्तंभ चौक पर सुकमा में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के विरोध महिला मोर्चा ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और आबकारी मंत्री का पुतला जलाया। महिला मोर्चा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस्तीफा मांगा है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ झड़प भी हुई।

सुपरवाइजर भर्ती में शामिल हो सकेंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

45 से ज्यादा उम्र वाले उम्मीदवार कर सकेंगे आवेदन, फिर से खुलेगा पोर्टल

बिलासपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश की उम्रदराज हो चुकीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ी राहत देते हुए सुपरवाइजर भर्ती में आयु सीमा की बाध्यता को खत्म कर दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयु सीमा 45 साल तय किया था, जिसे चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला आया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 26 जून 2023 को सुपरवाइजर के 440 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसमें से 220 पदों को सीधी भर्ती और 228 पदों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आरक्षित किया गया। हालांकि, इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा।

तीन कांग्रेस विधायकों का निलंबन वापस

पार्टी आलाकमान का जताया आभार, बोले- कुछ गलतफहमियां थीं

रांची, 28 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड कांग्रेस के प्रमुख राजेश ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपने तीन विधायकों डॉ. इरफान अंसारी, नमन बिक्सल कोंगारी और राजेश कच्छप को निलंबन मुक्त करने के मामले की अनुशंसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से की थी।

उन्होंने उनके निलंबन को रद्द करने के लिए अपनी सहमति दी। पार्टी के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे का निर्देश निलंबन रद्द करने के लिए आया है और आज इसे लागू किया गया है।

राजेश ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि तीनों विधायकों को निलंबन मुक्त करने की अनुशंसा की गई थी जिस पर आज पार्टी आलाकमान ने तीनों को निलंबन मुक्त

ककरने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि जिस समय तीनों विधायकों को निलंबित किया गया था वह उस समय की बात थी। आज जब तीनों को निलंबन मुक्त किया गया है वह आज की बात है।

वहीं, पार्टी आलाकमान द्वारा निलंबन मुक्त किए जाने के बाद तीनों विधायकों ने धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सब निर्दोष थे, अदालत ने भी हमें निर्दोष करार दिया है। इन विधायकों ने कहा कि कुछ भ्रम और गलतफहमियां थीं जो समाप्त हो गई है। तीनों विधायकों ने कहा कि आलाकमान के फैससे से राज्य में कांग्रेस और मजबूत होगी।

घर के अंदर पेट्रोल से कचड़ा जला रही थी महिला, आग में जली

जगदलपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जगदलपुर जिले के शांतिनगर मोहल्ले में रहने वाली महिला आग की चपेट में आकर झुलस गई। इस दौरान उसे बचाने आई मां भी घायल हो गई। पड़ोसियों ने दोनों को इलाज के मेकाज में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि महिला पेट्रोल से घर में एकत्र कचड़े को जला रही थी और इस दौरान आग लग गई। शांतिनगर में रहने वाली घायल महिला अनिता (28) के परिजनों ने बताया कि वह अपने दोनों बच्चों को स्कूल भेजने के बाद घर में रखे कचरे को जलाने का काफी देर प्रयास कर रही थी। आग नहीं जलने के कारण उसने घर में रखे पेट्रोल को कचरे के ढेर में डाल दिया। महिला ने जैसे ही माचिस जलाई, तभी आग ने महिला को कपड़ों को पकड़ लिया।

अब तक आई फ्ल्यू के 20 हजार से ज्यादा मरीज

सीएम भूपेश ने ली इमरजेंसी बैठक, रोकथाम के लिए दिए निर्देश

रायपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब तक आई फ्ल्यू के 20 हजार से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। इसे लेकर प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय में एक उच्चस्तरीय इमरजेंसी बैठक बुलाई। इसमें कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों की गहन समीक्षा की गई। सीएम ने इसे बचाव के लिए कर्मचारियों- अधिकारियों को अहम निर्देश जारी किए हैं।

सीएम ने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस से बचने के उपायों और सावधानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने विशेषज्ञों की सलाह का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को यह बताया जाए हाथों को बिना साफ किए हाथ आंखों में ना लगाएं, जिससे संक्रमण ना हो। मुख्यमंत्री ने कहा

कि अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों का प्राथमिकता के साथ इलाज किया जाए। ताकि उन्हें अस्पतालों में ज्यादा समय न रुकना पड़े। स्कूलों में भी यदि किसी बच्चे को कंजेक्टिवाइटिस होता है तो संक्रमण से बचने के लिए उन्हें घर भेज जाए। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों की जांच और इलाज तथा दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों का सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। पर्याप्त मात्रा में दवाइयां उपलब्ध हैं। मरीजों को फ्री दवाइयां दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बैठक में कहा कि पिछले सप्ताह कंजेक्टिवाइटिस के जो मरीज मिले थे, उनमें से अधिकांश स्वस्थ हो गये हैं। दुर्ग, रायपुर में ज्यादा मरीज मिले थे। उन्होंने कहा कि लोग मेडिकल स्टोर से स्वयं स्टेराइड दवाइयां लेकर आंखों में डाल रहे है, ऐसा करना नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

कंजेक्टिवाइटिस बिना डरे सावधानी बरतें

बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि कंजेक्टिवाइटिस से डरने की जरूरत नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की व्यवस्था है। लोगों को निःशुल्क दवाइयां दी जा रही हैं।

सावधानी और बचाव के उपाय

अस्पतालों में यह ध्यान रखा जाए कि यदि संक्रमण है तो आपरेशन नहीं किया जाए।

मोदी-जिनपिंग ने बेहतर द्विपक्षीय रिश्तों पर की थी चर्चा

पिछले साल बाली में मिले थे, विदेश मंत्रालय बोला-हमारा फोकस एलएसी विवाद सुलझाना

विदेश डेस्क, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले साल बाली में जी20 समिट के दौरान पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए थे। इस मुलाकात में दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी इसकी जानकारी अब विदेश मंत्रालय ने दी है।

मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि डिनर के दौरान मोदी और जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर चर्चा की थी। बागची ने कहा- भारत का फोकस हमेशा एलएसी पर चीन के साथ विवाद सुलझाने में रहा है। हम बॉर्डर पर तनाव खत्म करके आसपास के क्षेत्रों में शांति स्थापित करना चाहते हैं। यही इस मसले का समाधान हो सकता है।

8 महीने बाद विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की

जी20 समिट के 8 महीने बाद विदेश मंत्रालय ने ये घोषणा तब की जब 2 दिन पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने दावा किया था कि दोनों देशों के नेताओं के बीच नवंबर 2022 में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई थी। बागची ने आगे कहा- जी20 मीटिंग के बाद विदेश सचिव ने ब्रीफिंग दी थी। शायद उन्होंने इसका दूसरा भाग नहीं बताया होगा।

डिनर के वक्त दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया था और इसी दौरान उनके बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सामान्य चर्चा हुई थी। बागची से ये भी पूछा गया कि क्या चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग दिल्ली में होने वाली जी-20 समिट में शामिल होंगे। इस पर उन्होंने कहा- भारत सभी आमंत्रित नेताओं की भागीदारी और समिट कीकी सफलता के लिए पूरी कोशिश कर रहा है।

चीन ने मोदी-जिनपिंग के बीच बातचीत का दावा किया था

दरअसल, जोहान्सबर्ग में दो दिन पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी राजनयिक वांग यी की मुलाकात हुई थी। इस दौरान डोभाल ने कहा था कि साल 2020 से एलएसी के हालातों ने भारत-चीन के बीच रणनीतिक

विश्वास को खत्म कर दिया है।

वहीं, वांग यी ने दावा किया था कि पिछले साल बाली में हुई बैठक के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू करने को लेकर सहमति बनी थी। जोहान्सबर्ग में फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स मीटिंग के दौरान चीन की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी बीवाईडी मोटर्स का भारत में प्लांट लगाने का प्रस्ताव खारिज होने के बाद वांग यी ने इस पर दोबारा विचार करने की अपील की थी।

वांग यी ने कहा था- भारत और चीन एक दूसरे के दुश्मन नहीं है और नई दिल्ली को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए। दोनों देश चाहे एक-दूसरे का समर्थन करें या विरोध, इसका सीधा असर भारत-चीन के विकास और वैश्विक परिदृश्य पर पड़ेगा।

जयशंकर ने कहा था- भारत-चीन बॉर्डर विवाद सबसे कठिन चैलेंज

कुछ दिन पहले ही विदेश मंत्री एस जयशंकर भी ब्रिक्स की एक मीटिंग में शामिल हुए थे। इस दौरान भी उनकी वांग यी के साथ बॉर्डर विवाद और शांति प्रयासों को लेकर चर्चा हुई थी। तब जयशंकर ने भारत-चीन बॉर्डर पर पिछले 3 सालों से जारी तनाव को अपने करियर का सबसे कठिन डिप्लोमैटिक चैलेंज बताया था।

गलवान झड़प के बाद बढ़ा तनाव

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब 3 साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा। गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था। साथ ही, इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा था।

अमेरिका में जल्द हो सकती है दीपावली की छुट्टी

ग्रेस मेंग ने किया दिवाली दिवस बिल पेश

वाशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिवाली एक ऐसा त्योहार है, जिसे देश ही नहीं दुनियाभर में धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसे में, अमेरिका की सांसद ग्रेस मेंग ने दिवाली वाले दिन संघीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन सहित विभिन्न धर्मों के लाखों अमेरिकी दिवाली मनाते हैं। इसलिए इस दिन अवकाश घोषित किया जाना चाहिए।

यह बिल किया पेश

वकील से नेता बनी मेंग ने देश में दिवाली वाले दिन संघीय अवकाश घोषित किए जाने के लिए एक बार फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में दिवाली दिवस बिल पेश किया है। उन्होंने कहा कि मई में पेश किए गए विधेयक को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। कुछ भी नकारात्मक नहीं सुना है। हमारे पास हर हफ्ते हस्ताक्षर करने वाले सदस्य होते हैं और इसलिए हम इसके बारे में बात करते रहने के लिए उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम इसे पारित करने

में सक्षम होंगे। मेंग ने गुरुवार को कहा कि यह सिर्फ एक दिन की छुट्टी के बारे में नहीं है। बल्कि जो लोग दिवाली मनाते हैं, उनके साथ अन्य लोग भी शामिल होकर इस त्योहार की अहमियत समझ सकेंगे। न्यूयॉर्क शहर के क्वींस में पली-बढ़ी मेंग ने कहा कि वह हमेशा यह सुनिश्चित करना चाहती थीं कि सभी समुदायों के त्योहार पर सरकारी छुट्टियां हों। उन्होंने कहा कि आशा है कि दिवाली दिवस बिल जल्द पास हो जाए। 47 वर्षीय सांसद ने कहा कि एक एशियाई अमेरिकी के रूप में मेरे लिए दिवाली का त्योहार महत्वपूर्ण है। हजारों न्यूयॉर्क वासियों और दुनिया भर के अरबों लोगों द्वारा दिवाली मनाई जाती है। इस दिन यह सुनिश्चित हो कि हमें अवकाश मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि दिवाली वाले दिन स्कूल की छुट्टी हो, इसके लिए हम करीब 10 वर्षों से अधिक समय से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, भारतीय अमेरिकियों ने अमेरिका में बहुत योगदान दिया है। भारतीय अमेरिकी इस देश में सबसे बड़ी एशियाई अमेरिकी आबादी में से एक हैं। सांसद ने कहा कि उन्होंने हमारी संस्कृति से लेकर शिक्षा जगत और हमारी अर्थव्यवस्था तक में बहुत योगदान दिया है।

शिया मस्जिद के पास बम विस्फोट

6 की मौत, 23 घायल

पास खड़ी टैक्सी के परखच्चे उड़े, दुकानों के शीशे टूटे

दमिश्क, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सीरिया में गुरुवार रात हुए एक विस्फोट में कम से कम छह लोग मारे गए और 23 अन्य घायल हो गए। बम एक मोटर साइकिल में रखा गया था। सीरियाई अरब न्यूज एजेंसी के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि पास खड़ी टैक्सी के परखच्चे उड़ गए। पास में दुकानों के शीशे टूट गए।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, विस्फोट दमिश्क के ग्रामीण इलाके में असायदा जैनब शहर को निशाना बनाकर किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही संबंधित पुलिस और अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं।

39 साल के एक प्रत्यक्षदर्शी इब्राहिम ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया, हमने एक बड़ा विस्फोट सुना और लोग भागने लगे। फिर एंबुलेंस आ गईं और सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया।

उन्होंने कहा कि विस्फोट पैगंबर मोहम्मद की पोती और शिया इस्लाम के संस्थापक नेता इमाम अली की बेटी सईदा जैनब के मकबरे से लगभग 600 मीटर (गज) की दूरी पर एक सुरक्षा भवन के पास हुआ।

इस्लामिक स्टेट शिया धर्मस्थलों को बनाता है निशाना

आधिकारिक मीडिया ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि मंगलवार को उसी इलाके में एक कार में हुए विस्फोट में दो नागरिक घायल हो गए। न केवल सीरिया में बल्कि पड़ोसी इराक में भी इस्लामिक स्टेट समूह (आईएस) के सुन्नी मुस्लिम चरमपंथियों द्वारा शिया धर्मस्थलों को लगातार हमलों का निशाना बनाया जाता है।

2011 में भड़के देश के गृह युद्ध के दौरान सईदा जैनब मकबरे पर कई घातक बम विस्फोट हुए थे। तब से, फिरोजा चीनी मिट्टी और ईरानी शैली में सोने के गुंबद के साथ मस्जिद परिसर का बचाव शिया लड़ाकों, ज्यादातर लेबनानी और इराकी द्वारा किया जाता है।

आईएस का कई घटनाओं में हाथ

आईएस ने कहा कि फरवरी 2016 में मकबरे से 400 मीटर की दूरी पर दोहरे आत्मघाती हमले के पीछे उसका हाथ था, जिसमें 134 लोग मारे गए थे। इस आतंकी संगठन ने कई सप्ताह पहले सैंक्चुरी के पास हुए एक ट्रिपल विस्फोट की भी जिम्मेदारी ली थी, जिसमें कम से कम 70 लोगों की जान चली गई थी।

एच-1बी वीजा आवेदकों के लिए खुशखबरी

वाशिंगटन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। एच-1बी वीजा के लिए आवेदन करने वालों के लिए खुशखबरी है। इस साल सरकार आवेदकों का चयन करने के लिए एक दूसरा राउंड रखने वाली है। इसमें लॉटरी के माध्यम से आवेदक को चुना जाएगा। अमेरिकी संघीय और आव्रजन सेवा ने गुरुवार को घोषणा की है कि एच-1बी वीजा के लिए पहले जमा किए गए इलेक्ट्रॉनिक आवेदनों में से लॉटरी के माध्यम से आवेदकों को चुना जाएगा। कहा जा रहा है कि इसका फायदा भारत के लोगों को सबसे ज्यादा होगा। बता दें, यूएससीआईएस ने वित्तीय वर्ष 2024 के एच-1बी वीजा के लिए एक कैंप चलाया था, जिसमें लोगों को इलेक्ट्रॉनिक आवेदन करने के लिए कहा था। मार्च में उन आवेदनों का चुनाव किया गया, जो सही तरीके से जमा कराए थे। केवल वित्तीय वर्ष 2024 के लिए चयनित पंजीकरण वाले ये याचिकाकर्ता एच-1बी कैप-विषय याचिका दायर करने के पात्र हैं। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाईं परमाणु मिसाइलें, ड्रोन्स

अमेरिका तक हमले में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल, विक्ट्री डे पर हुई मिलिट्री परेड

प्योंगयांग, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया में गुरुवार रात को विक्ट्री डे के मौके पर मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया। इस परेड में परमाणु क्षमता वाली मिसाइलों के साथ नए ड्रोन्स और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दिखाई गईं। इनमें अमेरिका तक वार करने में सक्षम ह्वासोंग-17 और 18 को भी शामिल किया गया। इन मिसाइल्स का हाल ही में सफल परीक्षण किया गया था।

नॉर्थ कोरिया के स्टेट मीडिया केसीएनए के मुताबिक, कोरियन वॉर के 70 साल पूरे होने के मौके पर ये परेड रखी गई थी। इसमें तानाशाह किम ने अपनी सेना के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। किम के साथ रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और चीनी डेलिगेशन भी नजर आया, जिन्हें बतौर मेहमान बुलाया गया था।

रूस बोला- कोरियन पैनिनसुला में तनाव के लिए अमेरिका जिम्मेदार

परेड में एक स्पीच के दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने क्षेत्र में तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। किम ने शोइगु के सम्मान में लंच का आयोजन किया। इस दौरान नॉर्थ कोरियाई

नेता ने रूसी लोगों और उसकी सेना के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने का प्रण लिया। इससे पहले गुरुवार सुबह को किम जोंग ने रूस और चीन के डेलिगेशन के लिए डिफेंस ऐग्जीबिशन रखी थी।

सोवियत संघ टूटने के बाद पहली बार नॉर्थ कोरिया पहुंचे रूसी रक्षा मंत्री

किम जोंग ने रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू से मुलाकात की थी और दोनों नेताओं के बीच सैन्य मसलों और सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद रक्षा मंत्री शोइगू ने भी स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि नॉर्थ कोरिया की आर्मी दुनिया की सबसे ताकतवर आर्मी बन गई है।

ये पहला मौका है, जब सोवियत यूनियन के टूटने के बाद कोई रूसी रक्षा मंत्री नॉर्थ कोरिया पहुंचा है। नॉर्थ कोरिया में कोरोना पाबंदियां हटने के बाद ये पहला मौका, जब कोई विदेशी डेलिगेशन प्योंगयांग पहुंचा।

अमेरिका बोला- नॉर्थ कोरिया से हथियार ले रहा रूस

रूसी डेलिगेशन की यात्रा को लेकर व्हाइट हाउस प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब रूस दूसरे देशों से हथियार खरीदने की कोशिश कर रहा है। इसमें अब कुछ सीक्रेट नहीं रहा है। पुतिन दूसरे देशों से जंग में मदद मांग रहे हैं और इसमें नॉर्थ कोरिया भी शामिल है।

तानाशाह ने हमेशा से जंग में रूस का पक्ष लिया है और अब वो हथियार और मिसाइल भी सप्लाई कर रहा है। हालांकि, रूस और उत्तर कोरिया, दोनों ने ही इन दावों को खारिज कर दिया।

3 साल तक चले कोरियन वॉर में मारे गए थे 30 लाख लोग

25 जून 1950 को उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच युद्ध शुद्ध हुआ। 38 पैरालेल लाइन के जरिए कोरिया को दो हिस्सों में बांटा गया था। उत्तर कोरिया को रूस समर्थन दे रहा था। इसके बाद 1951 में चीन भी उसके साथ आ गया। इस पर अमेरिका ने साउथ कोरिया के साथ आने का फैसला लिया। दोनों देशों के बीच तीन साल तक लड़ाई चली। इस दौरान करीब 30 लाख लोग मारे गए थे। इसे फॉरगॉटेन वार भी कहा जाता है। 3 साल बाद 27 जुलाई 1953 को नॉर्थ और साउथ के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद जंग रुक सकी थी। हालांकि, तब से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

बुजुर्गों को निशाना बनाता था भारतीय मूल का जालसाज

अदालत ने सुनाई आठ साल जेल की सजा

लंदन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लंदन की एक अदालत ने भारतीय मूल के जालसाज को धोखाधड़ी के नौ मामलों में दोषी पाए जाने के बाद आठ साल जेल की सजा सुनाई है। जांच में पाया गया कि 28 वर्षीय दोषी युवक कभी पुलिस अधिकारी या कभी बैंक अधिकारी बनकर बुजुर्ग नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करता था। दोषी युवक की पहचान किशन भट्ट के रूप में हुई है, जिसे स्नेर्सब्रुक कोर्ट ने सजा सुनाई है। किशन भट्ट को बीते साल नवंबर में दोषी ठहराया गया था। मेट्रोपोलिटन पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जांच के दौरान पाया कि किशन ने कुल नौ पीड़ितों के साथ 2,60,000 पाउंड

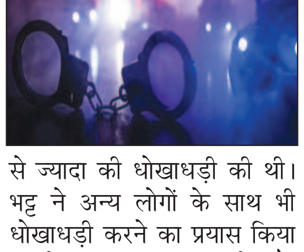

से ज्यादा की धोखाधड़ी की थी। भट्ट ने अन्य लोगों के साथ भी धोखाधड़ी करने का प्रयास किया था लेकिन आर्थिक संस्थानों और ज्वैलर्स की समझदारी से वह सफल नहीं हो सका था। दरअसल एक ज्वैलर ने पुलिस को सूचना दी थी कि एक बुजुर्ग महिला उसकी दुकान पर सोना खरीदने आई थी। संदिग्ध लगने पर उसने पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत मिलने के बाद मेट्रोपोलिटन पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और लंदन, नॉरफोक, पूर्वी इंग्लैंड में पीड़ितों की पहचान की। जांच में पता लगा कि भारतीय मूल का किशन भट्ट अपने साथी अर्तियोम किसेलियोव (35 वर्षीय) के साथ मिलकर बुजुर्गों को अपना निशाना बनाता था।

अर्तियोम पहले ही धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में साढ़े चार साल जेल की सजा काट रहा है। जांच में पता चला कि किशन भट्ट ने पुलिस अधिकारी बनकर एक 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला को फोन किया और कहा कि महिला को अपनी संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए सोने और ज्वैलरी में निवेश करना चाहिए ताकि धोखेबाज उसके पैसे ना चुरा सकें।

ब्रिटिश कालीन बंगलों का मामला

भारतीय मूल के मंत्रियों ने पीएम के भाई को दी मुकदमे की धमकी

सिंगापुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री ली शीन लूंग के भाई ली सीन यांग के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की धमकी दी है। दरअसल ली शीन यांग ने भारतीय मूल के मंत्रियों पर ब्रिटिश कालीन बंगलों को लेकर सिंगापुर के गृह मंत्री के षणमुगम और विदेश मामलों के मंत्री विवियन बालकृष्णन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। आरोपों को दोनों मंत्रियों ने खारिज कर दिया है और छवि बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री के भाई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की धमकी देते हुए माफी मांगने और हर्जाने की मांग की है।

गुरुवार को सिंगापुर के गृह मंत्री के षणमुगम ने फेसबुक पर

पोस्ट करते हुए लिखा कि 'ली यांग ने मुझ पर और डॉ. बालकृष्णन पर सिंगापुर लैंड अथॉरिटी से निजी फायदा लेने और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।' षणमुगम ने लिखा कि 'रिडआउट रोड पर बंगला नंबर 26 और 31 में सिंगापुर लैंड अथॉरिटी के बिना अनुमति के पेड़ काटने और बंगलों के पुनर्निर्माण के लिए सिंगापुर लैंड अथॉरिटी द्वारा भुगतान करने का आरोप लगाया गया है।' मंत्री ने आरोपों को खारिज करते हुए लिखा कि हमने यांग से माफी की मांग की है और आरोप वापस लेकर हर्जाना देने की मांग की है।

ब्रिटिशकालीन हैं बंगले

षणमुगम ने ये भी कहा कि 'हर्जाने के रूप में मिली राशि को वह सामाजिक कार्यों के लिए दान करेंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके खिलाफ मुकदमा करेंगे।'

बता दें कि रिडआउट रोड पर स्थित ये बंगले ब्रिटिश कालीन हैं और 100 साल से भी पुराने हैं। फिलहाल ये बंगले सिंगापुर सरकार की संपत्ति हैं। इन बंगलों को मामला पहली बार इस साल मई में उठा, जब विपक्षी नेता और रिफॉर्म पार्टी के मुखिया केनेथ जयरत्नम ने सवाल उठाया कि क्या मंत्रियों ने बंगलों की बाजार कीमत से कम किराए का भुगतान किया है।

जांच में मिल चुकी है क्लीन चिट

हालांकि सिंगापुर की भ्रष्टाचार निरोधी संस्था (सीपीआईबी) की जांच में मंत्रियों को क्लीन चिट मिल गई।

अब प्रधानमंत्री के भाई ली शीन यांग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर फिर से ब्रिटिश कालीन बंगलों में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। जिस पर मंत्रियों ने ली शीन यांग को चिट्ठी लिखकर माफी की मांग की है।

पाक यूनिवर्सिटी की छात्राओं के 5500 पोर्न क्लिप मिले

लाहौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर की इस्लामिया यूनिवर्सिटी के सिक्योरिटी ऑफिसर के मोबाइल से यहां की छात्राओं के पोर्न वीडियो क्लिप मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में इन वीडियो की संख्या करीब 5500 बताई गई है। आरोपी छात्राओं को अच्छे मार्क्स का लालच देकर न्यूड वीडियो बनवाता था। इस यूनिवर्सिटी के 113 स्टूडेंट ड्रग एडिक्ट भी मिले हैं। पुलिस को पता चला है कि यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर इन्हें ड्रग्स बेचता था। पुलिस ने यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉक्टर अबुजर, सिक्योरिटी ऑफिसर सैयद एजाज शाह और अल्ताफ नाम के एक शख्स को अरेस्ट किया है। पुलिस को एजाज के 2 फोन से ये पोर्न क्लिप मिली हैं। पुलिस ने 22 जुलाई को यूनिवर्सिटी में रेड की थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि यह संस्था और छात्रों के खिलाफ साजिश है। वहीं, पुलिस का कहना है कि यूनिवर्सिटी हमारा टारगेट नहीं है, हम ड्रग स्मगलर्स को पकड़ना चाहते हैं। न्यूड वीडियो मामले में सिक्योरिटी ऑफिसर के साथ यूनिवर्सिटी के अन्य प्रोफेसर और स्टाफ भी शामिल हैं, जो स्टूडेंट्स को ब्लैकमेल कर वीडियो एजाज को भेजने के लिए कहते थे।

पुलिस का कहना है कि स्टूडेंट्स और महिला कर्मचारियों को यूनिवर्सिटी में डांस और सेक्स पार्टी के लिए भी फोर्स किया जाता था। मामले की जांच साउथ पंजाब का एजुकेशन डिपार्टमेंट भी करेगा। इसकी जांच रिपोर्ट तीन दिन में सौंपी जाएगी। पुलिस ने बताया कि आरोपी एजाज आर्मी का रिटायर्ड ऑफिसर है। इसकी नियुक्ति यूनिवर्सिटी के पूर्व चांसलर ने की थी। पुलिस ने एक महिला सहित 2 ड्रग पैडलर को हिरासत में लिया है। आरोपियों से 1.5 किलोग्राम चरस, 20 ग्राम क्रिस्टल और 300 ग्राम चरस बरामद हुई है। ये आरोपी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में नशीले पदार्थ सप्लाई किया करते थे। पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' ने इस ड्रग्स रैकेट पर डिटेल्ड रिपोर्ट पब्लिश की है। पुलिस इस मामले की जांच जून से कर रही थी, हालांकि सबूत न मिलने की वजह से आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेना मुमकिन नहीं था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद 28 जून को यूनिवर्सिटी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर को गिरफ्तार किया गया।

अवसाद और भुखमरी की हालत में दिखी छात्रा

मां ने भारत वापस लाने के लिए लगाई मदद की गुहार

न्यूयॉर्क, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद की एक छात्रा हाल ही में शिकागो की सड़क पर अवसाद और भुखमरी की हालत में देखी गई। बेटी की यह हालत देखकर मां ने सरकार से उसे भारत वापस लाने के लिए मदद की गुहार लगाई है। वहीं, शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने आश्वासन दिया है कि हर संभव मदद की जाएगी।

मां ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर बेटी को घर वापस लाने के लिए मदद मांगी है। यह पत्र भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता खलीकुर

रहमान के ट्विटर पेज पर पोस्ट किया गया है। तेलंगाना के हैदराबाद में रहने वाली महिला ने बताया कि उनकी बेटी सैयदा लुलु मिन्हाज जैदी साल 2021 में डेट्राइट के ट्रैन विश्वविद्यालय से एमएस करने के लिए अमेरिका गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों से वह बेटी के संपर्क में नहीं थीं। हाल ही में दो हैदराबाद के युवकों, जो शिकागो में रहते हैं, उनसे पता चला कि जैदी अवसाद से गुजर रही है। उसका सारा सामान चोरी हो गया है, जिसके कारण वह भुखमरी की कगार पर है। मां ने अपने पत्र में कहा कि अमेरिका के शिकागो की सड़कों पर देखा गया। जब छात्रा के बारे में जानकारी सामने आई तो शिकागो में भारत का वाणिज्य दूतावास उसका पता लगाने में जुट गया। दूतावास ने बताया कि स्थानीय पुलिस और गैर सरकारी संगठनों की मदद से वाणिज्य दूतावास उसका पता लगाने की कोशिश कर रहा है। वाणिज्य दूतावास छात्रा की हर संभव मदद करेगा। चाहे वह कांउसलिंग, चिकित्सा या अन्य कोई सहायता हो। भारत राष्ट्र समिति नेता खलीकुर रहमान ने एक और ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने बताया कि शिकागो में एक सामाजिक कार्यकर्ता मुकर्रम से उनका संपर्क हुआ है।

लाल डायरी पर पायलट बोले

बीजेपी के पास मुद्दा नहीं

चुनाव से पहले इस तरह की बातें फैलाना बीजेपी की पुरानी आदत

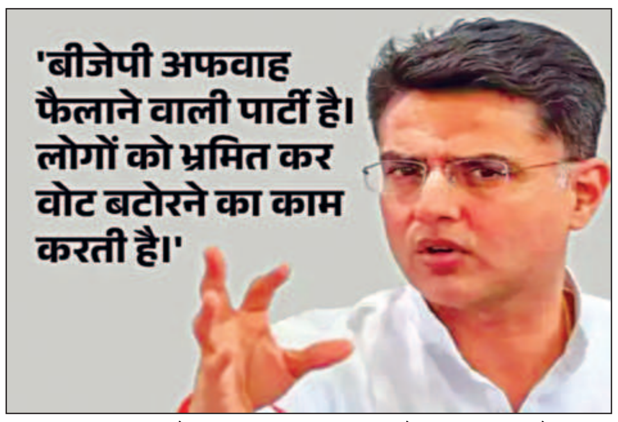

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लाल डायरी पर मचे सियासी बवाल पर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है।

चुनाव से पहले इस तरह की बातें फैलाना और चर्चा करना बीजेपी की पुरानी आदत रही है। केंद्र में बीजेपी सरकार में है। वहां भी विफल हो रही है। राजस्थान में विपक्ष में है, यहां भी विफल हो रही है। अजीब पार्टी है, जो सत्ता और विपक्ष दोनों में फेल हो रही हैं। पायलट टोंक दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पायलट ने कहा-साढ़े चार साल में इनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इनके नेता आपसी झगड़ों में फंसे हुए हैं। साढ़े चार साल में सदन और सदन के बाहर बीजेपी राजस्थान में जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका नहीं निभा सकी।

आने वाले विधानसभा चुनावों में राजस्थान सहित चारों राज्यों में कांग्रेस सरकार बनाने में कामयाब होगी। पायलट ने कहा- केंद्र में पिछले 9 साल से बीजेपी सरकार काबिज है। सत्ता के धमंड में चूर होकर बीजेपी ने लोकतंत्र को खत्म करने का काम किया है। इन 9 साल में सरकारी एजेंसियों का जमकर दुरूपयोग किया है। महंगाई बढ़ाने, भाई को भाई से लड़ाने, रोजगार खत्म करने, किसानों की बदहाली का काम बीजेपी ने शासन के दौरान किया है। हमें भाजपा की बातों में नहीं आना है। अपने भाईचारे को कायम रखना है। विपक्षी गठबंधन के नाम पर भी बीजेपी को आपत्ति हो रही है।

कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें

पायलट ने कहा- कांग्रेस पार्टी छत्तीस कौमों की पार्टी है। पार्टी की रीढ़ की हड्डी कार्यकर्ता है। निकट समय में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। हमें सबको साथ लेकर एकजुटता के साथ चुनावों में जाना है। देश को तोड़ने वाली ताकतों को करारा जवाब देना है। कार्यकर्ताओं को अभी से एकजुटता के साथ काम करके आने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनावों में पार्टी को जितवाने के लिए फील्ड में जुटने की आवश्यकता है।

पीएम ने राजस्थान के लंबित मुद्दों पर बात नहीं की

पायलट ने कहा- प्रधानमंत्री राजस्थान आए तो हमें उम्मीद थी कि ईआरसीपी पर बात करेंगे। उस पर बात नहीं की। प्रदेश के मुद्दों पर बात नहीं की। हमारे टैक्स का हिस्सा, केंद्र पूरा नहीं दे रहा है। योजनाओं को लेकर जिस तरह केंद्र पक्षपात कर रहा है। उस पर कई बार मुद्दा उठा चुके हैं। चुनाव आते हैं तो प्रधानमंत्री राजस्थान आकर राजनीतिक मुद्दों पर ही बात करते हैं। विकास से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं करते। राजस्थान के लंबित मुद्दों के समाधान की बात तक नहीं करते। पायलट ने कहा- मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने जिस तरह मौन व्रत धारण किया है, वह चिंताजनक है। हमारा एक राज्य तीन महीने से हिंसा की आग में जल रहा है।

जयपुर में हॉस्पिटल से बच्चा चोरी का वीडियो

टीका लगाने के बहाने दादी से लिया, महंगी एसयूवी में आई थीं महिला चोर

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के सरकारी हॉस्पिटल में एक बार फिर बच्चा चोरी की घटना सामने आई है। नवजात को टीका लगाने के बहाने दो महिलाएं उसे अपने साथ लेकर रफूचक्कर हो गईं। हालांकि, पुलिस की सतर्कता के कारण चार घंटे में ही महिला चोरों को बच्चे के साथ पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों चोर महंगी एसयूवी में बच्चा चोरी करने आई थीं। मामला बस्सी के सरकारी हॉस्पिटल में 27 जुलाई की रात करीब 8:45 का है। चोरी की यह घटना हॉस्पिटल में लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गई।

मोहर्रम पर चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी पुलिस

सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर, गड़बड़ की तो जाना पड़ेगा जेल

धौलपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। धौलपुर में मोहर्रम के त्योहार को लेकर पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए है। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले युवाओं पर भी नजर रखी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया है कि जिले में मोहर्रम के त्योहार को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने, प्रभावी निगरानी रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी स्थानों पर पुलिस जाप्ता लगाया गया है। मोहर्रम पर जिले में 550 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेगें।

इस दौरान ड्रोन कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मी असामाजिक तत्वों पर विशेष तौर पर नजर रखेंगे। शहर में लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए संपूर्ण इंतजाम किए गए हैं। बतादें कि मोहर्रम पर निकलने वाले ताजिया को लेकर बीते दिनों थानों में सीएलजी सदस्यों के साथ बैठक कर क्षेत्र में शांति बनाए रखने और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट न डालने के निर्देश भी दिए गए थे।

सोशल मीडिया पर साइबर सेल की रहेगी नजर

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मोहर्रम के तैयार को देखते हुए व्यवस्थाएं चाक चौबंद हैं। सोशल मीडिया पर साइबर सेल की टीम विशेष निगरानी रखेगी। सांप्रदायिक सौहार्द और माहौल खराब करने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने अपील करते हुए कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाते हुए सभी त्योहारों का सम्मान करें।

राजस्थान में अवैध शराब के खिलाफ अभियान

उदयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश भर में अवैध मदिरा तैयार करने अथवा परिवहन व भंडारण जैसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए आबकारी विभाग की ओर से लगातार कार्रवाइयां जारी हैं। जून माह में प्रदेश भर में 1291 प्रकरण दर्ज करते हुए 1629 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। आबकारी आयुक्त कुमार पाल गौतम ने बताया कि जून माह में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर दबिश, जांच एवं धरपकड़ के दौरान यह कार्रवाइयां की गई हैं।

इस दौरान 26 हजार 668 बोतल भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 7444 बोतल देसी मदिरा, 6883 बोतल हथकढ़ मदिरा, 2497 बोतल बीयर व 183 लीटर स्पिरिट बरामद किया गया। साथ ही 2 लाख 10 हजार 5 सौ 27 लीटर वाश नष्ट किया गया। कार्रवाइयों के दौरान 29 दो पहिया वाहन, 9 हल्के चारपहिया वाहन व 4 भारी चारपहिया वाहन जब्त किए गए।

राजस्थान समेत 4 राज्यों में घूमता रहा पाकिस्तानी प्लेन

कराची से इस्लामाबाद के लिए निकला था, भारतीय एयर स्पेस में उड़ता रहा

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी का एक विमान अचानक भारत में एंट्री कर गया। लगभग 1 घंटे से ज्यादा वक्त तक पाकिस्तानी विमान राजस्थान समेत चार राज्यों के भारतीय एयर स्पेस में उड़ता रहा। इसके बाद भारतीय एविएशन मिनिस्ट्री अलर्ट मोड पर आ गई। हालांकि एक घंटे और 12 मिनट बाद पाकिस्तानी विमान फिर पाकिस्तानी एयर स्पेस में प्रवेश कर गया। इसके बाद इंडियन एविएशन मिनिस्ट्री ने राहत की सांस ली।

दरअसल, भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों में पिछले कुछ वक्त से मौसम परिवर्तन का सिलसिला जारी है। इसका सबसे ज्यादा असर फ्लाइट के संचालन पर नजर आ रहा है। इसी के कारण सोमवार को पाकिस्तानी फ्लाइट भारतीय सीमा में प्रवेश कर गई थी।

भारत के चार अलग-अलग राज्यों से गुजरा

फ्लाइट लगभग 1 घंटे से ज्यादा वक्त तक भारत के चार अलग-अलग राज्यों में होकर गुजरी। हालांकि इस दौरान इंडियन एविएशन मिनिस्ट्री ने मौसम खराब होने की वजह से पाकिस्तानी विमान को इंडियन एयर स्पेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। बता दें कि सोमवार को शाम 4:31 मिनट पर पाकिस्तानी विमान PIA - 308 कराची से इस्लामाबाद की उड़ान भरी थी। लेकिन जैसे ही विमान ने उड़ान भरी अगले कुछ ही मिनटों में मौसम खराब हो गया। इसकी वजह से विमान अपने ट्रैक से भटक शाम 5 बजकर 2 मिनट में भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया। इस दौरान पाकिस्तानी विमान भारत के हैदराबाद से प्रवेश कर राजस्थान होता हुआ हरियाणा और पंजाब के ऊपर से गुजरता हुआ लगभग 1 घंटे और 12 मिनट तक भारतीय एयर स्पेस में रहा। इसके बाद पंजाब से पाकिस्तानी विमान ने शाम 6 बजकर 14 मिनट पर एक बार फिर पाकिस्तानी एयर स्पेस में एंट्री ली थी।

जून में भारतीय विमान गया था पाकिस्तान

जून महीने में भी खराब मौसम की वजह से भारतीय विमान भी पाकिस्तान हवाई सीमा में प्रवेश कर गया था। उस वक्त भारतीय विमान लगभग 31 मिनट तक पाकिस्तानी क्षेत्र में रहा था। दरअसल, जून में इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E - 645 ने 186 यात्रियों के साथ पंजाब के अमृतसर से गुजरात के अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन खराब मौसम की वजह से फ्लाइट को कुछ वक्त के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में डायवर्ट करना पड़ा था। हालांकि मौसम साफ होने के बाद एक बार फिर सभी यात्रियों को सुरक्षित अहमदाबाद में लैंड करवाया गया था।

4 साल से पाक स्पेस नहीं हो रहा प्रयोग

चार साल पहले पाकिस्तान ने अपना एयर स्पेस भारतीय विमानों के लिए बंद कर दिया था। तब से लेकर अभी तक भारत पाकिस्तान एयर स्पेस का प्रयोग नहीं करता है। लेकिन इस स्थिति में पाकिस्तान को अपना एयर स्पेस देना पड़ा। यह स्थिति सामान्य नहीं थी। खराब मौसम की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार कोई भी देश अपना एयर स्पेस देने से मना नहीं कर सकता।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना

पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए हवाई यात्रा से रवाना होंगे 100 वरिष्ठ नागरिक

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2023 के तहत नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए गंगानगर के 100 वरिष्ठ नागरिकों आज हवाई यात्रा से जाएंगे। देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए दिल्ली रवाना किया। यात्री दोपहर 2 बजे दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए फ्लाइट से उड़ान भरेंगे। मंत्री रावत ने जलमहल, आमेर रोड़ स्थित बलदेव परशुराम धर्मशाला में आयोजित यात्रा शुभारम्भ कार्यक्रम में कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए यह पहली हवाई यात्रा है। उन्होंने बताया कि श्री गंगानगर जिले के चयनित 100 यात्री आज दिल्ली से हवाई यात्रा के जरिये काठमांडू जाएंगे और भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में दर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह शुभ संयोग ही है कि यात्रा की शुरूआत श्रावणमास में हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ही वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने हेतु हवाई यात्रा सुविधा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योजना के तहत तीर्थ स्थलों के दर्शनों हेतु 36 हजार वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा एवं 4000 वरिष्ठ नागरिक हवाई यात्रा करेंगे।

पर्यावरण की अनदेखी : जयपुर कलेक्टर ने कटवाए हरे पेड़, नए कितने लगे इसका रिकॉर्ड ही नहीं

(फोटो फाइल)

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। डैडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कॉरपोरेशन लिमिटेड को जयपुर जिला कलेक्टर ने सैंकड़ों हरे पेड़ों को काटने की परमिशन तो दे दी। लेकिन, उनकी जगह कितने नए पेड़ लगाए गए इसका कोई पता (रिकॉर्ड) ही नहीं है। यहां तक कि जिन तहसीलदार और एसडीएम को जिम्मेदारी दी गई थी कि वे पेड़ों को चिन्हित करके कटवाएं और उनकी जगह चार गुना नए पेड़ लगवाना सुनिश्चित करें, उनके पास भी इसका कोई हिसाब नहीं है। पर्यावरण के प्रति ऐसी घोर लापरवाही को राज्य सूचना आयोग ने गंभीरता से लिया है।

मुख्य सूचना आयुक्त डीबी गुप्ता ने एक आरटीआई अपील का निर्णय करते हुए मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व विभाग और जयपुर कलेक्टर से पूरे मामले में पेड़ों संबंधी नियमों और निर्देशों का सख्ती से पालन करवाने को कहा है। गुप्ता ने अपील के फैसले में कहा है कि यह तो मात्र कुछ प्रोजेक्ट अथवा क्षेत्रों से संबंधित घटना है। लेकिन, डैडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर की लाइन बहुत लंबे क्षेत्र से निकल रही है। अन्य परियोजनाओं में भी समय-समय पर पेड़ों काटे जाते हैं। इसलिए जिम्मेदारी का निर्वहन न करने वाले लोगों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

गुप्ता ने अपील के फैसले में कहा है कि कई बार विकास कार्यो के लिए बाधा बन रहे कुछ पुराने पेड़ों को काटना जरूरी हो जाता है। लेकिन, उनकी जगह 4 गुना पेड लगाए जाने का राजस्व नियमों में प्रावधान इसीलिए किया गया है ताकि पर्यावरण की सुरक्षा रहे और वन क्षेत्र बढ़ता रहे। इस प्रकरण में भी जिला कलेक्टर ने डीएफसीसीआईएल को नई रेललाइन परियोजना में आने वाले क्षेत्र में 4 गुना पेड़ लगाए जाने की शर्त पर ही पुराने पेड़ काटने की अनुमति दी थी। लेकिन, अब कोर्ट में यह कहना कि उनके कार्यालय में नए पेड़ लगाए जाने संबंधी कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, गंभीर स्थिति को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि आरटीआई कार्यकर्ता नारायणा निवासी गौरीशंकर मालू ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम (राजस्व शाखा) जयपुर से सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जानकारी चाही थी कि नई रेल लाइन परियोजना मार्ग में कितने हरे पेड काटे गए। उनकी एवज में कितने नए पौधे लगाए गए और उनमें कितने पौधे जीवित हैं। क्योंकि जिला कलेक्टर ने डीएफसीसीआईएल को 21 मार्च, 2012, 27 अगस्त, 2012 और 19 सितंबर, 2012 को नई रेल लाइन के लिए तहसील मौजमाबाद क्षेत्र में 1120, तहसील चौमूं क्षेत्र में 448 और तहसील फुलेरा क्षेत्र में 806 यानि कुल 2374 पेड़ काटने की अनुमति दी थी। राजस्व नियमों के मुताबिक इनकी एवज में 9496 नए पौधे लगाए जाने थे। नए पौधे लग जाएं, यह सुनिश्चित करने का जिम्मा तहसीलदारों को दिया गया था। जिला कलेक्टर जयपुर ने आरटीआई की सीधे जानकारी देने के बजाय मालू के आवेदन को विभिन्न तहसीलदार, एसडीएम और अन्य स्तरों पर भेज दिया। प्रथम अपील में भी मालू को सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो उसे दूसरी अपील में आना पड़ा।

बदमाश की दुकानों पर चला बुलडोजर

कब्जा कर दुकानों को किराए पर दे रखा था, लूट, डकैती और किडनैपिंग तक कर चुका

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार सुबह फिर एक बदमाश के अवैध निर्माण पर जेडीए ने बुलडोजर चला दिया। गिरधारीपुरा में रहने वाले आरोपी बदमाश मंजूर उर्फ लाला करणी विहार थाने का हिस्ट्रीशीटर है। मंजूर के साथ उसका भाई नासिर भी हार्ड कोर क्रिमिनल है। मंजूर ने आवासीय जमीन पर दुकानें बना रखी थीं। जो की नियमों के खिलाफ थीं।

एसीपी वैशाली नगर आलोक सैनी ने बताया- पुलिस मुख्यालय की ओर से ऑपरेशन वज्र प्रहार चलाया जा रहा हैं। इसके तहत आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश हैं। उनके द्वार किए हुए अतिक्रमण और जमीनों पर हुए कब्जे को मुक्त कराया जा रहा है। आलोक सैनी ने बताया- मुख्यालय के आदेशों पर बुलडोजर से मंजूर के अवैध निर्माण को मुख्य सड़क से हटाया गया है। मंजूर और उसके भाई नासिर ने गिरधारीपुरा में आवासीय भूखंड पर दुकानें बना रही थी। आरोपियों ने इन दुकानों को किराए पर दे रखा था। इससे खुद की आमदनी कर रहे थे लेकिन उनके इस अतिक्रमण से आमजन को भारी परेशानी हो रही थी।

जयपुर कमिश्नरेट पुलिस कर रही बदमाशों के अवैध कब्जे पर काम

जयपुर कमिश्नरेट में के बदमाशों की संपत्ति पर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस लगभग काम पूरा कर चुकी है। इन बदमाशों की अवैध संपत्ति, जमीनों पर कब्जा सहित अवैध निर्माण की सूची पुलिस ने बना ली है। बदमाशों के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन वज्र प्रहार के तहत अन्य बदमाशों पर भी पुलिस जल्द एक्शन लेने वाली हैं। करणी विहार सीआई लिखमाराम ने बताया- दोनों भाइयों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मंजूर के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट,डकैती, चोरी, किडनैपिंग जैसे मामले दर्ज हैं। मंजूर उर्फ लाला का भाई नासिर के खिलाफ भी इसी तरह से आपराधिक केस दर्ज हैं। आज सुबह साढे 8 बजे से यह ऑपरेशन शुरू किया गया इस दौरान बदमाश के बनाए गए अवैध निर्माण को तोड़ा गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल और जेडीए की टीम ने यह ऑपरेशन किया।

कल जयपुर आएंगे जेपी नड्डा, पार्टी कार्यालय में बिताएंगे दिन

वसुंधरा राजे को लेकर बड़ा ऐलान संभव

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनावी साल में भाजपा प्रदेश में लगातार सक्रिय है। पीएम मोदी समेत पार्टी के टॉप नेता लगातार प्रदेश का दौरा कर सभाएं कर रहे हैं। 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीकर में सभा की, साथ ही प्रदेशवासियों को नई सौगातें भी दीं।

अब 30 जुलाई को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर दौरे पर आ रहे हैं। नड्डा का ये दौरा चुनावी रणनीति पर फोकस रहेगा। वे पूरे दिन प्रदेश कार्यालय में रहेंगे, पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों की मानें तो जेपी नड्डा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते हैं।

सुबह 10 बजे जयुपर पहुंचेंगे जेपी नड्डा

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा एक दिन के दौरे पर जयपुर आएंगे। वे सुबह 10 बजे पार्टी कार्यालय पहुंचेंगे। इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर फीडबैक लेंगे। विधानसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग सीटों की स्थिति को समझेंगे। साथ ही पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा कर दिशा-निर्देश भी देंगे।

पूर्व सीएम राजे के नाम पर लगाई जा सकती है मोहर

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जेपी नड्डा भाजपा चुनाव प्रचार समिति और चुनाव प्रबंधन समिति को लेकर भी बड़ा फैसला कर सकते हैं। साथ ही पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

एक दिन पहले सीकर आए थे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते गुरुवार को सीकर दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने 9 करोड़ किसानों के खातों में सम्मान निधि की राशि जारी की थी। वहीं, सभा के दौरान पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A और अशोक गहलोत की सरकार पर जमकर हमला बोला था।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कौन सा वादा निभाया? ट्वीट कर खुद दी इसकी जानकारी

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार विधानसभा चुनाव से पहले जनता से किए हुए वादों को पूरा करने में लगी हुई है. इसी कड़ी में प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर योजना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वीटर पर ट्वीट करते हुए कहा कि देखिए हमने जो वादा निभाया था उसे पूरा करते हुए 500 में गैस सिलेंडर दिलाया. सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट के माध्यम से वीडियो भी शेयर किया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा मिले रसोई गैस सिलेंडर के महंगाई के चलते ना भरवा पाने पर किसी काम ना आने की बात कही गई. साथ ही वीडियो में महिलाएं बता रही है कि किस प्रकार से अब 500 रुपए प्रतिमाह गैस सिलेंडर मिलने से उन्हें चूल्हे के धुएं से भी निजात मिली है.

ट्वीट में सीएम ने क्या लिखा

ट्वीट करते हुए सीएम ने लिखा कि इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर योजना के तहत 500 रुपए में जो सिलेंडर दिलवाने का हमने वादा किया था. देखिए, वादा निभाया. आज हमारी माताएं, बहनें व बेटियां धुएं और घुटन से मुक्ति पाकर आर्थिक सुरक्षा के साथ स्वस्थ जीवन जी रही हैं. देश के सबसे सस्ते सिलेंडर दिलाने के हमारे संकल्प की पूर्ति केंद्र व अन्य प्रदेशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत कर रही है.

गिग वर्कर्स को लेकर हाल में पास किया बिल

राजस्थान की गहलोत सरकार ने हाल ही में देश का ऐसा पहला बिल विधानसभा में पारित किया, जो गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देने का प्रयास करेगा. राजस्थान प्लेटफॉर्म बेस्ड गिग वर्कर्स बिल को राजस्थान विधानसभा में पास किए जाने के दौरान विपक्ष ने भी जमकर हंगामा किया. हालांकि बिल बिना किसी हंगामें के कुछ ही देर में पास हो गया.

नगर के बारिश प्रभावितों को आवश्यक सहायता प्रदान करे सरकार : वीएच

कांग्रेस पार्टी ने जीएचएमसी मुख्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आज जीएचएमसी मुख्यालय पर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य सरकार राज्य की राजधानी के बारिश प्रभावित निवासियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए। विरोध प्रदर्शन के कारण जीएचएमसी कार्यालय में भारी तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को जीएचएमसी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। उन्होंने नागरिकों के बचाव में विफल रहने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए और राहत प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। पार्टी नेता एम. अंजन कुमार यादव, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वीएच, पूर्व सांसद मल्लू रवि, पूर्व विधायक एम. कोदंडा रेड्डी, पूर्व एमएलसी रामुलू नाइक, टीपीसीसी उपाध्यक्ष चमाला किरण कुमार, जीएचएमसी पार्टी फ्लोर लीडर डी. राजशेखर रेड्डी, अनिल यादव, विजया रेड्डी, एसपी क्रांति कुमार, आदि अविनाश और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रदर्शनकारियों ने राज्य मंत्री केटीआर पर उनके इस दावे को लेकर निशाना साधा कि हैदराबाद एक वैश्विक शहर बन गया है और आरोप लगाया कि शहर कचरे का शहर बन गया है। उन्होंने कहा कि शहर को बचाने की जरूरत है क्योंकि निचले इलाकों में पानी भर गया है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार संकट में फंसे प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये मंजूर करे।

उन्होंने पूछा कि जब लोग परेशान है, तो विधायक और मंत्री क्या कर रहे हैं? पार्टी नेता विजया रेड्डी समेत कई नेताओं ने जीएचएमसी कार्यालय के मुख्य द्वार पर चढ़ने की कोशिश की। बाद में, कुछ पार्टी नेताओं को अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय के अंदर जाने की अनुमति दी गई। कांग्रेस नेताओं ने मुख्यालय में प्रवेश कर जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रॉस के पेशी पर उनके व्यवहार का विरोध किया. उनका आरोप है कि कमिश्नर ने उनका ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया. पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लू रवि, वी हनुमंत राव, कोदंडा रेड्डी, विजया रेड्डी और अन्य ने आयुक्त के रवैये के लिए उनके खिलाफ नारे लगाए।

हाईकोर्ट ने सरकार को बाढ़ राहत कदमों पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज राज्य सरकार को आदेश जारी कर तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिए उसके द्वारा शुरू किए गए कदमों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा। इसने सरकार से 31 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा। एचसी ने डॉ. चेरुकु सुधाकर द्वारा दायर एक याचिका का जवाब देते हुए आदेश जारी किए। वरिष्ठ अधिवक्ता चिक्कुडु प्रभाकर ने सुधाकर की ओर से एचसी के समक्ष मामले पर बहस की। अपनी याचिका में उन्होंने हाई कोर्ट को बताया कि पिछले सात दिनों में राज्य में हुई लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों के लोग डरे हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार से अपनी रिपोर्ट में बारिश से मरने वालों और पीड़ित परिजनों को दिये गये मुआवजे का ब्योरा भी देने को कहा।

बीआरएस ने अस्थायी संचालन समिति नियुक्त की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तत्काल प्रभाव से बीआरएस महाराष्ट्र राज्य इकाई के लिए 15 सदस्यों वाली एक अस्थायी संचालन समिति का गठन किया। बीआरएस के राष्ट्रीय महासचिव हिमांशु तिवारी के मुताबिक बीआरएस अध्यक्ष संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष के. चन्द्रशेखर राव कार्य करेंगे। कल्वाकुंतला वामशीधर राव को बीआरएस महाराष्ट्र राज्य इकाई के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है, वे संचालन समिति के सदस्य भी हैं। संचालन समिति के अन्य सदस्यों में शंकर अन्ना धोंडगे, भानुदास मुरकुटे, हरिभाऊ राठौड़, घनश्याम शेलार, अन्ना साहेब माने, दीपक आत्राम, माणिक कदम, ज्ञानेश वाकुडकर, सचिन साठे, सुश्री सुरेखा पुनेखर, कादिर मौलाना, यशपाल बिंगे और फिरोज पटेल हैं। इसी तरह, केसीआर ने पूर्व विधायक चरण वाघमारे को तत्काल प्रभाव से बीआरएस महाराष्ट्र राज्य इकाई के नागपुर डिवीजन का समन्वयक नियुक्त किया है। बीआरएस नागपुर डिवीजन के समन्वयक ज्ञानेश वाकुडकर को संचालन समिति के सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया है। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष ने नागपुर संभाग में पार्टी में वाकुडकर के योगदान की सराहना की है। श्री तिवारी के अनुसार इसके अलावा, महाराष्ट्र में चल रही पार्टी गतिविधियों को तेज करने के लिए, पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने महाराष्ट्र राज्य के प्रत्येक छह क्षेत्रीय प्रभागों में छह सह-समन्वयक नियुक्त किए हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र राज्य के सभी 36 जिलों में जिला सह-समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। औरंगाबाद डिवीजन के लिए, सोमनाथ थोराट समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। जबकि दत्ता पवार सह-समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। इसी तरह, अमरावती डिवीजन निखिल देशमुख (समन्वयक) और डॉ. सुभाष राठौड़ (सह-समन्वयक), नागपुर डिवीजन पूर्व विधायक चरण वाघमारे (समन्वयक) और पूर्व विधायक बालासाहेब सालुंके गुरुजी (सह-समन्वयक), नासिक डिवीजन नाना बच्चाव (समन्वयक), संदीप खुटे ((सह-समन्वयक), पुणे प्रभाग बी जे देशमुख (समन्वयक) और भागीरथ भालके (सह-समन्वयक), मुंबई प्रभाग विजय मोहिते (समन्वयक) और पूर्व विधायक दिगंबर विशे (सह-समन्वयक) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रीमद्भागवत कथा में ध्रुव चरित पर प्रकाश डाला गया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली गणेश मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी पूज्य श्री शिबली जी महाराज (लड्डू गोपाल वाले) वृंदावन वालो ने आज ध्रुव चरित पर प्रकाश डाला और पूज्य रामसुख दास जी महाराज के प्रवचनों से बहुत सारे दृष्टांत दिए। कथा में नित्य दो बार भगवान की विधि विधान से आरती होती है। एक बार कथा से पूर्व दूसरी बार कथा के समाप्ति पर, बीच/बीच में बहुत सुंदर भजन कीर्तन स्वामी राम सुखदास जी की सैली में होते है ।

आज आए विशेष अतिथि में नगर के समाजसेवी और उद्योगपति गोपाल बल्दवा, जसमत भाई पटेल, सतीश अग्रवाल, राजेश मिश्रा, कथा यजमान सुंदर अग्रवाल, जयपाल सिंह नयाल, ईश्वर भाई, राजू भाई, गोपाल,बालवीर सिंह,लाल दीक्षित, अग्रवाल,रवि भट्टर , रिंकू सिंह, वासुदेव अग्रवाल, मदन जी सुथार, सागर, हिमांशु, प्रेमा नयाल, ऊषा अग्रवाल, नैना अग्रवाल, रिंकू भट्टर, मंजू अग्रवाल,मंजू मिश्रा आदि अनेक भागवत भक्तों ने भाग लिया। पूज्य महाराज जी ने कहां उनकी कथा सुनने की दक्षिणा कथा स्थल पर लगे स्टाल से गीता प्रेस से छपी पूज्य रामसुख दास जी महाराज द्वारा लिखी पुस्तकों को खरीद कर लोगों में वितरण करना है, ताकि सनातन संस्कृति की सही जानकारी सभी हिंदू समाज को हो सके और सनातन धर्म का असली प्रचार हो सके। कथा में कल और आज में जसमत भाई पटेल, राजेश मिश्रा,ईश्वर भाई की ओर से राम सुख दास जी की लिखी धार्मिक पुस्तकों का वितरण किए गए। मुख्य यजमान सुंदर अग्रवाल और जयपाल सिंह ने 100 कृष्ण भगवान की फोटो फ्रेम बाटने का संकल्प लिया जो आगामी कथा में प्रभु संबंध जोड़ कर बाटे जायेंगे।

दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार, लाखों का नशीला पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की विशेष अभियान दल (एसओटी), एलबी नगर जोन टीम ने सरूर नगर पुलिस के साथ मिलकर दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 40 ग्राम हेरोइन, 100 ग्राम अफीम बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों में पूनम राम बिश्नोई निवासी बीरमगुडा, पठानचेरुवु, और दिनेश कुमार निवासी बीरमगुडा, पठानचेरुवु शामिल है। इस मामले में धर्मा राम निवासी जालोर जिला, राजस्थान फरार है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से हेरोइन 40 ग्राम, अफ़ीम 100 ग्राम, मोटर साइकिल 1, मोबाइल फ़ोन 2 बरामद हुआ है। सभी की कीमत लगभग 20 लाख रुपये बतायी जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूनम राम बिश्नोई और दिनेश कुमार राजस्थान के जालौर जिले के मूल निवासी हैं। वर्ष 2017 में वे हैदराबाद आए और स्टील फैब्रिकेशन वर्क्स (स्टील रेलिंग) में शामिल हो गए और बाद में उन्होंने अपनी खुद की शुरुआत की। वे नशीली दवाओं के सेवन के आदी हो गए हैं।

बाद में उन्होंने इसे खरीदना और जरूरतमंद व्यक्तियों को आपूर्ति करना शुरू कर दिया और इस तरह अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमाना शुरू कर दिया।

वे राजस्थान राज्य के मूल निवासी धर्मा राम नाम के एक हेरोइन और ओपियम ड्रग आपूर्तिकर्ता के संपर्क में आए। बाद में, पूनम राम बिश्नोई और दिनेश कुमार ने कम दर पर हेरोइन और अफीम खरीदना शुरू कर दिया और नशे के आदी व्यक्तियों को उच्च दर पर बेचना शुरू कर दिया। एसओटी एलबी नगर टीम ने सरूर नगर पुलिस के साथ मिलकर सरूर नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत गांधी प्रतिमा के पास आरोपियों को पकड़ा।

तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने एक बयान में कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण बनी बाढ़ की स्थिति में विशेष कर्तव्य सौंपे गए तीन अधिकारियों को अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। तुम्पेली पंचायत सचिव, वी.आर.ए लापरवाही से 8 वर्षीय बालक लापता हो गया अपने कर्तव्य का पालन नहीं करने के कारण जनकापुर वी आर ए को निलंबित किया गया है। इसे प्राकृतिक आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के तहत निलंबित किया है।

मंत्री ने हनमकोंडा में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

हनमकोंडा, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री एर्राबेली दयाकर राव ने राज्य में, विशेषकर तत्कालीन वारंगल जिले में भारी बारिश के कारण हुए व्यापक नुकसान पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने वर्धन्नापेट के विधायक अरूरी रमेश और जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक के साथ शुक्रवार को शहर के परिमाला कॉलोनी और जवाहर नगर सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने खाद्य पार्सल, पानी और दवा सहित आवश्यक आपूर्ति के वितरण का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुलुगु और भद्राद्रि-कोठागुडेम जिलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने ममनूर हवाई अड्डे का भी दौरा किया जहां से कोंडाई, एतुर्नगरम और भद्राचलम क्षेत्रों में आवश्यक चीजें भेजी जाती हैं। जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए हेलीकॉप्टरों का उपयोग करके राहत प्रयासों को सुविधाजनक बनाया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु प्रत्येक के प्रति दर्शाई गयी तिथि व समयानुसार ई-निविदाएं(आयआरइपीएस) आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : 02-पोर्टाकेबिन-एमएलवाय-युआर-एमबीएनआर-2023-24, **कार्य विवरण:** मौला-अली व महबूबनगर पर मौला-अली व उमदानगर तथा किचन कैबिन(पोर्टा कैबिन) के कर्मीदल के लिए एकामडेशन कैबिन्स(पोर्टा कैबिन) की डिजाइन, विकास एवं फ्रैबिकेशन कार्य। **कार्य का मूल्य:** (रु.) 4157376/- ठेका अवधि: 40 दिन, पूधरा: (रु.) 83,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: (रु.) 0.00, निविदा बंद करने की तिथि व समय: 11.08.2023 के सु.11.00 बजे, निविदा खोलने की तिथि समय:11.08.2023 के.11.30 बजे

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 11.08.2023 के सु.11.00 बजे तक है। तत्संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु कृपया **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

इस बारे में, अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को केवल **ई-पोर्टल:** www.ireps.gov.in व्दारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल मेकानिकल अभियंता, हैदराबाद

PUB/0839

निविदा सं. जीटीएल-इएम-07एंड09-2023-24 दि.27.07.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यनिर्वाहक वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.:जीटीएल-इएम-07-2023-24, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: युजी केबुल सिस्टम का एलटी ओएच लाइन्स में अद्यतन करना, सर्विस बिल्डिंग क्वार्टर्स का विश्वसनीय उपायों नुसार विभिन्न स्थानों की कैटरिंग सर्विस तथा ऊर्जा आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली का सुधार व बिजली व्यवस्था। **अनुमानित लागत:(रु.) 98,22,122/-**

बंद करने की तिथि व समय: 18-08-2023 के 15.00 बजे

निविदा सं.:जीटीएल-इएम-09-2023-24, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: जीवाय तथा टीपीटीवाय वेस्ट स्टेशन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रणालियों का अद्यतन करना। अनुमानित लागत:(रु.) 1,34,60,497.84

बंद करने की तिथि व समय: 21-08-2023 के 15.00 बजे

निविदा की बिड्डिंग या बोली एवं अन्य विवरणार्थ http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकर्तागण, निविदा दस्तावेज को नि:शुल्क रूप में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणी: इस ई-निविदा में सहभागिता/ बोली के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी(डिजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

PUB/0840

05-मेका.-पीएआयंटी-टीपीटीवाय-23-24 दि. 26.07.2023

मुख्य वर्कशाप प्रबंधक, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दक्षिण मध्य रेलवे एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निम्न कार्यों हेतु आयआरइपीएस के माध्यम से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : निविदा सूचना सं.05-मेका.-पीएआयएनटी-टीपीटीवाय-23-24, दि.26.07.2023 कार्य विवरण: कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दमरे पर बाहरी पेंटिंग, अंदरुनी पेंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग तथा आयसीएफ की लेट्टरिंग, मेमु कोचेस की व्यवस्था का कार्य।

अनुमानित लागत: (रु.) 47,26,836.48 (रुपये सैंतालीस लाख, छब्बीस हजार,आठ सौ छत्तीस व अडतालीस पैसे मात्र), बोली सुरक्षा राशि:(रु.) 94,500/- (रु.चौरानवे हजार पांचसौ मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य: (रु.) शून्य, (कृपया निम्न नोट -1 रिफर करें), पूरा करने की अवधि:कार्य के आरंभ से 12 महिने

टिप्पणी: 1. जीसीसी 2022 के पैरा नं.03, पार्ट-। नुसार सभी निविदाकर्ताओं को नि-शुल्क रूप में ई-निविदा प्रपत्र जारी किये जायेंगे। अतः निविदा दस्तावेज में निविदा दस्तावेज मूल्य विवरित नहीं किया गया है।

1. निविदा पेटी बंद होने की तिथि व समय: 17.08.2023 के सु.11.00 बजे

मुख्य वर्कशाप प्रबंधक, सीआरएस, तिरुपति

PUB/0841

भारतीय रेलवे

रेल विद्युतीकरण

www.ireps.gov.in

निविदा सूचना सं.आरइएससी/ डब्ल्यू/एनआयटी/ 66/23, दि.26.07.2023

उप मुख्य अभियंता, रेल विद्युतीकरण, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु पृथक रूप में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं, जिसे दि.25-08-2023 के सु.11.00 बजे प्राप्त किया जायेगा तथा उसे उसी दिन पर उप मुख्य अभियंता का कार्यालय, रेलवे विद्युतीकरण, सिकंदराबादपर सु.11.30 बजे खोला जायेगा। तत्संबंधित निविदा का कार्य नीचे दिया गया है।

कार्य विवरण: टी.नं.आरइएससी/डब्ल्यू/इटी/004-23

कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे के रेल विद्युतीकरण के जीआर.208 सेक्शन्स से संबंधित सिकंदराबाद स्टेशन पर ट्रिप शेड का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत:(रु.) 1,36,39,351.94, पूधरा:(रु.) 2,18,200/- निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, पूरा करने की अवधि: (12) बारह महिने

कार्य विवरण: टी.नं.आरइएससी/डब्ल्यू/इटी/005-23

कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे के रेल विद्युतीकरण के जीआर.209 सेक्शन्स से संबंधित नल्लपाडू स्टेशन पर ट्रिप शेड का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत:(रु.) 1,36,39,351.94, पूधरा:(रु.) 2,18,200/- निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, पूरा करने की अवधि: (12) बारह महिने

तत्संबंधित वेबसाइट पर दस्तावेज उपलब्ध: दि.26.07.2023 के 05.00 बजे से

ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय:दि.25.08.2023 के सु.11.00 बजे

आनलाईन व्दारा निविदा बंद की तिथि व समय: दि.25.08.2023 के सु.11.00 बजे

आनलाईन व्दारा निविदा खोलने की तिथि व समय: दि.25.08.2023 के सु.11.30 बजे

निविदा शर्तो/ तत्संबंधित अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) के लिए तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

** यदि आवश्यक हो तो, निविदा दस्तावेजों/शुध्दिपत्रों/जोड से संबंधित संशोधन अथवा परिवर्तन को, निविदा खोलने के कम से कम 14 दिनों के पूर्व उपरोक्त वेबसाइट पर सूचित किया जायेगा एवं इसे प्रदर्शित किया जायेगा।

A1169 **उप मुख्य अभियंता, रेल विद्युतीकरण, सिकंदराबाद**

PUB/0842

निविदा शर्तो/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजीगुड़ा में वार्षिक धमाका सेल के दूसरे दिन शोरूम में विभिन्न डिजाइन के आभूषणों की खरीददारी करते हुए ग्राहक।

बारिश में दुकान ढहने से रोजी-रोटी का संकट

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों से चल रही तेज बारिश के कारण कई आवासीय भवन और दुकानों को नुकशान पहुंचा है। नामपल्ली के आघापुरा इलाके में स्थित रमेश इलेक्ट्रिक ड्राई क्लीनिंग नाम की दुकान की पूरी छत गिर गई।

दुकान में रखा सारा सामान बर्बाद हो गया। करीब 7 दशक से रमेश के परिवार के लोग इस दुकान को चला रहे है। तेज बारिश के कारण दुकान का छत गिरने से उसमें रखा सारा सामान खराब हो गया है। दुकान का संचालन करने वाले टी. रमेश सिंह का कहना है कि पहले कभी इतनी तेज बारिश नहीं हुई थी। इतनी क्षति भी नहीं हुई थी। अब तो पूरा कारोबार ही खत्म हो गया है। ऐसे में परिवार के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री केसीआर से इस स्थिति में आर्थिक मदद की मांग की है।

पुरुषोत्तम मास पर मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट रोड में आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भाग लेते हुए पंडित संजय शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, यज्ञ यजमान श्रीमती सुशीला-सुरेंद्र अग्रवाल, आरती यजमान विनय जैन, सुरेश कुमार बंसल व अन्य श्रद्धालु।

वर्षा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम अधिकारियों और जल विभाग प्रबंधक शेखर के साथ गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र जामबाग डिवीजन में तुपखाना मजीद और अरावा बस्ती शंकर बाग के क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने क्षेत्रों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान जलभराव को दूर करने व प्रदूषित जल समस्याओं को सुझलाने के अलावा कई स्थानों में सड़क की मरम्मत की गई। उन्होंने गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से विशेष सतर्क रहने के लिए कहा तथा अनावश्यक रुप से बच्चों को बाहर न भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि उन्हें निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ 33 वर्षों का अनुभव है और वह पार्टियों की परवाह किए बिना लोगों के साथ एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री तलसानी के प्रोत्साहन से कई विकास कार्य किये जा रहे हैं। आज कुछ लोग नए कपड़ों और कारों में तस्वीरें खिंचवा रहे हैं और लोगों को इनसे सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम में जामबाग मंडल के मुख्य सचिव जी. नंदू कुमार, बस्ती के बुजुर्ग मोहन, योगी, गौस, अहमद, बलराजू, मोहम्मद, सलीम समेत अन्य लोग पदयात्रा में शामिल हुए।

'आप और हम' की साधारण सभा कल

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी एवं हरियाणा समाज का सशक्त संगठन'आप और हम' की साधारण सभा कल रविवार सायं 6 बजे को सिकंदाराबाद स्थित घनराक स्थित केजेआर गार्डन के सामने संस्था के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल के निवास स्थान पर रखी गई है। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था के प्रधान संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि संस्था के सुचारू रूप से चलाने के लिए उचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का चयन किया जायेगा। अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने बताया कि पदाधिकारियों व कार्यकारिणी के चयन के समय हम सभी राजस्थानी एवं हरियाणा समाज के विभिन्न वर्गों को शामिल करेंगे। जिससे हमारी एकता एवं अखण्डता का परिचय हम दे सकते है। संस्था के संारक्षक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि'आप और हम' के जितने भी पूर्व पदाधिकारियों कार्यकर्ता एवं सदस्यागणों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने अमुल्य विचारों के साथ सभा को सफल बनाये। अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नन्दगोपाल भट्टड ने बताया कि सभा में श्रावण की सेल का कार्यक्रम करने हेतु सभा में विचार विमर्श किया जायेगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पूरे उपाय करें : हनुमंत राव

अन्नानगर पोचम्मा अम्मावरी मंदिर कमेटी के सदस्यों ने मंदिर के विकास के सबंध में छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप से अनुरोध किया। इस पर उन्होंने सीईओ मधुकर नाइक से चर्चा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य मद्देला यदागिरि, महेश. बालक राजा वेंकटेश, साईं किरण, जे.पी. बाबू व अन्य शामिल हुए।

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक, पंचायत राज के जिला विशेष अधिकारी हनुमंत राव ने कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूर्ण पैमाने पर सार्वजनिक सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। शुक्रवार को जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेवराव, एसपी सुरेश कुमार ने जिला परिषद अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी के साथ जिले के आसिफाबाद मंडल में तुमपेल्ली वागु का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर, एसपी और जिला परिषद के उपाध्यक्ष कोनेरू कृष्ण राव ने सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के दहेगांम मंडल में बाढ़ वाले क्षेत्रों और पेसारिगुंटा गांव का निरीक्षण किया। इस मौके पर विशेष पदाधिकारी ने कहा कि जिले में लगातार बारिश के कारण बनी बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोगों को सतर्क रहना चाहिए और बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकलना चाहिए।

जापान ओपन बैडमिंटन : सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारी

लगातार 12 जीत के बाद मिली हार; टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन चीनी ताइपे जोड़ी ने मात दी

टोक्यो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 के मेंस डबल्स में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार मिली। वर्ल्ड नंबर-2 जोड़ी को लगातार 12 जीत के बाद हार का सामना करना पड़ा। वहीं मेंस सिंगल्स मुकाबले में लक्ष्य सेन को जीत मिली।

ओलिंपिक चैंपियन चीनी ताइपे जोड़ी ने सात्विक-चिराग को हराया

हाल ही में कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक और चिराग की जोड़ी को टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन यांग ली और ची-लिन वांग की चीनी ताइपे जोड़ी ने हराया। ली-वांग ने भारतीय जोड़ी को 21-15, 23-25, 21-16 से हराया।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने कोरिया ओपन का खिताब जीता था

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने रविवार (23 जुलाई 2023) को कोरिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर 1 फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान की इंडोनेशियाई जोड़ी को 17-21, 21-13, 21-14 के अंतर से हराया था।

लक्ष्य ने जापान के वतानाबे को सीधे गेमों में मात दी

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट 21 साल के लक्ष्य ने जापान के कोकी वतानाबे को सीधे गेमों में मात दी। लक्ष्य ने वतानाबे को 21-15, 21-19 से हराया। राउंड ऑफ 16 में भी लक्ष्य ने जापानी खिलाड़ी को हराया था। उन्होंने केंटा सुनेयामा को 21-14, 21–16 से हराया था।

सिंधु को पहले दौर में हार मिली

पीवी सिंधु को बुधवार को पहले राउंड में चीन की झांग यी मान ने 21-12, 21-13 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला था। झांग यी मान ने दोनों गेम आसानी से जीत लिए थे। इससे पहले कोरिया ओपन 2023 में भी उन्हें पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था।

जापान ओपन का असर पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग रैंकिंग पर पड़ेगा

जापान ओपन का असर पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग रैंकिंग पर पड़ सकता है। जापान ओपन के रिजल्ट पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग राउंड 2024 की रैंकिंग में गिने जाएंगे। बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो इस साल 1 मई से शुरू हो चुकी है।

7वें नंबर पर बल्लेबाजी को लेकर रोहित का बयान

हम वनडे के लिए आए खिलाड़ियों को खेलने का समय देना चाहते थे

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में सातवें नंबर पहले बल्लेबाजी करने आए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा, हम खिलाड़ियों को आजमाना चाहते थे, इसलिए बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किए।

भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। टीम इंडिया ने 115 रन के लक्ष्य को महज 22.5 ओवर में हासिल कर वेस्टइंडीज पर शानदार जीत हासिल की। ईशान किशन (52 रन) ने करियर का चौथा वनडे अर्धशतक जमाया, जबकि कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने भी 3 विकेट चटकाए।

टीम ने 115 रन के टारगेट को हासिल करने में पांच विकेट गंवाए

हालांकि यह जीत आसान नहीं रही थी, टीम ने 115 रन के टारगेट को हासिल करने में पांच विकेट गंवा दिए थे। मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी क्रम में बहुत से बदलाव देखने को मिले। रोहित सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए, जबकि विराट कोहली को बैटिंग का मौका नहीं मिला।

मैच के बाद रोहित ने बल्लेबाजी क्रम में इस तरह के बदलाव के पीछे का कारण बताया। रोहित ने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि पिच इस तरह खेलेगी। इस पिच पर सीमर्स और स्पिनर्स के लिए बहुत कुछ था। बल्लेबाजों को जल्दी आउट करने का हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रयास किया। हम वनडे में खिलाड़ियों को खेलने का समय देना चाहते थे। हम जब भी संभव हो इन चीजों को आजमाते रहेंगे।' रोहित ने आगे कहा, 'कम स्कोर के बाद हम बल्लेबाजी में भी सबको मौका देना चाहते थे। हम जानते थे कि हम बल्लेबाजों को आजमा सकते हैं। मैंने सातवें नंबर पर ही टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था। इसने मुझे पुराने दिनों की याद दिला दी।' तीन मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से आगे है। दूसरा वनडे कल यानी 29 जुलाई को बारबाडोस के केनिंगटन ओवल मैदान पर ही खेला जाएगा।

संजू सैमसन की जर्सी पहनकर भी सूर्यकुमार यादव के बल्ले से नहीं निकले रन

वेस्टइंडीज, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव टी20 फॉर्मेट के बेहतरीन प्लेयर हैं और वो इस बात को पूरी तरह से साबित भी कर चुके हैं, लेकिन जब बात वनडे प्रारूप की आती है तब वो पूरी तरह से फेल नजर आते हैं।

वनडे फॉर्मेट में उन्हें अब तक 24 मैच खेलने का मौका मिला है, लेकिन उनके बल्ले से सिर्फ 2 अर्धशतक निकले हैं और उनकी बेस्ट पारी इसमें 64 रन की रही है। पिछले 18 वनडे मैचों में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 34 रन रहा है। एक बार फिर से सूर्यकुमार यादव को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में खेलने का मौका मिला, लेकिन बेहद लो स्कोरिंग मैच में भी वो रन बनाने में कामयाब नहीं रहे और जल्दी आउट हो गए।

जर्सी बदली लेकिन नहीं बदली सूर्यकुमार की किस्मत

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने संजू सैमसन की जर्सी पहनी थी और पूरे मैच के दौरान वो उसी जर्सी में नजर आए थे। बेशक उन्होंने अपनी जर्सी इस मैच में बदल ली, लेकिन रन बनाने के मामले में उनकी किस्मत बिल्कुल भी नहीं बदली। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ पहले मैच में 114 रन बनाए थे और जब शुभमन गिल 7 रन बनाकर आउट हो गए उसके बाद वो तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। भारत को जीत के लिए ज्यादा बड़ा टारगेट नहीं मिला था और सूर्यकुमार के पास मौका था कि वो टीम को जीत दिलाते हुए वापस लौटते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और वो 25 गेंदों पर एक छक्का और 3 चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हो गए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाई थी गोल्डन डक की हैट्रिक

वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच से ठीक पहले सूर्यकुमार यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारत की तरफ से खेलने का मौका मिला था और उस सीरीज में उन्होंने गोल्डन डक की हैट्रिक लगाई थी। सूर्यकुमार के लिए वो सीरीज काफी खराब रहा था, लेकिन इसके बाद भी जब इंडीज टीम के खिलाफ खेलने का मौका आया तो उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 : पपुआ न्यू गिनी ने किया क्वालिफाई

15 टीमें हुईं पक्की, 5 का बर्थ खाली; पहली बार 20 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पपुआ न्यू गिनी (पीएनजी) ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ईस्ट एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर में शुक्रवार को खेले गए मैच में पीएनजी ने फिलीपींस को 100 रनों से हराया।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) 2024 टी-20 वर्ल्ड कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। टी-20 वर्ल्ड कप का यह 9वां एडिशन होगा। अगले साल खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट के लिए अब तक कुल 15 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। अब सिर्फ पांच टीमों को लिए स्थान खाली है।

बाकी पांच टीमों का फैसला अमेरिका क्वालिफायर, एशिया क्वालिफायर और अफ्रीका क्वालिफायर से होगा। अमेरिका से एक, एशिया और अफ्रीका से दो-दो टीमों को 2024 टी-20 वर्ल्ड में खेलने का मौका मिलेगा।

पपुआ न्यू गिनी ने फिलीपींस को 100 रन से हराया

फिलीपींस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीएनजी ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 229 रन बनाया। पीएनजी के लिए टोनी उरा ने सबसे ज्यादा 57 रन की पारी खेली। जवाब में फिलीपींस छह विकेट पर महज 129 रन बना सका। पीएनजी ईस्ट एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।

15 टीमों ने किया क्वालिफाई

मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा भारत, इंग्लैंड, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड, आयरलैंड,स्कॉटलैंड और पपुआ न्यू गिनी ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाई है।

पहली बार 20 टीमें हिस्सा लेंगी

पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले, 2007 से 2012 तक खेले गए चार वर्ल्ड कप में 12 और 2014 से 2022 तक खेले गए चार वर्ल्ड कप में 16 टीमें हिस्सा लेती थीं। इन 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। 5-5 टीमों वाले चार ग्रुप में से टॉप-2 में रहने वाली आठ टीमें अगले राउंड में पहुंचेगी। इन ग्रुप में टॉप-2 में रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। फिर फाइनल खेला जाएगा।

स्थिति के कारण आपको बाहर बैठना पड़ता है : कुलदीप यादव

ब्रिजटाउन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज पर भारत की पांच विकेट की जीत के दौरान शीर्ष श्रेणी के स्पिनर के गुणों का प्रदर्शन किया और 6 रन देकर 4 विकेट लिए।

28 वर्षीय बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज के सामने कई चुनौतियां हैं। दमदार प्रदर्शन के बावजूद वह टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। कुलदीप ने खेल के तीनों प्रारूपों में प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाए हैं। हालांकि, भारत में स्पिन संसाधनों की प्रचुरता के कारण, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से उन्हें कई मैचों से बाहर रखा गया है। फिर भी, कलाई का स्पिनर इस तरह के उतार-चढ़ाव से अप्रभावित रहता है और अपने खेल के उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है जिन्हें वह नियंत्रित कर सकता है।

कुलदीप ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आपको अक्सर स्थिति या संयोजन के कारण बाहर बैठना पड़ता है। यह एक सामान्य बात है। मैं इतने लंबे समय से क्रिकेट खेल रहा हूं - छह, साढ़े छह साल हो गए हैं (मेरे पदार्पण के बाद से) और बहुत सी चीजें सामान्य हो गई हैं।'' मुझे जब भी मौका मिलता है मैं उस काम पर और अपनी गेंदबाजी पर अधिक ध्यान देता हूं जो मुझे करना होता है, (ताकि मैं प्रदर्शन कर सकूं)। जब मैं नहीं खेलता तो मैं बहुत शांत रहता हूं क्योंकि मेरे ऊपर प्रदर्शन करने का कोई दबाव नहीं होता है।'' जब आप खेलते हैं तो दबाव होता है, लेकिन साथ ही अच्छा प्रदर्शन करने का भी दबाव होता है। आप एक बड़ी टीम के लिए खेल रहे हैं, आप भारत के लिए खेल रहे हैं, बहुत सारे लोग आपको देख रहे हैं, आपका अनुसरण कर रहे हैं, इसलिए आप चाहते हैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। कुलदीप यादव ने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के साथ मिलकर सफेद गेंद क्रिकेट की गतिशीलता में क्रांति ला दी। कुलचा के नाम से मशहूर इस दुर्जेय जोड़ी ने स्पिन विभाग में प्र भा व शी ल ता और कौशल का एक नया स्तर पेश किया, जिसने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

स्पिन जोड़ी इंग्लैंड में आयोजित 2019 विश्व कप का हिस्सा थी। हालाँकि, ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत की सेमीफाइनल हार के बाद उनकी साझेदारी को झटका लगा। तब से, उन्होंने केवल कुछ ही मैच एक साथ खेले हैं। लेकिन कुलदीप ने कहा कि उनके रिश्ते को उस झटके से कोई नुकसान नहीं हुआ है और वे एक-दूसरे की सफलता का आनंद लेना जारी रखते हैं।

उन्होंने बताया, हम बहुत निश्चिंत हैं। हम जानते हैं कि संयोजन बहुत मायने रखता है। कभी वह (चहल) खेलते हैं, कभी मैं खेलता हूं और हमारी समझ बहुत अच्छी है। हम बहुत सामान्य हैं। जब मैं खेलता हूं तो वह मेरी बहुत मदद करते हैं कि मैं क्या कर सकता हूं, क्या बदल सकता हूं।'' कुलदीप ने कहा, वह हमेशा चाहते हैं कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूं। जब वह खेलते हैं तो मैं भी वैसा ही करता हूं, ताकि जब वह खेलें तो टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करें। शायद यही कारण है कि कुल-चा साझेदारी ने वर्षों से इतना अच्छा काम किया है। हम एक दूसरे का समर्थन करते हैं। ''

कुलदीप ने अपनी हालिया सफलता का श्रेय सीनियर रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी दिया। उन्होंने कहा, सीनियर बड़ी भूमिका निभाते हैं। जब मैं अपने खेल में बदलाव लाया, तो विराट भाई और रोहित भाई ने मेरा बहुत समर्थन किया। उन्होंने मुझ पर भरोसा दिखाया है। वे मेरा समर्थन कर रहे हैं।

भुवनेश्वर कुमार ने इंस्टाग्राम बायो से हटाया 'क्रिकेटर' शब्द

सोशल मीडिया पर कट गया बवाल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपने इंस्टा बायो से क्रिकेटर शब्द हटा लिया है। उनके ऐसा करते ही सोशल मीडिया का अटकलें लगने लगी कि भुवी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। उनके आधिकारिक हैंडल के बायो पर इंडियन लिखा हुआ है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कथित तौर पर अपने बायो से 'क्रिकेटर' शब्द हटा दिया है। इससे सोशल मीडिया पर कुछ प्रशंसकों ने अनुमान लगाया है कि खिलाड़ी ने शायद संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। हालांकि इसमें सच्चाई कितनी है ये तो आने वाला वक्त ही ब ता ए गा । गौरतलब है कि भुवनेश्वर ने भारत के लिए आखिरी मैच पिछले साल नवंबर में खेला था। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच था। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सभी 14 मैच खेले। 2012 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से भुवनेश्वर ने 21 टेस्ट, 121 वनडे और 87 टी20 मैच खेले हैं। भुवनेश्वर भी सबसे लंबे प्रारूप में एक उपयोगी बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 29 पारियों में 22 से अधिक की औसत और तीन अर्द्धशतक के साथ 552 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 63 रन है।

नोवाक जोकोविच लेंगे राफेल नडाल से पहले संन्यास मां ने बताया रिटायरमेंट प्लान!

नई दल्लिी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अपने चिर प्रतिद्वंदी राफेल नडाल से पहले रिटायरमेंट ले सकते हैं. दरअसल, नोवाक जोकोवचि के परिजनों ने इस मामले को हवा दी है. यदि जोकोविच के परिवार की बातें सच हैं, तो उनका रिटायरमेंट संभवतः नडाल की वापसी से पहले हो सकता है. वहीं जोकोविच की मां ने भी रिटायरमेंट को लेकर कई बातें कहीं हैं. नोवाक जोकोविच विम्बलडन 2023 के फाइनल मुकाबले में कार्लोस अल्कराज के सामने हार गए थे.

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर ने पिछले साल ही संन्यास लिया था. वहीं नडाल चोटिल चल रहे हैं, ऐसे में माना जा रहा है बिग थ्री में से एक नोवाक जोकोविच दुनिया भर के फैन्स को झटका देने की तैयारी कर रहे हैं. क्योंकि जोकोवचि की फैमली ने रिटायरमेंट को लेकर कुछ बातें की हैं. ऐसे में वो नडाल के अंतिम प्रोफेशनल टूर से पहले संन्यास ले सकते हैं. दरअसल, नोवाक जोकोवचि पर एक नई डॉक्युमेंटी 'नोवाक जोकोवचि-अनटोल्ड स्टोरी' में उनकी मां दीजाना ने अपने बेटे के बारे में कई बातें की हैं. दीजाना ने कहा कि उनके बेटे ने सब कुछ हासिल कर लिया है. जो कुछ भी वह तुरंत पाना चाहता था, उसे वह मिला है.अब सब कुछ उस पर निर्भर है, मेरे अनुसार वो (नोवाक) अभी संन्यास ले सकते हैं, उन्होंने हर जगह विजय प्राप्त की है.

वहीं नोवाक के पिता श्रीदान जोकोविच ने भी कहा था कि वह चाहते हैं कि उनका बेटा जल्द से जल्द रिटायमेंट ले ले.

श्रीदान ने कहा, "जहां तक उसके लिए मेरी इच्छाओं का सवाल है, वह सात-आठ साल पहले ही उन सभी को पूरा कर चुका है. बाकी सब कुछ बोनस है. टेनिस उसकी जिंदगी का एक हिस्सा है, सब कुछ नहीं.'

पांचवें टेस्ट में चोटिल ऑलराउंडर मोईन अली की फिटनेस पर इंग्लैंड चिंतित

लंदन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। एशेज 2023 सीरीज में 1-2 से पिछड़ने और पांचवें और अंतिम टेस्ट में अपनी पहली पारी में 283 रन पर आउट होने के बाद, इंग्लैंड शेष भाग के लिए ऑलराउंडर मोईन अली की उपलब्धता पर चिंता में है। मैच में इंग्लैंड के मुख्य स्पिनर मोइन शाम को द ओवल में इंग्लैंड की पहली पारी में विकेटों के बीच दौड़ते समय चोटिल हो गए और पहले दिन अंतिम सत्र में मैदान पर नहीं उतरे।

ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 61/1 से आगे खेलना शुरू करेगा और बड़ी बढ़त लेने की उम्मीद करेगा जबकि इंग्लैंड मोईन अली से अपनी स्पिन गेंदबाजी से उन्हें परेशान करने की उम्मीद कर रहा होगा। ओवल का विकेट टर्निंग के लिए प्रसिद्ध है और ऑस्ट्रेलिया मैच में आखिरी में बल्लेबाजी करेगा, मोईन की स्पिन गेंदबाजी एक बड़ा कारक हो सकती है। इस प्रकार, इंग्लैंड का मेडिकल स्टाफ चोट की निगरानी करना जारी रखेगा, क्योंकि मोईन को समस्या के बाद किसी भी ताकत के साथ दौड़ने में स्पष्ट रूप से संघर्ष करना पड़ रहा था।

एक रन के दौरान लंगड़ाने के बाद मैदान पर उपचार लेने के बाद, मोईन, जो विशेष रूप से इस एशेज श्रृंखला के लिए रिटायरमेंट से लौटने के बाद अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे हैं, ने रिटायर हर्ट होने के बजाय ऑस्ट्रेलिया के लिए लॉन्ग हैंडल लेने का विकल्प चुना और अगली नौ गेंदों में 23 रन बनाए। हैरी ब्रुक ने कहा, जाहिर तौर पर वह काफी दर्द में था...उम्मीद है कि बाद में खेल में उसकी कुछ भूमिका हो सकती है। हैरी ब्रूक, जिन्होंने इंग्लैंड के लिए 85 रन बनाए और मोईन के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे। मोईन चोटिल हो गए, ब्रुक ने कहा कि मोईन ने रिटायर हर्ट होने के बजाय बल्लेबाजी जारी रखने का फैसला किया।

ब्रुक ने पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, वास्तव में यह उनका निर्णय था। जैसे ही फिजियो पिच से चले गए, उन्होंने कहा 'क्या मुझे अभी टी ऑफ कर देना चाहिए'। और मैंने कहा कि आपको शुरू से ही ऐसा करना चाहिए था। वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पावर हिटर्स में से एक हैं और हमने इसे फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट और सफेद गेंद क्रिकेट में देखा है।

तेलंगाना बाढ़ : मुलुगु में एनडीआरएफ, सेना का बचाव अभियान जारी

मुलुगु/भूपालपल्ली, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जम्पन्ना वागु नदी के उफान के कारण आई बाढ़ के मद्देनजर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) स्थानीय पुलिस और सेना के जवानों की मदद से एतुरनगरम मंडल के अंतर्गत कोंडई गांव में बचाव और राहत कार्यों में लगा हुआ है। मुलुगु जिले में. बाढ़ के कारण गांव बुरी तरह जलमग्न हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 60 से 70 लोग भोजन और पानी के बिना फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ की टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया है और ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। बचाव प्रयासों में सहायता के लिए नावें तैनात की गई हैं, जिससे उम्मीद है कि फंसे हुए लोगों को जल्द ही सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। हालाँकि, स्थिति गंभीर बनी हुई है क्योंकि पिछले दिन सात ग्रामीण बह गए थे, जिनमें से चार के शव शुक्रवार को बरामद किए गए। सहायता के लिए राज्य सरकार के अनुरोध का जवाब देते हुए, सेना के हेलीकॉप्टर भी बचाव अभियान में शामिल हो गए हैं। मंत्री सत्यवती राठौड़ भी चल रहे प्रयासों पर बारीकी से नजर रख रही हैं। बुधवार रात को अभूतपूर्व बारिश के कारण बाढ़ आ गई, जिससे जिले के कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई।

हरीश राव ने आपातकालीन सेवा कर्मियों की सेवाओं की सराहना की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने शुक्रवार को सरकारी कर्मचारियों और आपातकालीन सेवाओं में कर्मियों की सेवाओं की सराहना की, जो लगातार बारिश के बावजूद अथक काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित रखने के लिए बचाव और राहत कार्यों में उनकी सेवाएं अमूल्य है।

एक ट्वीट में, हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के . चंद्रशेखर राव की निरंतर निगरानी में मूसलाधार बारिश के बीच आपदा प्रबंधन, पुलिस, नगर प्रशासन, पंचायत राज, स्वास्थ्य और अन्य सहित सभी विभाग समन्वय में काम कर रहे थे और प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान कर रहे थे। उन्होंने लोगों से बारिश कम होने तक सतर्क और सतर्क रहने का आग्रह किया।

अपने ट्विट में मंत्री ने कहा कि सरकारी आपातकालीन सेवा कर्मियों को बधाई, जो लगातार बारिश के बावजूद अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। राहत प्रयासों में संलग्न होकर और लोगों को पीड़ा से बचाकर आप जो सेवाएँ कर रहे हैं वह अमूल्य है।

कई दिनों की लगातार बारिश के बाद सूरज हैदराबाद लौटा

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार कई दिनों की बारिश के बाद, हैदराबादवासियों को शुक्रवार को बहुत जरूरी राहत मिली, जब सूरज आखिरकार लंबे समय से प्रतीक्षित दिखाई दिया। आसमान साफ होने से उन निवासियों को राहत मिली जो लगभग एक सप्ताह से घर के अंदर ही कैद थे। भारी बारिश के कारण शहर में असुविधा हुई, जिससे जलजमाव हुआ, यातायात बाधित हुआ और दैनिक गतिविधियाँ रुक गईं। हालाँकि, जैसे ही सूरज बादलों के पीछे से निकला, सड़कें धीरे-धीरे सामान्य होने लगीं।

स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने स्टॉल लगाए और उन भीड़ को अपने सामान और सेवाएं पेश कीं जो कई दिनों तक अपने घरों के अंदर बंद रहने के बाद बाहर निकली थीं। आईटी कॉरिडोर, जो परिवहन चुनौतियों से जूझ रहा था, वहां यातायात सुचारू रहा क्योंकि कई कंपनियों ने मौजूदा मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, घर से काम करने की व्यवस्था की घोषणा की थी या अपने कर्मचारियों के लिए अलग-अलग लॉगआउट लागू किया था। परिणामस्वरूप, आमतौर पर शहर के कार्यबल से भरे रहने वाले हलचल वाले क्षेत्रों में शांत वातावरण का अनुभव हुआ।

एचसी ने सरकार से 15 दिनों में ओआरआर जानकारी प्रदान करने को कहा

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी द्वारा दायर एक आरटीआई आवेदन के तहत ओआरआर (बाहरी रिंग रोड) टोल गेट निविदाओं पर जानकारी से इंकार करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की। इसने राज्य सरकार से पूछा कि उसने मौजूदा सांसद को जानकारी क्यों नहीं दी? इसने आरटीआई अधिनियम के मुख्य उद्देश्य पर आश्चर्य जताते हुए राज्य सरकार से इसके पीछे के कारणों के बारे में भी पूछा। यह भी आश्चर्य हुआ कि यदि विधायी निकायों में विपक्षी दल के जन प्रतिनिधियों को आरटीआई के तहत जानकारी नहीं दी जाएगी तो वे क्या बोलेंगे? उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश प्राप्त होने की तारीख से दो सप्ताह के भीतर रेवंत रेड्डी द्वारा मांगा गया विवरण देने का निर्देश दिया। बहस के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत से कहा कि वह विवरण देने के लिए तैयार हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को तय की है। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि सूचना के अधिकार के तहत औपचारिक अनुरोध के बावजूद अधिकारियों ने नेहरू आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के टोल प्रबंधन (टीओटी) के हस्तांतरण से संबंधित जानकारी प्रदान नहीं की थी। कार्यवाही करना। हालांकि आवेदन पिछले महीने की 14 तारीख को दायर किया गया था, लेकिन अधिकारियों की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का आचरण आरटीआई अधिनियम के साथ-साथ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। श्री रेड्डी ने अपनी याचिका में कहा कि मैंने पहली बार 1 मई को आवेदन किया था, लेकिन 23 मई को बहुत कम जानकारी दी गई। मैंने 14 जून को फिर से आवेदन किया। हमने ओआरआर लीज रिपोर्ट के संबंध में जानकारी देने के लिए कहा है, जिसे देने पर कैबिनेट का निर्णय लिया गया है।" यह 30 साल की लीज पर है और 9 वर्षों 2021-22 और 2022-23 में अर्जित कुल आय। क्या लीज पारदर्शी थी? या नहीं? यह जानकारी जानना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी याचिका में नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास के प्रमुख सचिव, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड के जनसंपर्क अधिकारी और एमडी को प्रतिवादी के रूप में नामित किया है।

SHRI GUJARATI PRAGATI SAMAJ
શ્રી ગુજરાતી પ્રગતિ સમાજ
4-3-259, Giriraj Lane, Koti, Bank Street, Hyderabad-500 095 (TS)
Ph: 040-24754657, 24758704 | E-mail : pragatisamaj@yahoo.co.in

ANNUAL GENERAL MEETING & ELECTION OF SHREE GUJARATI PRAGATI SAMAJ - HYDERABAD

will be held at SNC Convention, Attapur on Sunday 30th July 2023

Upon seeing the weather condition & request of the honourable members, bus arrangements have been made by the society from the following places. Buses will start @ 12 noon

1 Bus Jineshwardham Bank of India, Kachiguda. Contact: Rishi Kotak 9948233909

2 Buses Pragati Mahavidyalaya (College) Deepak Bhawan Contact: Himanshu Shah 9866689964

1 Bus CGO Tower Kalpana Theatre Secunderabad. Contact: Suresh Patel 9391010874, Ghanshyam Patel 9393075057

1 Bus L B Nagar Contact: Jayanti Bhai 9989308261

1 Bus Mallapur Contact: Bhudar Bhai 9000522831

1 Bus Santosh Nagar - Contact: Ashwin Bhai 9100265053

શ્રી ગુજરાતી પ્રગતિ સમાજ - હૈદરાબાદની વાર્ષિક સામાન્ય સભા તથા ચૂંટણી

રવિવાર તા.30.07.2023 ના SNC કન્વેન્શન, અત્તાપુરમાં રાખવામાં આવેલ છે

માનનીય સભ્યોની વિનંતીને ધ્યાનમાં રાખી સમાજ તરફથી બસોની વ્યવસ્થા નીચેના સ્થળોથી કરવામાં આવેલ છે. બસ દરેક જગ્યાએથી બપોરના 12 વાગે ઉપડશે

1 બસ જિનેશ્વરધામ, બેન્ક ઓફ ઇન્ડિયા, કાચીગુડા સંપર્ક: રિશી કોટક 9948233909

2 બસ પ્રગતિ મહાવિદ્યાલય (કોલેજ), દીપક ભવન સંપર્ક: હિમાંશુ શાહ 9866689964

1 બસ સી જી ઓ ટાવર કલ્પના થિએટર, સિકંદરાબાદ સંપર્ક: સુરેશ પટેલ 9391010874, ઘનશ્યામ પટેલ 9393075057

૧ બસ LB નગર સંપર્ક: જયંતી ભાઈ 9989308261

૧ બસ મલ્લાપુર સંપર્ક: ભૂદર ભાઈ 9000522831

૧ બસ સંતોષ નગર સંપર્ક: અશ્વિન ભાઈ 9100265053

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.